नक्सलियों का आत्मसर्मपण

एक समय था जब जमुई अति नक्सल प्रभावित जिले के रूप में सुमार हुआ करता था। जिले का 10 प्रखंडों में से प्रखंड मुख्यालय छोड़ कर सभी प्रखंड नक्सल और अति नक्सल प्रभावित प्रखंड हुआ करता था। जिले के उन नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में पुलिस को यदि जाना होता था तो पुलिस वहाँ जाने से पहले एक सौ बार सोंच लेती थी पर आज परिस्थिति बदल चुकी है। जिले के टॉप मोस्ट नक्सली आत्मसर्मपण कर रहे हैं जिससे नक्सल प्रभावित क्षेत्र कम हो रहे हैं थाना की संख्या बढ़ रही है और आज जिन क्षेत्रों में पुलिस जाने से पहले सारी सुरक्षा को पुख्ता कर लेती थी आज उन क्षेत्रों में नक्सली नजर नहीं आते हैं। एक समय था जब चरकापत्थर थाना क्षेत्र, बरहट थाना क्षेत्र, गरही थाना क्षेत्र पूरी तरह से नक्सलियों के चपेट में हुआ करता था और उन क्षेत्रों में पुलिस किसी भी प्रकार की घटना घटने के घंटों बाद पहुँचती थी। पुलिस यह कन्फर्म कर लेती थी कि नक्सली कहीं रास्ते में बिस्फोटक तो नहीं लगा रखा है आज उन क्षेत्रों में पुलिस बेधड़क कहीं भी कभी भी आ जा सकती है और नक्सली यह सोंच कर नहीं आते हैं कि कहीं पुलिस की नजर हमपर न पड़ जाए और जिस प्रकार से बड़े और इनामी नक्सली पुलिस गिरप्त में आ रहे हैं उससे बिहार का अतिनक्सल प्रभावित जिला नक्सल विहिन हो जाएगा और बहुत जल्द नक्सल फ्री जिले के रूम में जमुई स्थापित हो जाएगा। जमुई से हमारे जिला ब्यूरो **अजय कुमार** की रिर्पोट :-

जमुई जिले में जब से पुलिस अधिक्षक के रूप में शोर्य सुमन ने पदभार सम्हाला है तब से मानो नक्सलियों की सामत ही आ पड़ी है। सरकार की आक्रामकता के साथ लचीलापन वाली नीति ने नक्सलियों को आत्मसर्मपण करने पर मजबूर कर दे रही है। यही नहीं जमुई में नक्सल घटनाओं का कहीं नामो निशान तक नजर नहीं आता है। एक-एक कर करीब-करीब सभी बड़े नक्सली आत्मसर्मपण कर दे रहें हैं। एक माह के अन्दर ही जिले के पॉच बड़े नक्सली आत्मसर्मपण कर चुके हैं। पॉचो इनामी और दर्जनों मामलों में वांटेड नक्सली रहा है। पुलिस इन नक्सलियों को गिरप्तार करने की बात प्रेस को संबोधन में किया है पर सच्चाई यह है कि इन्होंने पुलिस के खौफ से आत्मसर्मपण किया है। ये सारे

नक्सली इतने क्रूर और आतंकी रहे हैं कि इनकी गिरप्तारी इतनी भी आसान नहीं थी। एक महीना के अन्दर दो टर्म में ही पॉच बड़े नक्सलियों का आत्मसर्मपण से मानो जिला नक्सली विहिन होने के कगार पर है। किसी भी नक्सल वारदात में पिंटु राणा का नाम जरूर पुलिस रिकार्ड में डाला जाता था। जमुई पुलिस ने प्रेस विज्ञप्ति में जो बताया है उसमें केन्द्रीय पुलिस बल, जिला पुलिस, एवं सिविल प्रशासन के द्वारा किये जा रहे अनेकों कल्याणकारी कार्यो एवं अर्धसैनिक बलों, सीआरपीएफ, एसएसबी, कोबरा, एसटीएफ तथा जिला पुलिस जमुई द्वारा लगातार चलाये जाने वाले अभियान के दबाव में 13 जून 2022 को हार्डकोर बड़े इनामी नक्सली बालेश्वर कोड़ा पिता सरयुग कोड़ा अर्जुन कोड़ा पिता जगदेव कोड़ा दोनो चोरमारा थाना बरहट तथा तीसरा नक्सली

नागेश्वर कोड़ा

बालेश्वर कोड़ा

प्रवेश दा

नागेश्वर कोड़ा पिता शीतल कोड़ा जटकुटिया थाना धरहरा जिला मुंगेर ने बिहार सरकार और भारतीय संबिधान में आस्था प्रकट करते हुए आत्मसर्मपण किया है। नागेश्वर कोड़ा पर एक लाख बालेश्वर कोड़ा पर पचास हजार और अर्जून कोड़ा पर 25 हजार का इनाम बिहार सरकार ने घोषित कर रखा था वहीं बात करें इन नक्सलियों पर आरोपों का तो इन सभी नक्सलियों पर लखीसराय जिला के ही पीरीबाजार, चानन और कजरा थाना में मामले दर्ज है। नागेश्वर पर 2 हत्या समेंत दर्जन भर मामले तथा बालेश्वर कोड़ा पर 33 मामले तथा अर्जुन कोड़ा पर भी दर्जन भर मामले दर्ज है। आपको बता दूँ कि इन सभी नक्सलियों पर भीमबांध के जंगली क्षेत्रों में काफी बर्चस्व रहा है। आप जानते होंगे कि 14 जुलाई 2017 को बरहट के कुमरतरी का पूरा गॉव बिस्थापित हो चुका था इसके पिछे भी यही नक्सली काम कर रहे थे। गॉव में तीन-तीन हत्याएं एक साथ पत्थर से कूच कर कर दिया और बरहट डेम के निकट उनका लाश मिला था। इसके बाद इनं नक्सलियों ने क्षेत्र में कॉफी आतंक पैदा किया था। यहॉ के स्थानीय होने के कारण इनका इन क्षेत्रों में समानांतर सरकार चलती थी। इन नक्सलियों का शिर्ष नक्सली नेता प्रवेश दा से कॉफी नजदीकी रही थी। बाद में ग्रामिण वर्षों तक बरहट स्कूल, केंप के नजदीक तो पतनेश्वर पहाड़ी और सिकन्दरा के कोड़सी जैसे स्थानों पर इन नक्सलियों के डर से खानाबदोस की जिंदगी बिताते रहे आज इन पीड़ितों को कॉफी सुकुन महसुस हो रहा होगा। वर्ष 2005 में भीमबांध के बीहर जंगलों में ही तत्कालिन एसपी केसी सुरेन्द्र बाबू की बम बिस्फोट कर हत्या नक्सलियों द्वारा कर दिया गया था। आज यह क्षेत्र नक्सलियों के आतंक से पूरी तरह से आजाद हो चुका है। भीमबांध में पुलिस केंप हो जाने के बाद से यहॉ के मनोरम गर्म कुंड में आज हजारों पर्यटक पहुँच रहे हैं।

कभी नक्सली मार-काट और बिस्फोट करते थे आज आत्मसर्मपण कर रहे हैं और इस कड़ी में जिले के दो और बड़े इनामी नक्सली नेता आत्मसमपर्ण कर एक और इतिहास रच दिया। बताया जाता है कि 17 जुलाई को खैरा थाना क्षेत्र के हरणी पंचायत अंर्तगत खेलारी के जंगलों में बिहार झारखंड से लेकर छतिसगढ़ तक में अपने आतंक से लोगों में खौफ पैदा करने वाला र्दुदांत 6 लाख का नक्सली पिंटु राणा अपनी

पिंटू राणा

करूणा दी

पत्नी 25 लाख का इनामी नक्सली करूणा दी के साथ एके 47 और एसएलआर के साथ आत्मसर्मपण कर दिया। यह घटना जमुई के नक्सल इतिहास में स्वणाक्षरों में लिखा जाएगा। पिंटू राणा मूल रूप से जमुई जिले के लक्ष्मीपुर प्रखंड अंर्तगत मोहनपुर का रहने वाला है। पिंटू पूर्वी बिहार पूर्वोत्तर झारखंड स्पेशल एरिया कमिटि का जोनल कमांडर था। पिंटू पर 14 हत्याएं समेंत कुल 66 मामले बिहार-झारखंड के कई थानों में दर्ज है। 15 वर्षो का नक्सल इतिहास रहा है पिंटु राणा का। इन 15 वर्षों में जमुई जिले में जितनी भी घटनाएं हुई है उसमें लगभग में पिंटू राणा का नाम दर्ज माना जाता है तो वहीं करूणा दी उर्फ जोशीला उर्फ कृष्णा दी जो कि नक्सली संगठन का एक विंग जैक का सदस्य थी अपने पति मंजीत हेम्ब्रम के मौत के बाद वह वर्तमान में पिंटू राणा से शादी कर साथ रह रही थी। झारखंड के गिरिडीह जिले के पीरटांड थाना क्षेत्र के नवडीहा का निवासी थी महिला नक्सली नेता करूणा दी। करूणा दी पर 6 हत्याएं समेत कुल 27 मामले पुलिस रिकार्ड में दर्ज दिखाया गया है। करूणा पर झारखंड सरकार की ओर से 25 लाख और बिहार सरकार की ओर से 50 हजार के इनाम की घोषण की गई थी।

अब तक पिंटू राणा समेत पॉच प्रमुख और इनामी नक्सली के आत्मसर्मपण के मामले में नक्सल घटनाओं पर पूरी तरह से विराम लगने की संभावना जताई जा रही है। सूत्रों की माने तो अब क्षेत्र में बड़े नक्सली नेता में से प्रवेश दा और कथित नक्सली प्रवक्ता अरविन्द यादव बचे हुए हैं और पुलिस प्रशासन की माने तो बहुत जल्द इन दोनो पर भी पुलिस लगाम कसने में कामयाब हो जाएगी। इसके अलावे जमुई पुलिस जिले के विभिन्न जंगलों और खासकर भीमबांध के जंगलों से भारी मात्रा में नक्सली सामानों को कई बोरे में बरामद करती जा रही है। पुलिस को जिस प्रकार से नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के जनता का सहयोग मिल रहा है और पुलिस जिस प्रकार से जिले में नये थानों को स्थापित कर आम जनता के बीच पैठ बनाने और बड़े नक्सलियों पर दबाव बनाने में कामयाब हुई है उससे वह दिन दुर नहीं जब पूर्णत: नक्सल प्रभावित जिला जमुई नक्सल फ्री जिला के श्रेणी में आ जाएगा। ●

चंद्रवंशी समाज के लोगों ने मनाया पूर्व मंत्री का जन्मोत्सव

● डॉ० कुंज बिहारी

जमुई जिले के केकेएम कॉलेज के पीछे शीतला कॉलोनी में बिहार सरकार के पूर्व रहे कई मंत्री गया शहरी क्षेत्र के विधायक जन्म 5 अगस्त 1955 डॉक्टर प्रेम कुमार का 67 वां जन्मदिवस चंद्रवंशी परिवार द्वारा धूमधाम से मनाया गया। जिसमें समाज के द्वारा केक काटकर और मिठाइयां खिलाकर धूमधाम से मनाया गया। साथ ही चंद्रवंशी परिवार के द्वारा यह भी कहा गया कि आज समाज के लोगों को इन पर गर्व है। जो 1990 दशक से आज तक आठवीं बार विधायक का चुनाव जीतने का श्रेय प्राप्त है। डॉक्टर प्रेम कुमार का राजनीतिक जीवन संघर्षपूर्ण रहा और 1951 से 1990 तक गया शहर में अन्य पार्टियों का दब दबा रहा, लेकिन 1990 से लगातार प्रेम कुमार जीतते आ रहे हैं। इनकी व्यक्तिगत छवि के बारे में कहे तो वह बेहद सरल स्वभाव के हैं, वे जमीन से जुड़े हैं और कभी भी सत्ता में होने का या माननीय होने का दिखावा नहीं करते। विपक्षी द्वारा हर बार नए चेहरे को उनके खिलाफ मैदान में उतारा गया, फिर भी सभी हार गए। डॉक्टर प्रेम कुमार सब स्वभाव के कारण जनता पर विशेष पकड़ है। इनकी शिक्षा की बात करें तो वह इतिहास विषय से पीएचडी डिग्रीधारी हैं।

अखिल भारतीय चंद्रवंशी क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बिहार सरकार के पूर्व मंत्री के जन्म दिवस के मौके पर उपस्थित लोगों ने उनके सुखद समृद्ध और दीर्घायु जीवन की कामना की !इस कार्यक्रम मेंअखिल भारतवर्षीय चंद्रवंशी क्षत्रिय महासभा के दक्षिण बिहार प्रदेश अध्यक्ष कृष्ण कुमार चंद्रवंशी, राष्ट्रीय कमेटी के सदस्य कामेश्वर जी प्रसाद, जमुई जिला अध्यक्ष सुधीर राम चंद्रवंशी, जमुई नगर अध्यक्ष धनंजय कुमार चंद्रवंशी, लखीसराय जिला प्रवक्ता मदन कुमार, झाझा प्रखण्ड संयोजक प्रेम कुमार चंद्रवंशी, रणधीर कुमार चंद्रवंशी, जिला कोषाध्यक्ष अमोद कुमार चंद्रवंशी, सिकंदरा प्रखंड अध्यक्ष शंकर राम चंद्रवंशी, जमुई जिला युवा अध्यक्ष डब्लू कुमार चंद्रवंशी महेश राम चंद्रवंशी, विनोद सिकंदरा प्रखंड प्रमुख प्रतिनिधि घनश्याम राम चंद्रवंशी जमुई, प्रखंड अध्यक्ष संभू राम चंद्रवंशी रंजन कुमार चंद्रवंशी समेत दर्जनों चंद्रवंशी भाई उपस्थित रहे। ●

जामताड़ा बना नवादा

छापेमारी में 01 करोड़ 22 लाख 77 हजार नकदी के तीन लक्जरी वाहन के साथ 4 हुए गिरफ्तार'

● मिथिलेश कुमार

डाल - डाल मैं पात- पात बाली कहानी के साथ जिले में साइबर अपराधियो के द्वारा रोज नए नए ठगी के तकनीक अपना रहे है जिसे पुलिस भी नही भेद पा रही है। इस धंधे में अब कई शातिर साइबर एक्सपर्ट के आने से पुलिस विभाग के साइबर सेल भी सकते में है। हालांकि पुलिस के द्वारा इस धंधे पर अंकुश लगाने का प्रयास किया जाता रहा है परन्तु अलग अलग अंदाज में साइबर अपराधियों के द्वारा फर्जी बेबसाइट बनाकर लोगों को ठगी का शिकार बनाया जा रहा है। वैसे अगर देखा जाये तो पूरे देश में सबसे बड़ा ठगी का रैकेट जामताड़ा से संचालित होता था जो धीरे धीरे देश के बिभिन्न राज्यों एवं हिस्सों में तीव्र गति से प्रारम्भ हो गया है।बिहार के नालन्दा जिले के कतरीसराय प्रखण्ड से शुरू हुए गोरखधंधे के तार अन्य जिलों से जुड़ गए जिसमें अभी नवादा पहले पायदान पर है। यहां आए दिन किसी न किसी राज्य की पुलिस पहुंच कर छापेमारी करती है और साइबर से जुड़े अपराधियों को गिरफ्तार कर ले जाती है। उसी कड़ी में तेलंगाना के हैदराबाद से कांड संख्या 488/22 मामले को लेकर नवादा आयी पुलिस ने वारिसलीगंज पुलिस के सहयोग से शुक्रवार की देर रात अपसढ़ पंचायत के भवानी बीघा गांव में साइबर ठगी के आरोपी मिथिलेश प्रसाद के घर छापेमारी किया। इस दौरान पुलिस की घेराबंदी देख शातिर मिथिलेश गोलीवारी करते भाग निकला। जबकि पुलिस छापेमारी के दौरान गिरफ्तार भुटाली राम के घर गोदरेज में रखा रुपयों से भरा तीन बड़े -बड़े एयर बैग, पांच मोबाइल फोन तथा तीन लग्जरी वाहन जब्त कर थाना लाया गया। इस क्रम में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया। शनिवार को वारिसलीगंज थाना में एसडीपीओ मुकेश कुमार साहा के नेतृत्व में मशीन से रुपये की गिनती की गई। सभी रुपये पांच सौ का नोट था। गिनती उपरांत बताया गया कि एक करोड़ 22 लाख 77 हजार रुपये तथा एपल कंपनी समेत कुल पांच मोबाइल फोन जब्त किया गया। जबकि जब्त वाहनों में नई फार्च्यूनर, टाटा कंपनी की हेरार तथा एक हुंडई आई 20 वाहन जब्त कर

थाना लाया गया है। पुलिस ने बताया कि जब भवानी बीघा गांव स्थित सुरेंद्र प्रसाद का पुत्र मिथिलेश प्रसाद के घर की घेराबंदी की जा रही थी। तब अपने को घिरते देख सायबर बदमाश गोलीबारी शुरू कर दिया। जबाबी कार्यवाई में पुलिस को भी आत्मरक्षार्थ 10 राउंड फायरिंग करना पड़ा। गोलीवारी में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। बताया गया की सायबर ठग सह भवानी बीघा ग्रामीण रामस्वरूप राम का पुत्र भूटाली राम के घर तलाशी के क्रम में पुलिस को गोदरेज में रखा रुपयों से भरा दो एयर बैग जिसमें एक करोड़ 22 लाख 77 हजार रुपये बरामद किया गया। जबकि मिथिलेश प्रसाद का पिता सुरेंद्र प्रसाद के घर से फार्च्यूनर तथा टाटा हेरार वाहन जिस पर पीने को ले रखा तीन बोतल शराब बरामद किया गया।

भवानी गांव में छापेमारी के दौरान पुलिस ने सायबर सरगना मिथिलेश को तो नहीं पकड़ पाई परंतु उसका पिता सुरेंद्र प्रसाद, ग्रामीण भुटाली राम तथा शेखपुरा जिले के कसार ओपी के कसार ग्रामीण राजकुमार महतो का पुत्र महेश कुमार एवं शेखपुरा के ही पाची ग्रामीण जितेंद्र कुमार को गिरफ्तार कर पुलिस हिरासत में थाना लाया गया। 'सायबर ठग के विरुद्ध अब तक कि सबसे बड़ी कार्रवाई भवानी बीघा गांव में छापेमारी में बरामद रुपये, वाहन तथा ठगों की एक साथ गिरफ्तारी जिले में बड़ी कार्रवाई बताई जा रही है। इससे पूर्व चार वर्ष पहले महाराष्ट्र की पुलिस ने वारिसलीगंज बायपास मुहल्ले से कल्लू नामक एक युवक को 56 लाख रुपये के साथ गिरफ्तार किया गया था। जबकि तेलंगाना राज्य की ही पुलिस ने दो वर्ष पूर्व भवानी बीघा में देवर भाभी

को 30 लाख नकदी के साथ गिरफ्तार किया था।

✯ मामले में कुछ प्रमुख गिरफ्तारी इस प्रकार है :-

☞ चकवाय पंचायत की बाघी गांव से 05 जून 2020 को स्थानीय पुलिस ने ठगी मामले के छह आरोपियों को गिरफ्तार किया था।

☞ 26 जुलाई 2020 को चकवाय गांव से स्थानीय पुलिस की मदद से बेगूसराय की पुलिस ने एक साइबर ठग को गिरफ्तार कर अपने साथ ले गई।

☞ 31 अगस्त 2020 को चकवाय पंचायत की बलबापर गांव से छत्तीसगढ़ की पुलिस ने छह साइबर ठगों को गिरफ्तार कर अपने साथ ले गई थी।

☞ 27 दिसंबर 2020 को चकवाय पंचायत की मीरबीघा गांव से वारिसलीगंज पुलिस ने छह साइबर ठगों को गिरफ्तार कर जेल भेजी।

☞ 02 जून 21 को महाराष्ट्र पुलिस ने पकरीबरावां थाना के हथियारि गांव निवासी नीतीश कुमार को 56 लाख 61 हजार रुपये ठगने के मामले में वारिसलीगंज के पटेल नगर से गिरफ्तार किया था।

☞ 11 जून को पैंगरी गांव से दो ठगों को स्थानीय पुलिस ने गिरफ्तार किया।

☞ 25 जून 21 को महाराष्ट्रा की पुलिस ने चकवाय गांव से दो साइबर ठगों को गिरफ्तार के अपने साथ ले गई।

☞ 10 जुलाई 21 को अपसढ गांव से दो ठग हरियाणा पुलिस।

☞ 27 अक्टूबर 21 को भवानी बीघा गांव से दो ठग महाराष्ट्र

☞ 01 नवंबर 21 को झारखंड पुलिस द्वारा दो ठग गिरफ्तार।

☞ 01 दिसम्बर 21 को थाना क्षेत्र के गंभीर पुर गांव से वरुण कुमार नामक ठग पुलिस गिफ्त में आया।

☞ 24 दिसम्बर 21 को चकवाय से एक साथ 17 सायबर ठगों की गिरफ्तारी हुई।

☞ 25 दिसंबर 21 को अरवल पुलिस ने फतहा गांव से तीन ठग को गिरफ्तार कर अपने साथ ले गई।

☞ 31 दिसम्बर 21 को स्थानीय पुलिस गंभीरपुर ग्रामीण राहुल कुमार को गिरफ्तार कर जेल भेजी

☞ 27 जनवरी 22 धनबीघा ग्रामीण राकेश कुमार को स्थानीय पुलिस।

☞ 11 फरवरी 22 को धनबीघा से ही राजबल्लभ कुमार को स्थानीय पुलिस।

☞ 17 फरवरी 22 को कोरमा ग्रामीण गौरव कुमार एवं शेखपुरा के पैन डिहरी निवासी सतेंद्र कुमार को राजस्थान पुलिस ने गिरफ्तार किया।

☞ 18 फरवरी 22 को कोचगांव निवासी राकेश कुमार को राजस्थान पुलिस ने 03 लाख

50 हजार नकदी सहित गिरफ्तार कर अपने साथ ले गई थी।

इसके अलावे पकरीबरावां थाना क्षेत्र के थालपोस गावँ में एक साथ तीन दर्जन साइबर अपराधियों को मोबाइल फोन,नकदी एवं बिभिन्न बैंकों के पासबुक एटीएम कार्ड सहित कई आपत्तिजनक समान बरामद की गई थी।

✯ साइबर धंधे में स्थानीय पुलिस एवं बैंक की भूमिका :- कहा गया है 'सैंया भये कोतवाल अब डर काहे का'। इस युक्ति को साइबर अपराधी भी कहीं न कहीं चरितार्थ कर रहे हैं। क्योंकि इस धंधे में पुलिस और बैंक की भूमिका को नजरअंदाज नही किया जा सकता है अब सवाल उठता है कि पुलिस की भूमिका कैसे है। बताते चलें कि वारिसलीगंज में सबसे पहले निवर्तमान एसपी मानवजीत सिंह ढिल्लो के कार्यकाल में सोरहीपुर गावँ में छापेमारी हुई थी जिसमें पुलिस ने पुरुष के साथ महिलाओं को भी गिरफ्तार किया था। इसमें कई अन्य लोगों को भी टारगेट किया गया था। लेकिन पुलिस के द्वारा अनुसंधान में सभी आरोपितों को आरोप मुक्त कर दिया गया। अब तक ऐसे सैकड़ो प्राथमिकी वारिसलीगंज थाने सहित जिले के पकरीबरावां, शाहपुर ओपी, काशीचक थाना सहित अन्य थानों में दर्ज की गई है जिसमें आरोपितों को अनुसंधान में लाभ पहुंचाया गया है। हालांकि इस मामले में दूसरे राज्यों की पुलिस के द्वारा की गई कार्रवाई एवं अनुसंधान के बारे में ज्यादा कुछ नही कहा जा सकता है।थाना क्षेत्र के दर्जनों गावँ में संगठित गिरोह के द्वारा यह धंधा किया जा रहा है पुलिस को भी इस बात की जानकारी होती है परन्तु जब तक दूसरे राज्य की पुलिस की दबिश नही होती तबतक पुलिस भी कार्रवाई नही कर पाती है। प्रखण्ड क्षेत्र के भवानी बीघा, अपसढ़, सोरहीपुर, भेड़िया, फ्तहा, बल्लोपुर, मोहदीनपुर, सिमरी, माफी, कोचगावँ, चकवाय, बलबापर, मिरचक, पटेलनगर, पैंगरी, गोड़ा पर, दरियापुर, सौर, बरनामा, मुर्गियाचक, बासोचक, कोरमा,शेरपुर, गम्भीरपुर, सोनबर्षा, धनबीघा, मकनपुर, कुटरी, ललपुरा, कंधा, शाहपुर सहित सैकड़ों गावँ से यह धंधा संचालित होता है धंधे में 13 साल से लेकर 45 साल के अधेड़ भी शामिल हैं। बैंक कर्मियों के द्वारा फर्जी कागजात के आधार पर खाता खुलवाकर बड़ी रकम का ट्रांजेक्शन किया जाना कही न कहीं उसके संलिप्त होने की कहानी बयां करती है। बहरहाल इसमें लोगों को भी जागरूक होने की जरूरत है। पढ़े लिखे लोग भी लोभवश ठगी का शिकार हो जाते है।और अपनी मेहनत की गाढ़ी कमाई को लूटा देते हैं।●

बीपीएससी 66वीं में मिथिलेश ने पायी सफलता

● मिथिलेश कुमार

बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित 66वीं संयुक्त परीक्षा में जिले के दीपनगर थाना क्षेत्र के जोड़ाड़पुर गावँ के किसान लक्ष्मण प्रसाद के पुत्र मिथिलेश कुमार ने दूसरे प्रयास में 367 रैंक लेकर श्रम प्रवर्तन अधिकारी बन कर गावँ एवं जिले का मान बढ़ाया है।वैसे तो नालन्दा जिला पूरे विश्व में शिक्षा के लिए प्रसिद्ध है। नालन्दा का प्राचीन खंडहर इसका जीवंत दस्तावेज है। सबसे बड़ी बात यह है कि मिथिलेश ने केंद्रीय सीमा शुल्क एवं अप्रत्यक्ष कर वित्त मंत्रालय में अपने कर्तव्यों का निर्वहन एवं पारिवारिक दायित्वों को निभाते हए सफलता पाई जो बहुत बड़ी बात है। मिथिलेश ने बताया कि सीजीएल के तहत 2012 में सफल होकर केंद्रीय सीमा शुल्क एवं अप्रत्यक्ष कर वित्त मंत्रालय मैसूर में कार्यकारी सहायक के पद पर नियुक्ति हुई थी। उसके बात अपने दायित्वों का पालन करने में मशगूल हो गया परन्तु अपनी नौकरी से संतुष्ट नही था। किसान परिवार से आने के कारण अपनी मिली नौकरी को प्राथमिकता देकर अपना कार्य करता रहा। लेकिन प्रयास भी जारी रहा। करीब दस बर्षो के बाद पुन: मुझे अपने आप में संतुष्टि मिली है।उन्होंने बताया कि अगर मुझे परिवार से सहयोग नही मिलता तो नौकरी करते हुए बीपीएससी की परीक्षा क्रैक करना आसान नही होता।लेकिन इसके लिए धैर्य और लगातार प्रयासरत रहने की जरूरत होती है। मिथिलेश की प्रारंभिक शिक्षा उच्च विद्यालय मघड़ा से मैट्रिक एवं अल्लामा इकबाल कॉलेज बिहार शरीफ से इंटरमीडिएट की परीक्षा पास किया।बर्ष 2010 में किसान कॉलेज बिहार शरीफ से स्नातक की परीक्षा में पूरे कॉलेज में पहला स्थान प्राप्त किया था।चूंकि मिथिलेश बचपन से ही पढ़ने में मेघावी छात्र रहे थे।साथ ही साथ किसान परिवार से आने के कारण अध्यन काल में प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी में भी परेशानियों का सामना करना पड़ा था।

बाबजूद मिथिलेश ने अपने मेहनत के बदौलत यह मुकाम हासिल करने में सफल हुए।मिथिलेश ने बताया कि विवाह के बाद अपने परिवार और बच्चों को समय देते हुए किसी भी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करना कठिन है लेकिन परिवार में पत्नी और बच्चे सहयोगी की भूमिका में रहे तो आप सफल हो सकते है। जैसा कि मुझे मेरी पत्नी काजल एवं बच्चों ने सहयोग किया है। मिथिलेश की माता गिरिजा देवी कुशल गृहिणी हैं। दो भाई और दो बहन में मिथिलेश बड़े हैं।इनकी सफलता पर गावँ में खुशी की लहर है वही सगे सबंधी भी खुश हैं। इन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने पूरे परिवार को दिया है।●

डेंटस्क्वेयर को इंडियन एक्सीलेंस अवार्ड से किया गया सम्मानित

● मिथिलेश कुमार

युवाओं के लिये प्रारम्भ किये गए स्टार्टअप में बिहार के कुमार शुभम और उनकी टीम ने अपनी मेहनत और जुनून से डेंटल चिकित्सा के क्षेत्र में किये गए प्रयोग को पूरे देश में पहचान मिल रही है। भारत में सर्वश्रेष्ठ डेंटल चेन के लिए डेंटस्क्वेयर को इंडियन एक्सीलेंस अवार्ड से नवाजा गया फिल्मस्टार्स सोनू सूद ने अवार्ड डेन्ट्सक्वारे को दिल्ली के फाइव स्टार होटल में आयोजित सेरेमनी में दिया गया। डेन्ट्सक्वारे के फाउंडर कुमार शुभम ने बताया कि जल्द ही डेन्ट्सक्वारे सोनू सूद के साथ मिल कर बिहार के लोगो को डेंटल सर्विस मुहैया करेंगे। बिहार से स्टार्ट किया हुआ स्टार्टअप बहुत ही तेजी से देश भर में फैल रहा और साथ ही साथ अपनी क्लिनिक और रिटेल फार्मेसी चौन भी ओपन कर रहा है। शुभम ने बताया कि टीम लोगों की टीम जिसमें ओरल एंड डेंटल चिकित्सक डॉ प्रभात कुमार नीरज,डॉ नैंसी एवं डॉ0 सोनम हैं। उन्होंने बताया कि बिहार एवं झारखंड में आज भी ग्रामीण अपने स्वास्थ्य में दाँत को ज्यादा महत्व नही देते हैं जिसके कारण दांत में कई प्रकार की बीमारियां हो जाती है तथा बेहतर चिकित्सा नही मिलने के कारण उन्हें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। डेंटल की समस्या को दूर करने के लिए स्टार्टअप के तहत डेंटल चिकित्सकों से परामर्श के बाद बिहार समेत देश के अन्य राज्यों में दन्त रोग चिकित्सकों का सहयोग लेकर लोगों को स्थानीय स्तर पर इलाज की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। जिसमें काफी हद तक सफलता भी मिली है। इसके लिये इन्हें सम्मानित भी किया गया है। शुभम ने बताया कि फिल्म अभिनेता सोनू सूद के साथ बिहार में दन्त चिकित्सा के लिए बड़े स्तर पर सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। ●

स्वतंत्रता संग्राम के आंदोलन में मकनपुर के योद्धाओं की कहानी

चार भाइयों ने एक साथ लड़ी थी अंग्रेजों के खिलाफ स्वतंत्रता संग्राम की लड़ाई

● मिथिलेश कुमार

मगध प्रमंडल का नवादा जिला के वारिसलीगंज में निवास करने वालों का स्वाधीनता आंदोलन में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। संभवत: वारिसलीगंज बिहार का पहला प्रखंड है। जहां के कुल 55 स्वतंत्रता संग्राम के योद्धाओ ने अंग्रेजो के खिलाफ लड़ी जा रही स्वाधीनता आंदोलन में भाग लिया था। इसका सबसे बड़ा कारण रहा स्वामी सहजानंद सरस्वती का कर्म क्षेत्र होना। तब का वारिसलीगंज प्रखंड (अब का काशीचक प्रखंड) का रेवरा गांव किसान आंदोलन के प्रणेता स्वामी सहजानंद सरस्वती के नेतृत्व में किसान आंदोलन का बड़ा केंद्र रहा था। इलाके के कई घरों के पूरे परिवार स्वामी जी से प्रभावित होकर किसान आंदोलन से जुड़े हुए थे जो अंग्रेजो के खिलाफ लड़ाई लड़ रहे थे। इसमें मुख्य रुप से मकनपुर ग्रामीण साहित्यकार रामरतन प्रसाद सिंह रत्नाकर के बड़े चाचा स्वर्गीय मिश्री सिंह तथा पिता स्वर्गीय नुनु सिंह, छोटे चाचा सह मकनपुर पंचायत के पूर्व मुखिया लालो विद्यार्थी तीनों सहोदर भाई और चचेरे भाई स्वर्गीय राम रक्षा सिंह ने अंग्रेजों के खिलाफ लड़ी जा रही स्वतंत्रता संग्राम की लड़ाई को एक साथ मिलकर लड़ रहे थे। जिसमें लालो विद्यार्थी को छोड़ तीनों भाइयों को जेल की यातनाएं सहनी पड़ी थी। 85 वर्षीय साहित्यकार रामरतन प्रसाद सिंह रत्नाकर ने कहा कि 1942 में गांधी जी के करो या मरो के आह्वान पर क्षेत्रवासियों में जबरदस्त उबाल था। तीनों बड़े भाई सहित नालंदा जिला के नई पोखर निवासी एक आंदोलनकारी आंदोलन का नेतृत्व कर रहे थे। उनके नेतृत्व में सैकड़ों लोग सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने में लगे हुए थे। आंदोलनकारी रेलवे लाइन उखाड़ने समेत स्थानीय थाना एवं डाकघर आदि को काफी नुकसान पहुंचा रहे थे। बड़े चाचा मिश्री सिंह व दो अन्य साथी मिलकर वारिसलीगंज थाना को आग के हवाले कर दिया था और जाते-जाते थाना के दीवार पर अपना नाम लिखकर मौके से फरार हो गए थे। घटना के बाद चाचा को अंग्रेजों की पुलिस ने घर से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। वैसे छोटे से मकनपुर गांव से कुल आधा दर्जन स्वतंत्रता संग्राम के सेनानी हुए थे। जिनमें मिश्री सिंह, नुनु सिंह, राम रक्षा सिंह, राम लखन सिंह, सुखदेव सिंह का नाम शामिल है। 1939 में एक समय ऐसा आया था जब सुभाष चन्द्र बोस के आने की खबर के बाद क्षेत्र के दर्जनों आंदोलनकारी योद्धा वारिसलीगंज रेलवे स्टेशन पर नेता जी के स्वागत में फुल माला लेकर एकत्रित थे। लेकिन अंग्रेजी हुकूमत ने नेताजी के आगमन पर रोक लगा दिया था। जब नेताजी के वारिसलीगंज नहीं आने की सूचना मिली, तब आंदोलनकारियों उग्र हो गए और स्टेशन पर तोड़ फोड़ के साथ ही रेल पटरी उखाड़ युवाओ विरोध प्रदर्शन किया। बाद में पुलिस करीब एक दर्जन से अधिक लोगो को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। ●

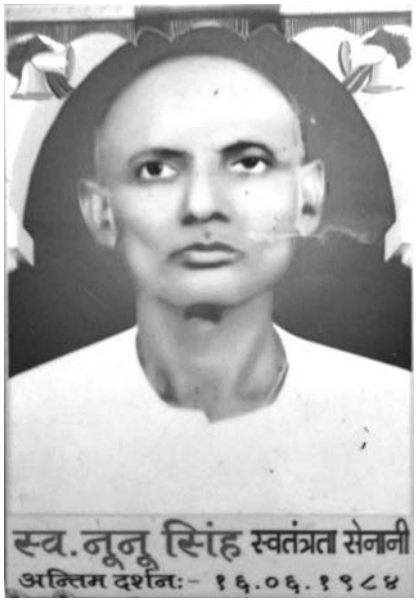

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/8340360961

ई-मेल:- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

स्वाधिनता आन्दोलन में मगध क्षेत्र का अहम योगदान

● **मिथिलेश कुमार**

प्राचीन मगध के गौरवमई इतिहास को यादगार बनाने के लिए वर्तमान के मगध प्रमंडल गया, नवादा, जहानाबाद, औरंगाबाद के नागरिकों ने गुलामी से मुक्ति और किसान मजदूरों का अपना राज्य के लिए संघर्ष किया था। शिक्षा के अभाव और कई ढंग के अंधविश्वास के बीच पुराने गया जिला वर्तमान मगध प्रमंडल में स्वाधीनता के लिए संघर्ष व्यवस्थित ढंग से 1917 से प्रारंभ हुआ। जब होमरूल के खिलाफ गया में आम सभा हुई। इसमें अंग्रेज सरकार के खिलाफ हसन इमाम और सच्चिदानंद सिन्हा और बजरंग दत्त शर्मा ने भाषण किया। इसके बाद 1919 में जलियांवाला बाग की घटना के खिलाफ में गया, नवादा, जहानाबाद ,औरंगाबाद में हड़ताल हुई और कार्यकर्ताओं ने अंग्रेज सरकार के खिलाफ विचार व्यक्त किए। नागपुर कांग्रेस सम्मेलन में पारित प्रस्ताव के आरोप में मगध प्रमंडल के कई हिस्सों में आम सभा और नेताओं के भाषण हुए। इस बीच गया के रमना मैदान में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का भाषण सुनने बड़ी संख्या में लोग गया पधारे। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने नई जागृति पैदा की और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता सड़क पर आने लगे। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने 1921 में सविनय अवज्ञा आंदोलन के तहत सरकारी कार्यालयों, शराब की दुकान और सरकारी उपाधि वापस करने का आह्वान के तहत पूरे गया जिला में कोर्ट कचहरी स्कूल का लोगों ने बहिष्कार किया। गया के युवकों ने राष्ट्रवादी विचारधारा को सही रूप में स्थापित करने के उद्देश्य से नेशनल स्कूल की स्थापना श्री कृष्ण प्रकाश सेन सिंह के मकान में खोला गया इस बीच तिलक स्वराज फंड के नेताओं की एक टोली पुराने गया जिले के कई हिस्सों का दौरा किया। बिहार सरकार के पूर्व मंत्री अनुग्रह नारायण सिंह और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कृष्ण बल्लभ सहाय ने पूरे जिले में इस फंड के लिए दौरा किया। जिसमें पुराने गया जिला के लोगों ने तिलक स्वराज फंड में उदारता पूर्वक दान दिया था।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के गिरफ्तार हो जाने के बाद गया में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का सम्मेलन 1942 में हुआ। इस सम्मेलन की तैयारी समिति के अध्यक्ष बृज किशोर नारायण और महासचिव भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद चुने गए। गया में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस सम्मेलन की अध्यक्षता देशबंधु चितरंजन दास ने किया और इसके आयोजन में देश के कई नेताओं ने भाग लिया। पंडित मोतीलाल नेहरु, हकीम अजमल खान, विट्ठल भाई पटेल को कौंसिल में प्रवेश के नाम से मतभेद के कारण स्वराज पार्टी का गठन करना पड़ा। 1924 में गया जिला बोर्ड के चुनाव में कांग्रेस ने भाग लिया और अनुग्रह नारायण सिंह जिला बोर्ड के अध्यक्ष चुने गए। 1930 में नमक सत्याग्रह का प्रभाव व्यापक रूप से गया जिले के गांवों और कस्बों पर पडा और बड़ी संख्या में नमक बनाने का काम कार्यकर्ताओं ने प्रारंभ किया। नमक सत्याग्रह में बड़ी संख्या में नमक बनाते लोग बंदी बनाए गए। इस बीच गया में कांग्रेस का प्रांतीय सम्मेलन के मौके पर 400 कांग्रेसी कार्यकर्ता गिरफ्तार किए गए। गया षड्यंत्र केस 1933 में हुआ। इस केस में गया के 16 युवकों को अभियुक्त बनाया गया। इसमें कई को 7 साल की सजा हुई और श्याम चरण पर्थवार, केशव प्रसाद, विश्वनाथ माथुर और बिहार सरकार के पूर्व मंत्री शत्रुघ्न प्रसाद सिंह को काला पानी की सजा सुनाई गई।

1935 से 1939 के बीच गया में कांग्रेस पार्टी, सोशलिस्ट पार्टी और किसान सभा के कार्यकर्ताओं ने एक होकर संघर्ष का आह्वान किया। गया जिला कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी के अध्यक्ष लोकनायक जयप्रकाश नारायण चुने गए। स्वामी सहजानंद सरस्वती, यदुनंदन शर्मा जैसे किसान नेता का नवादा और जहानाबाद में व्यापक प्रभाव कायम हुआ। जयप्रकाश नारायण ,यदुनंदन शर्मा, कांग्रेसी नेता शत्रुघ्न प्रसाद सिंह, अनुग्रह नारायण सिंह के व्यक्तित्व का व्यापक प्रभाव कायम हुआ। इससे जागरण का शंख बजा और मगध प्रमंडल में स्वाधीनता आंदोलन गतिमान हो चला। 1939 में गया किसान सभा का सम्मेलन समाजवादी नेता आचार्य नरेंद्र देव की अध्यक्षता में हुई। इस किसान संगम ने किसान एकता को राष्ट्रवादी सोच में बदलाव और बड़ी संख्या में किसान स्वाधीनता आंदोलन में सहयोगी बने। 1940 में रेवरा में किसान सत्याग्रह हुआ। जिसमे स्वामी सहजानंद सरस्वती, यदुनंदन शर्मा, जयप्रकाश नारायण, आचार्य नरेंद्र देव ने हल चलाकर किसान जागरण का शंखनाद किया और किसान जागरण को स्वाधीनता आंदोलन के साथ जोड़ा।

1942 में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने करो या मरो का नारा दिया था। इस विपलव्वादी महामंत्री ने देशवासियों को पूर्व स्वतंत्रता प्राप्ति के अंतिम संग्राम के लिए आह्वान किया था। गया जिले में 1942 का करो या मरो अंग्रेजों भारत छोड़ो का व्यापक प्रभाव पड़ा और युवाओं की टोली ने कई स्थानों पर रेलवे लाइन उखाड़े और पोस्ट ऑफिस फुके। इस कारण यह एक जन आंदोलन बन गया व्यवहारिक ढंग से मानसिक तौर पर भी गया जिले के विभिन्न हिस्से में लोगों

ने अपने आप को आजाद मान लिया। 1947 में भारत स्वाधीन हो गया। स्वाधीनता आंदोलन को गतिमान बनाने में मगध प्रमंडल का योगदान महत्वपूर्ण है। मगध प्रमंडल में स्वाधीनता आंदोलन को जीवंत बनाने में छोटे किसान, छोटे व्यापारी वर्ग के युवाओं की भूमिका पगडंडी के साधक के रूप में यादगार है। राष्ट्र कवि रामधारी सिंह दिनकर ने इन कार्यकर्ताओं को अगणित लघु दीप कहकर महिमामंडित किया है।

बुझी अस्थियां बारी बारी
छिटकाई जिनने चिगारी
जो चल गए पुष्प बेदी पर
लिए बिना गर्दन का मोल
कलम आज उनकी जय बोल।

मगध वासियों में स्वाधीन होने का जज्बा कुछ इस कदर चढ़ा कि एक ही परिवार के पूरे परिवार स्वाधीनता आंदोलन में कूद पड़े। उन्हीं में वर्तमान नवादा जिला के मकनपुर निवासी स्वर्गीय मिश्र सिंह, नुनु सिंह, और लालो विद्यार्थी ने एक साथ मिलकर अंग्रेजो के खिलाफ लड़ाई लड़ी। जिसमें दो भाई को जेल जाना पड़ा तो एक सबसे छोटा भाई लालो विद्यार्थी फरार रहकर गया से प्रकाशित बागी नामक पत्रिका आंदोलनकारियों के पास पहुंचाते रहे। एक चचेरा भाई रामरक्षा सिंह को भी आंदोलन का हिस्सा होने के कारण जेल जानी पड़ी। सभी भाइयों के विरुद्ध सरकारी काम में बाधा डालने, पोस्ट ऑफिस थाने में आग लगाने और रेलवे स्टेशन पर तोड़फोड़ करने का आरोप लगाया गया था। ●

साभार
राम रतन सिंह रत्नाकर
ग्राम पोस्ट, मकनपुर वारिसलीगंज, नवादा

रिश्वत लेते सहायक एवं कनीय अभियंता को निगरानी विभाग ने दबोचा

● अब्दुल कैय्यूम

निगरानी विभाग की टीम ने बुधवार को ग्रामीण कार्य विभाग के सहायक अभियंता हेम चंद लाल कर्ण को 62 हजार रुपया रिश्वत लेते उनके आवास पर दबोचा। वही ग्रामीण कार्य विभाग के कनीय अभियंता फुलेश्वर रजक को कार्यालय में 40 हजार रुपया रिश्वत लेते धर दबोचा। हालांकि इस दौरान सहायक अभियंता हेम चंद लाल कर्ण के आवास से छह लाख पचास हजार रुपया भी बरामद किया हैं। यह करवाई निगरानी विभाग की टीम ने नालंदा जिला के हिलसा गणपत दीघा के एक संवेदक के लिखित आवेदन के आलोक में किया हैं। इस संबंध मे संवेदक शिव कुमार वर्मा ने निगरानी विभाग में एक शिकायत दर्ज कराई थी कि उन्हें अररिया जिला में प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत प्लासमनी से भीड़भिड़ी मोड़ तक 700 मीटर सड़क निर्माण कार्य स्वीकृत हुआ था। ग्रामीण कार्य विभाग सहायक अभियंता हेमचंद लाल कर्ण बिल भुगतान के नाम पर 62 हजार रुपया तथा कनीय अभियंता फुलेश्वर रजक कमीशन के रूप में 40 हजार की मांग की हैं। इसी

शिकायत पर निगरानी विभाग की टीम ने बुधवार को सहायक अभियंता के आवास पर छापेमारी कर 62 हजार तथा कनीय अभियंता फुलेश्वर रजक को उनके कार्यलय से 40 हजार रुपया रिश्वत लेते धर दबोचा। इस संबंध में निगरानी विभाग के पुलिस उपाधीक्षक सह केस के अनुसंधान कर्ता अरुण पासवान ने बताया कि संवेदक शिव कुमार वर्मा ने निगरानी विभाग में एक शिकायत दर्ज कराई थी कि उन्हें अररिया जिला में प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत प्लासमनी से भीड़भिड़ी मोड़ तक 700 मीटर सड़क निर्माण कार्य स्वीकृत हुआ था। ग्रामीण कार्य विभाग सहायक अभियंता हेमचंद लाल कर्ण बिल भुगतान के नाम पर 62 हजार रुपया तथा कनीय अभियंता फुलेश्वर रजक कमीशन के रूप में 40 हजार की मांग की हैं। इसी शिकायत पर निगरानी विभाग की टीम ने बुधवार को सहायक अभियंता के आवास पर छापेमारी कर 62 हजार तथा कनीय अभियंता फुलेश्वर रजक को उनके कार्यलय से 40 हजार रुपया रिश्वत लेते धर दबोचा। इस अभियान में निगरानी विभाग की टीम में पुलिस उपाधीक्षक सह अनुशंधान कर्ता अरुण पासवान, पुलिस उपाधीक्षक खुर्शीद आलम, मिथिलेश कुमार जायसवाल,पुलिस निरीक्षक सतेंद्र राम,योगेंद्र कुमार, धावा दल के अरुण पांडे आदि मौजूद थे। ●

पीएम आवास नहीं बनाने वाले लाभुको की खैर नहीं : बीडीओ

● अब्दुल कैय्यूम

प्रखंड क्षेत्र में अब पीएम आवास का राशि उठाकर मकान नही बनाने वाले लाभुकों पर प्रशासन ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया हैं। पीएम आवास योजना के तहत राशि उठाकर मकान नही बनाने वाले के खिलाफ, नोटिस, सर्टिफिकेट केस किया जा रहा हैं। तथा धरपकड़ अभियान भी शुरू कर दी गयी हैं। बीडीओ मोनालिसा प्रियदर्शनी व परि. पुअनि सुधा रानी ने गुरुवार को कनखुदिया पंचायत के पांच लाभुकों को पीएम आवास योजना के तहत राशि उठाकर मकान पूर्ण नही करने के कारण धरदबोचा। बाद में एक सप्ताह के बेलबोंड ले उनलोगों को छोड़ा गया। इस संबंध में बीडीओ ने बताया कि कनखुडिया पंचायत के पांच लाभुक राम प्रकाश मंडल, उपेंद्र चौधरी, जगिया देवी, केम लाल यादव, राधा देवी को वित्तिय वर्ष 2022-23 में पीएम योजना के तहत 40 हजार रुपया राशि

प्राप्त हुआ था। लेकिन वे लोग अभी तक मकान निर्माण कार्य शुरू नही किया गया। जब कि पूर्व में इनलोगो को सूचना भी दी गयी थी। स्वेत व लाल पत्र भी निर्गत किया गया था। लेकिन वे लोग आवास कार्य शुरू नही किया। बीडीओ ने बताया कि पांचो लाभुको पर सर्टिफिकेट केस दर्ज कर वारंट जारी करवाया गया। इसी कड़ी के तहत गुरुवार को बीडीओ मोनालिसा प्रियदर्शनी व परि.पुअनि सुधा रानी ने कनखूदिया पहुँच कर पीएम आवास की राशि उठाने वाले लाभुक राम प्रकाश मंडल,उपेंद्र चौधरी,जगिया देवी,केम लाल यादव, राधा देवी के खिलाफ आवास पूर्ण नही करने के कारण धड़पकड़ करना शुरू कर दिया। काफी जद्दोजहद के बाद एक सप्ताह के बेलबोंड लेकर उन्हें छोड़ा गया। बीडीओ मोनालिसा प्रियदर्शनी ने बताया कि आवास का राशि उठाकर मकान पूरा नही करने वाले लाभुकों की अब खेर नही। उनके खिलाफ लगातार प्राथमिकी दर्ज की जा रही हैं। तथा वारंट भी जारी किया जा रहा हैं।●

एसपी ने किया औचक निरीक्षण

● अब्दुल कैय्यूम

एसपी अशोक कुमार सिंह ने पलासी थाना का औचक निरीक्षण किए। इस दौरान एसपी ने थाना में लंबित कंडो के निष्पादन को लेकर पुलिस पदाधिकारियों के साथ समीक्षात्मक बैठक की। बैठक में थानेदार शिवपूजन कुमार सहित अन्य पुलिस पदाधिकारियों के साथ लंबित कांडो की समीक्षा की तथा कांडो के अनुसंधान कर्ता को कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए। एसपी ने कहा कि थाना में लंबित कांडों की समीक्षा की गई। लंबित कांडों की समीक्षा के दौरान कांडो के निष्पादन में तेजी लाने, अपराधियो के खिलाफ ध ड़पकड़ अभियान चलाने का निर्देश दिए। कहा

कि कार्य के निष्पादन में किसी प्रकार की लापरवाही तथा कोताही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। समीक्षा के दौरान एसपी अशोक कुमार सिंह में सरकार के महत्वपूर्ण मद्य निषेध अभियान को शत प्रतिशत उतारने का निर्देश थानेदार को दिए। एसपी ने बारिकी से विभिन्न कांडों की गहन समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र में पुलिस गश्त तेज करने, मद्य निषेध अभियान को कड़ाई से पालन करने, फरार वारंटियों की धर पकड़ अभियान में तेजी लाने, अपराध पर लगाम लगाने सहित अन्य बातों का निर्देश थानेदार को दिए। मौके पर थानेदार शिवपूजन कुमार, पुअनि शाहजहां खान, परि. पुअनि शिखा रानी, रामानुज प्रसाद, अखिलेश प्रसाद, संजय प्रसाद, सोबराती हुसैन सहित अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद थे।●

शांति समिति की बैठक आयोजित

● अब्दुल कैय्यूम

जिला पदाधिकारी इनायत खान एवं पुलिस अधीक्षक श्री अशोक कुमार सिंह की संयुक्त अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित परमान सभागार में शांति समिति की बैठक आहूत की गई। बैठक को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी इनायत खान ने जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं गणमान्य

लोगों से अपील किया गया कि पूर्व की भांति सभी लोग शांति, प्रेम एवं भाईचारे के साथ मोहर्रम पर्व मनाए। जिलाधिकारी ने कहा कि किसी भी प्रकार के अफवाहों से बचें। क्षेत्र में घटित होने वाली छोटी-छोटी घटनाओं की सूचना तत्काल उपलब्ध करावे, ताकि ससमय विधि सम्मत कार्रवाई की जा सके। सोशल मीडिया में फैलाए जाने वाले अफवाह की खबरों पर ध्यान ना दें, साथ ही भ्रामक एवं सामाजिक समरसता को बिगाड़ने वाले पोस्ट की जानकारी स्थानीय थाना को निश्चित रूप से दें। बैठक में उपस्थित सभी लोगों ने जिलाधिकारी का समर्थन करते हुए सर्वसम्मति से कहा कि सभी पर्व त्यौहार शांति एवं सौहाद्रपूर्ण वातावरण में मनाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि हम सभी जिला प्रशासन द्वारा दिये गए दिशा निर्देशों का पालन करेंगे। बैठक मैं माननीय जनप्रतिनिधिगण द्वारा भी अपने-अपने विचार रखे गए।शांति समिति की बैठक में जिला परिषद अध्यक्ष श्री आफताब अजीम पप्पू, अनुमंडल पदाधिकारी अररिया शैलेश चंद्र दिवाकर एवं फारबिसगंज, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, संबंधित पदाधिकारी तथा माननीय जनप्रतिनिधि एवं बुद्धिजीवी तथा समाजसेवी मौजूद थे। ●

मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण मनाने की अपील

अररिया जिला के पलासी थाना परिसर में मुहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण व आपसी सौहाद्र पूर्ण वातावरण में मनाने को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता थानाध्यक्ष शिव पूजन कुमार ने की। बैठक में थानाध्यक्ष शिव पूजन कुमार ने मोहर्रम पर्व को आपसी सोहाद्र पूर्ण व शांतिपूर्ण वातावरण में मनाने की अपील की। बैठक में हारून राशिद व मोहम्मद रागिब ने पहलाम के दिन चौकसी बरतने की अपील की। बैठक में सभी वक्ताओं ने शांतिपूर्ण वातावरण में मोहर्रम मनाने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर जीप सदस्य सब्बीर अहमद ने नशा पर प्रतिबंध लगाने की अपील की। बैठक में बीडीओ मोनालिसा प्रियदर्शनी ने मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण वातावरण में मनाने की अपील की। इस क्रम में सीओ विवेक कुमार मिश्र ने बताया कि जुलुश निकालने के लिये ताजिया कमेटी को लाइसेंस लेने की बात कही। नशा में कंट्रोल रखने की बात कहा। बैठक में थानाध्यक्ष शिव पूजन कुमार ने सभी ताजिया कमेटी के सदस्यों को ताजिया जुलूस का लाइसेंस लेने की अपील की। बैठक में बीडीओ मोनालिसा प्रियदर्शनी, सीओ विवेक कुमार मिश्र, पुअनि शाह जहां खान,परि.पुअनि सुधा रानी, जीप सदस्य सब्बीर अहमद, अमर सिंह, पूर्व जीप सदस्य इमरान अजीम, मुखिया मोहम्मद रागिब, राम कृपाल विश्वाश, राजू कुमार यादव, मोहम्मद आदिल रेजा, उप प्रमुख मोहम्मद ताजिर अबु बकर, समद अली, हारून राशिद, मोहम्मद ताहिर, नुरुल हुदा, पूर्व प्रमुख इम्तियाज आलम, शोएब आलम, श्याम लाल साह, दयानंद मंडल, इशितयाक, मुजाहिद आलम, शमीम आलम, मोहम्मद दाऊद, सुरेन, हसन, आदि मौजूद थे।

भा0 सं0 अ0 341 (1)

धर्म परिवर्तन से आरक्षण समाप्त

● प्रो० रामजीवन साहू

भारत की स्वतंत्रता की पहली लड़ाई 1741 ई0 में प्रारंभ हुई थी जिसे त्रावणकोर (केरल) के राजा मार्तंड वर्मा ने प्रारंभ किये। 1763 ई0 में बंगाल में सन्यासी विद्रोह हुआ। 1772 ईस्वी में मराठाओं ने युद्ध किया 1796 में कित्तूर (कर्नाटक) में 1809 में मणिपुर में, 1856 में संथाल क्रांति हुई। जिसमें 15 से 20 हजार क्रांतिकारी शहीद हो गए थे। 10 मई 1857 में सिपाही विद्रोह हुआ। फलस्वरुप 1942ई0 आते–आते आंदोलन इतना तीव्र हो गया कि लाचार होकर 19 फरवरी 1946 ई0 को ब्रिटेन के प्रधानमंत्री सी0 आर0 एटली ने भारत छोड़ने की घोषणा कर दी। 6 दिसंबर को 389 सदस्यीय संविधान निर्माण समिति का गठन किया गया था। इस समिति के अस्थायी अध्यक्ष डॉ सच्चिदानंद सिन्हा बनाए गए थे। उसी वर्ष बिहार के डॉक्टर राजेन्द्र प्रसाद जी को स्थायी अध्यक्ष बनाया गया था।

भारत के अंतिम वायसराय (शाही अधिकारी) ने 3 जून 1947 ई0 को घोषणा की कि 15 अगस्त 1945 ई0 को भारत को स्वतंत्र कर दिया जाएगा। घोषणा सच साबित हुआ और हजारों क्रांतिकारियों का बलिदान सफल हुआ। 15 अगस्त 1947 को आधी रात को भारत खंडित होकर स्वतंत्र हो गया। आज हम प्रतिवर्ष 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस मनाते हैं। 29 अगस्त 1947 ई0 में भारतीय संविधान की प्रारूप तैयार करने के लिए एक सात सदस्यीय प्रारूप समिति का गठन किया गया था। इस समिति के अध्यक्ष डॉक्टर भीमराव अंबेडकर थे। इन सातों सदस्यों के नाम इस प्रकार हैं :– डॉक्टर भीमराव अंबेडकर, अल्लादी कृष्णस्वामी अय्यर, कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी, मोहम्मद सादुल्ला, एन0 गोपाल स्वामी आयंगर, बी0 एल0 मीटर और, डी0 पी0 खेतान। यह संविधान 2 वर्ष 11 महीने और 18 दिन में बनकर तैयार हो गया। इसके बनाने में 84 लाख रुपए इसमें खर्च हुए। भारत का संविधान दुनिया का सबसे बड़ा संविधान है। यह संविधान 26 जनवरी 1950 से संपूर्ण भारत में लागू हो गया। भारतीय संविधान में आर्थिक और शैक्षणिक दृष्टिकोण से पिछड़े लोगों के विकास के लिए आरक्षण की सुविधा दी गई है। आरक्षण का विशेष लाभ अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजातियों को मिलता है। अनुसूचित जाति में जाति में 17 जातियाँ हैं जो अग्रवत हैं :– कहार, केवट, मल्लाह, निषाद, कुम्हार, काश्यप, बिंद, प्रजापति, घीवर, भर, राजभर, ढीमर, बाथम, तुरहा, मांझी मछुआ और गरेड़िया। अनुसूचित जनजाति में 031 जातियाँ हैं जो अग्रवत हैं :– असुर, अगरिया, बेगा, बंजारा, बठुडी, बिझिया, बिरहार, विरजिया, चेरों, चिक, बराइक, गौंड, गोराईल, करमाली, खरिया (ढेकली, दूध खरिया, हिल खरिया) खरवार, खोंड़, किसान, (नागेसिया) कोरा (मुंडी) माहली, माल पहरिया, (कुमार भाग,

पहरिया, मुंडा (पातर) उरांव (धानगर) ओरेयान, परहया संथाल, सोरिया, पहारिया, सावर, कबार कोल और थारू।

उपर्युक्त अनुसूचित जातियों और जनजातियों में से कोई भी व्यक्ति हिंदू धर्म छोड़कर अन्य धर्म को अपनाते हैं तो ऐसे व्यक्ति को आरक्षण की सुविधा नहीं मिलेगी यदि कोई व्यक्ति धर्म परिवर्तन कर लिया है और आरक्षण की भी सुविधा ले रहा है तो इस परिस्थिति में यदि कोई व्यक्ति नियुक्तिकर्ता अधिकारी को सूचित कर दें तो उसकी आरक्षण की सुविधा बंद हो जाएगी। इस संबंध में संविधान (अनुसूचित जातियाँ) आदेश 1950 (संख्या 19) में वर्णन है।

lfoèkku ¼vuqlfpr tkfr;k½ vkns'k] 1950 ¼la o vk0 19½

भारत के संविधान के अनुच्छेद 341 के खंड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों करते हुए राष्ट्रपति ने सम् राज्यों के राज्यपालों राजप्रमुखों से परामर्श करने के पश्चात अपने प्रसाद से निकालिखित आदेश किया है. अर्थात् :–

☞ यह आदेश संविधान (अनुसूचित जातिया) आदेश, 1950 कहा जा सकेगा।

☞इस आदेश के उपबंधों के अध्यधीन यह है कि ये जातियों, मूलवंश या जनजातियों या जातियों या जनजातियों के नाम या उनके जो कि इस आदेश की अनुसूची[2] भाग 1 से लेकर भाग[3] (24) तक में विनिर्दिष्ट है उन राज्यों के संबंध में, जिनसे ये भाग क्रमश सम्बद्ध जहां है वहां तक कि उनके उन सदस्यों का संबंध है जो उपक्षेत्रों में निवासी मैं जो उस अनुसूची के उन भागों में उनके संबंध में विनिर्दिष्ट है, अनुसूचित जातियां समझे जाएंगे।

☞ पैरा 2 में अन्तर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी कोई व्यक्ति जो हिन्दू [5] (सिक्ख या बौद्ध) धर्म से मानता है अनुसूचित जाति का सदस्य न समझा जाएगा।

☞ इस आदेश में किसी राज्य या उसके किसी जिले या अन्य प्रादेशिक खंड के प्रति निर्देश का अर्थ यह लगाया जाएगा कि वह 1 मई, 1976 को यथा गठित उस राज्य जिले या अन्य प्रादेशिक संश के प्रति निर्देश है।

''संविधान (अनुसूचित जनजातियां) आदेश, 1950, (सं.आ. 22)

भारत के संविधान के अनुच्छेद 342 के खंड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति ने संयुक्त राज्यों के राज्यपालों और राजप्रमुखों से परामर्श करने के पश्चात् अपने प्रसाद से निम्नलिखित आदेश किया है अर्थात्:–

☞ यह आदेश संविधान (अनुसूचित जनजातियां) आदेश, 1950 कहा जा सकेगा।

☞ वे जनजातियां या जनजाति समुदाय या जनजातियों या जनजाति समुदायों के भाग या जनमें के यूथ जो इस आदेश की अनुसूची के शुभाग 1 से लेकर भाग [3] (22) तक में विनिर्दिष्ट है, उन राज्यों के संबंध में जिनसे वे भाग क्रमश संबद्ध है वहां तक जहां तक कि उनके उन सदस्यों का संबंध है, जो उन परिक्षेत्रों में निवासी हैं।

☞ इस आदेश में किसी राज्य अथवा किसी जिले या अन्य प्रादेशिक खंड के प्रति निर्देश का अर्थ यह लगाया जाएगा कि वह 1 मई, 1976 को यथा गठित राज्य, जिले या अन्य प्रादेशिक खंड के प्रति निर्देश हैं। ●

पेंशन नीति के खिलाफ अधिवेशन

● मणिभूषण तिवारी/अभिषेक कुमार सिंह

पंजाब नेशनल बैंक एम्पलाईज एसोसिएशन के 17वें अधिवेशन के रूप में बिहार प्रदेश के बैंककर्मियों ने सरकार से आग्रह किया है कि पेंशन नीति में सुधार करते हुए पुनः लागू किया जाए। इसके लिए सभी बैंक कर्मियों की उपस्थिति में आरा में कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में बिहार विधान परिषद के कार्यकारी सभापति अवधेश नारायण सिंह के गरीमामयी उपस्थिति में कार्यक्रम की शुआत की गयी। साथ ही भारतीय मजदूर संघ के बिहार प्रदेश के महामंत्री श्री संजय सिन्हा NOBM के राष्ट्रीय महामंत्री श्री मनमोन दास, संगठन मंत्री श्री उपेन्द्र कुमार, ऑल इण्डिया पंजाब नेशनल बैंक के वर्कर्स ऑर्गेनाईजेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सुनील सिंह, महामंत्री श्री मनमोहन गुप्ता, उप महामंत्री श्री प्रदीप राय भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरूआत भारतीय मजदूर संघ के श्रमिक गीत एवं अतिथिगणों के स्वागत एवं दीप प्रज्जवलन के साथ हुआ। मुख्य अतिथि श्री अवधेश नारायण सिंह के द्वारा

कार्यकर्त्ताओं को संबोधित करते हुए कहा गया कि पेंशन सभी को अनिवार्य होना चाहिए। इसके लिए मुझे केन्द्र सरकार के समक्ष कुछ कहना पड़े तो मैं संगठन की मदद करूँगा, ताकि पेंशन एक बार पुनः चालू हो। उसमें जो अपडेशन की दिक्कत आ रही है, उसको मैं दूर कराने का प्रयास करूँगा।

इस अधिवेशन में संगठन के महामंत्री श्री राजेन्द्र पाण्डेय द्वारा दूर-दूर से पधारे कार्यकर्त्ताओं एवं अतिथिगणों का धन्यवाद किया और उम्मीदद जताई कि संगठन आने वाले दिनों में तेजी से आगे बढ़ेगा। NOBM के राष्ट्रीय महामंत्री मनमोहन दास ने कहा कि केन्द्र सरकार के नीजिकरण की नीतियों का हम विरोध करते हैं एवं 17 नवम्बर 2022 को दिल्ली में विशाल प्रदर्शन का आयोजन होना तय हुआ है। इस कार्यक्रम में नई कार्यकारिणी का गठन कया जायेगा जो कि 2025 तक कार्य करेगी। ●

नहीं हुई अंचलकर्मियों पर कार्रवाई

● गुड्डू कुमार सिंह

भोजपुर जिले के गडहनी प्रखण्ड सह अंचल कार्यालय मे अंचल कर्मियो की मनमानी व भ्रष्टाचार का खुलासा होने व जिला पदाधिकारी भोजपुर के संज्ञान मे आने के बाद भी अब तक नही हुई कार्रवाई। बतादें कि 7 जुलाई 2022 को केवल सच पोर्टल पर वायरल हुई ऑडियो जिसका शीर्षक गडहनी अंचल कार्यालय का किरानी का नजराना लेन देन का ऑडियो हो रहा वायरल प्रकाशित होने व राष्ट्रीय सहारा दैनिक अखबार मे अलग अलग तिथियों मे अंचल कर्मियों की कार्य के प्रति लापरवाही के कारण आमजन त्रस्त व एक ही खाता खेसरा की भूदान की जमीन को कई लोगो के नाम की गई, और किरानी का नजराना लेन देन का ऑडियो हो रहा वायरल शीर्षक के नाम से प्रकाशित खबर के पश्चात लोगो मे उम्मीद जगी कि भ्रष्ट पदाधिकारियों व कर्मियो सहित भ्रष्टाचार पर अब नकेल

कसेगी लेकिन ऐसा कुछ नही हुआ।जिसका नतीजा यह हुआ कि कर्मी खुला सांढ बनकर आज भी ढाई कठ्ठा चरने से बाज नही आ रहे। कुछ कर्मियों ने तो यहाँ तक कह दिया कि क्या हुआ खबर चलाने से। सुशासन बाबु की सरकार है कुछ नही होने वाला है।

बताते चलें कि इतने पुख्ता सबूत के साथ खबर वायरल होने के पश्चात व जिलाधिकारी के संज्ञान मे आने के बाद भी कार्रवाई नही हो पाना अपने आप मे सवाल खडा होता है। इससे साफ जाहिर होता है कि सुशासन बाबु की सरकार मे अफसर शाही व भ्रष्टाचार चरम पर है। नजराना के खेल मे नीचे से ऊपर तक सब बराबर के हिस्सेदार है।●

अपराधियों के हौसले बुलंद

● गुड्डू कुमार सिंह

इन दिनों भोजपुर में अपराधियों के हौसलें काफी बुलंद है। आए दिन हत्या और लूट आम बात हो गयी है. पुलिस एक मामले को सुलझा भी नहीं पा रही है कि दूसरी वारदात को बदमाश अंजाम दे कर फरार हो जा रहे हैं। पिछले एक हफ्ते के अंदर लगातार हत्या और गोली बारी से शहर के कई इलाके के लोग खौफ और दहशत में हैं। ऐसा नहीं कि पुलिस सोई हुई है। जब से भोजपुर के एसपी के तौर पर संजय कुमार सिंह ने जिम्मेदारी संभाली है। तब से अब तक कई मामलों की त्वरित कार्रवाई करते हुए उनकी टीम ने अपराधियों को जेल की सलाखों के पीछे भी पहुंचाया है। उनके डर से बालू और शराब माफिया मांद से निकल कर कही दूसरी जगह अपनी छिपने की जगह तलाश रहे हैं। लगातार हो रही छापामारी से इन माफियाओं की कमर टूट गयी है। सोन नदी के बालू लूट को रोकने के लिए डीएम राजकुमार और एसपी ने कोईलवर के नजदीक नए सिक्स लेन पुल के नीचे मोटे मोटे पाईप डालकर अवरोधक खड़ा करवा दिया है। ताकि कोई बालू माफिया इस रास्ते से अपनी नावों के सहारे नाजायज ढ़ंग से बालू की खुदाई कर दूसरी जगह नहीं ले जा सके.वहीं नाजायज शराब पर अंकुश लगाने के लिए पूरे जिले में लगातार छापामारी चल रही है। प्रतिदिन हजारों लीटर शराब पानी में बहा दिए जा रहे हैं। लेकिन यह कारोबार रूकने का नाम नहीं ले रहा है। अपराधी तो अपराधी होता है। वह कब कहां और क्यों किसी घटना को अंजाम दे दे यह कहना बड़ा मुश्किल है। लेकिन फिर भी भोजपुर पुलिस का लगातार यह प्रयास चल रहा है। कि ज्यादा से ज्यादा अपराधी जेल की सलाखों के पीछे रहें ताकि अपराध पर अंकुश लगाया जा सके. लेकिन अपराधी भी कहां मानने वाले हैं। कहीं ना कहीं किसी घटना को अंजाम दे ही दे रहे हैं। ताजा घटना आज मंगलवार की है। शहर के जगदेव नगर में दिन दहाड़े एक इलेक्ट्रॉनिक्स दुकानदार की बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी। हथियारबंद बदमाश दिनदहाड़े दुकान में घुसे और दुकानदार पर पॉइंट ब्लैंक रेंज से दो फायर किया। दुकानदार ने अस्पताल ले जाते वक्त रास्ते में दम तोड़ दिया। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दिनदहाड़े हुई हत्या से इलाके में सनसनी फैल गई। जानकारी के मुताबिक आरा नवादा थाना क्षेत्र के जगदेव नगर, गली नंबर–1 में रहने वाले हरिशंकर प्रेमी वैष्णवी इलेक्ट्रॉनिक्स नाम से अपने घर के नीचे दुकान चलाते थे. वे इलेक्ट्रॉनिक्स सामान बेचने और उनकी मरम्मत का काम भी करते थे और दुकान के ऊपर ही बने घर में अपने परिवार के साथ रहते थे। हरिशंकर दोपहर में खाना खाकर दुकान पर आए। तभी हथियारों से लैस कुछ बदमाश उनकी दुकान में घुसे और बहुत करीब से उनके सिर में दो गोलियां मार दीं. और आराम से फरार हो गए घटना के समय उनकी पत्नी घर में नहाने जा रही थी। फायरिंग की आवाज सुनकर वह दौड़कर नीचे आई तो उनके पति दुकान के अंदर गिरे हुए थे। हरिशंकर को आस पास और उनके परिजनों ने अस्पताल पहुंचाया लेकिन उस समय तक उनकी मौत हो चुकी थी जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन में जुट गई. पुलिस ने घटनास्थल से गोली का दो खोखा बरामद किया है। ऐसी चर्चा है कि हरिशंकर ने करीब 15 लाख रुपये किसी व्यक्ति को ट्रक खरीदने के लिए उधार दिए थे. मगर वह पैसे वापस नहीं लौटा रहा था. इस संबंध में उन्होंने नवादा थाने में एफआईआर भी दर्ज कराई थी। पुलिस मामले की तफ्तीश कर रही है.भोजपुर पुलिस की पिछली कामयाबी को देख कर उम्मीद है कि जल्द ही वह अपराधियों के गिरेबां तक पहुंच जाएगी। ●

गैंग्स ऑफ सोन दियारा

● गुड्डू कुमार सिंह

बरसात में नावों की मदद से अवैध खनन करने के लिए अवैध बालू धंधेबाज एक-दूसरे पर गोलियां चलाते हैं। जिससे की सोन दियारा में उनका वर्चस्व बना रहे। ये धंधेबाज नावों पर गोला-बारूद से लैस रहते हैं। जिससे की हर आपात स्थिति से निपट सकें। बरामद गोलियों की खेप उत्तराखंड वाया यूपी के रास्ते भोजपुर लाई गई थी। भोजपुर डीआईयू टीम के साथ बिहार एसटीएफ की विशेष टीम ने बड़हरा थाने के दियारा इलाके में छापेमारी कर तीन अपराधियों को 2000 राउंड जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। इनकी पहचान कोइलवर थाना क्षेत्र के नारायणपुर निवासी सोनू कुमार रॉय और आशुतोष जिंदल और भोजपुर के चांदी गांव के नीरज कुमार के रूप में हुई है। गिरफ्तार अपराधियों का अवैध बालू खनन माफियाओं से संबंध सामने आ रहा है। प्रारंभिक जांच में इस बात के सबूत मिले हैं कि पटना के सिपाही गिरोह से भी इनका संबंध है। भोजपुर के एसपी संजय कुमार सिंह ने गुरुवार को प्रेस वार्ता के दौरान पत्रकारों को यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि स्लेटी रंग की ऑल्टो कार में कुछ अपराधी सवार होकर कोइलवर इलाके के बालू माफियाओं को देने के लिए यूपी के बलिया इलाके से अवैध गोलियों की खेप लेकर भोजपुर आ रहे हैं। इसकी जानकारी मिलते ही उन्होंने तुरंत एक टीम बनाई जिसमें जिला के तेज तर्रार पुलिस इंस्पेक्टर कमलेश कुमार, इंस्पेक्टर शंभू भगत, बड़हरा के थानेदार जयकांत, डीआईयू सब-इंस्पेक्टर अवधेश कुमार, रजनीकांत, राकेश कुमार, राजीव, रंजन, अभय शंकर और डीआईयू कांस्टेबल विकास कुमार, धर्मेंद्र कुमार, राजेश कुमार, सुकेश कुमार और ड्राइवर अविनाश कुमार शामिल थे। उसके बाद भोजपुर की एसटीएफ व डीआईयू टीम ने बबुरा पेट्रोल पंप के पास तेज गति से आ रही स्लेटी रंग की ऑल्टो कार को रोकने का इशारा किया.चाक चौबंद एसटीएफ व डीआईयू की टीम ने चारों ओर से कार को घेर कर रूकने पर मजबूर कर दिया। कार की तलाशी के दौरान कार के अंदर पाकेट के अंदर छिपा कर रखी 315 बोर की दो हजार गोलियां बरामद की गई. इनके पास से एक ऑल्टो कार के, अलावा चार मोबाइल भी बरामद किए गए. जांच में पता चला है कि पकड़े गए अपराधियों के बालू के अवैध कारोबारियों से संबंध हैं. तीनों की निशानदेही पर बड़हरा थाना क्षेत्र के कोइयां गांव के अजय सिंह नाम के व्यक्ति के घर से 12 बोर की 8 गोलियां बरामद की गयी हैं। मालिक पहले से ही पुलिस अभिरक्षा में है। एसपी ने आगे कहा कि पूछताछ कर अपराधियों के पूरे सिंडिकेट का पता लगाया जा रहा है। पूछताछ में यह भी खुलासा हुआ कि गिरफ्तार किए गए सभी लोग भोजपुर, पटना और सारण में बालू के अवैध कारोबार में शामिल कारोबारियों को गोलियों की आपूर्ति करते थे। फिलहाल आधा दर्जन जगहों पर अपराधियों की पहचान के लिए छापेमारी की जा रही है। गौरतलब है कि हाल ही में भोजपुर पुलिस ने विकास यादव, विदेशी राय और अमीरी राय को गिरफ्तार किया था। जो अवैध बालू के धंधे में शामिल थे इस बीच गिरफ्तार कारोबारियों से मिले सुराग के आधार पर पुलिस ने हथियार की तस्करी करने वाले तीन अपराधियों को मोबाइल सर्विलांस के आधार पर गिरफ्तार कर लिया है. दूसरी ओर इतनी बड़ी संख्या में गोलियों की बरामदगी को लोग भोजपुर पुलिस की बड़ी सफलता बता रहे है। ●

'जय भारती' प्राइम टाइम शो में दिखेंगी ऋषिका सिंह चंदेल

'जय भारती' की कहानी भारतीय सेना की गौरव गाथा और देश भक्ति को केंद्र में रखकर तैयार की गई है। शो में जानी मानी टीवी अभिनेत्री ऋषिका सिंह चंदेल महत्वपूर्ण भूमिका में हैं। ऋषिका 'विद्या' ,'लवपंती', 'जय संतोषी माँ', 'नयी सोचश' जैसी धारावाहिकों में मुख्य भूमिका में नजर आ चुकी हैं और इस शो से जुड़ कर भी वो काफी उत्साहित हैं। ऋषिका सिंह चंदेल बिहार के छपरा जिले की रहने वाली हैं। ऋषिका को पहला ब्रेक 'कलेक्टर बहू' के रूप में दूरदर्शन पर मिला था। ऋषिका सिंह चंदेल 'नयी सोच (दूरदर्शन), लवपंती (एम एक्स प्लेयर), सीरियल में मुख्य भूमिका निभा चुकी हैं। वो एंड टीवी पर प्रसारित धारावाहिक जय संतोषी मां में 'माता सीता' के रूप में नजर आ चुकी हैं। बेहद खूबसूरत और प्रतिभाशाली अभिनेत्री ऋषिका ने कहा कि अगर मेहनत और लगन हो तो राहें खुलती ही हैं। एक छोटे शहर से एक बड़ा सपना लेकर आई ऋषिका आज एक मिसाल बन चुकी हैं, जल्द ही वो बड़े परदे पर भी नजर आयेंगी। 15 अगस्त से सोमवार से शुक्रवार रात्री 9.30 डी डी नेशनल (दूरदर्शन) पर प्रस्तुत किये जायेंगे। जय भारती शो के निर्माता और लेखक महेश पांडे हैं। जय भारती टीवी शो में मुख्य कलाकार मनमोहन तिवारी, वकार शेख, प्रियमदा, ऋतुपर्णा हैं। ●

अनियमितता में स्वास्थ्य सेवा

● बिन्ध्याचल सिंह

बक्सर जिला के नर्सिंग होम, हॉस्पिटल, क्लीनिक, पैथोलॉजी लैब ये सब का जिम्मेदारी रखने वाला स्वास्थ्य विभाग ही इसमें लापरवाही बरत रहा है। और यहां के चुने हुए जनप्रतिनिधि मस्त और अपने नीज काम में व्यस्त हैं। वहीं जनता जनार्दन त्रस्त एवं जनसेवाओ की पूर्ति के लिए व्यस्त हैं। जिला अंतर्गत विभाग के अधिकारियों द्वारा अस्पताल संचालकों से सेटिंग -गेटिंग कर अस्पतालों के सत्यापन में स्वास्थ्य विभाग के मानकों का भी अनदेखी का बड़ा खेल किया गया है। अस्पताल संचालक मामूली मेडिकल की वस्तुएं व जांच की सुविधाए रखकर धड़ल्ले से अस्पताल चला रहे हैं। इलाज के नाम पर मरीजों की सेहत से न सिर्फ खिलवाड़ किया जा रहा है बल्कि उनका आर्थिक रूप से शोषण किया जा रहा है। एवं साथ ही साथ अप्रशिक्षित नर्सो से अवैध रूप का गर्भधारण को भी नष्ट किया जा रहा है। जिसके परिणामस्वरूप अनेकों बहनों एवं माताओं की जान चली गई है। इसका जिम्मेदार कौन? बक्सर जिला अंतर्गत बिना रजिस्ट्रेशन के कई अस्पताल चल रहे हैं। इनके पास न तो प्रशिक्षित चिकित्सक और न ही प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मी है। फिर भी बुखार से लेकर ऑपरेशन तक का जिम्मा उठा कर मरीजों की जान जोखिम में डालने से नहीं चूकते हैं। ऐसा भी नहीं की इन अस्पतालों के बारे में विभाग अनभिज्ञ हैं। इससे लोग परेशान भी है। वहीं स्थानीय जनप्रतिनिधि मुंह खोलने से परहेज कर रहे हैं। तथा फर्जी चिकित्सकों की रातों दिन चांदी कट रही है। इसका जिम्मेदार कौन राज्य सरकार या स्थानीय जनप्रतिनिधि? बक्सर जिला अंतर्गत सरकारी अस्पताल के डॉक्टर निजी अस्पताल इसलिए चलाते हैं कि सरकारी अस्पताल में जो मरीज इलाज कराने और प्रसव वाली महिलाएं आती हैं तो अस्पताल में इलाज की असुविधा और प्रसव में जटिलता बतलाकर अपने निजी अस्पताल में उन डॉक्टर और कुछ स्वास्थ्यकर्मी द्वारा उस डॉक्टर के निजी अस्पताल में जाने के लिए समझाया जाता है। इसके लिए डॉक्टर द्वारा स्वास्थ्यकर्मी को बकसीस दिया जाता है। कुछ निजी अस्पताल के संचालक भी सरकारी अस्पताल के स्वास्थ्यकर्मी को बकसीस देने का काम करते हैं। जो गोपनीय तरीका से निगरानी विभाग से जांचोपरांत पता चल जाएगा। उपरोक्त जानकारी सामाजिक कार्यकर्ता हरे कृष्णा सिंह उर्फ कृष्णा यादव ने दी। ●

महाशिवरात्रि में मंगलवार की मंगलमय जानकारी

● बिन्ध्याचल सिंह

विश्वामित्र की तपो भूमि बक्सर धार्मिक स्थलो के लिये विख्यात है जहॉ पुरूशोतम श्रीराम की चरणपादुका आज भी विराजमान है। बिहार के पश्चिमोतर में स्थित बक्सर में लगभग सालोभर तीर्थ यात्रियो का आना–जाना लगा रहता है। जहॉ आज भी बक्सर के नौलाखा मंदिर आर्कशक का केन्द्र बना हुआ है। बक्सर में सैलानियो का भी आगमन लगभग सालो भर रहता है। जिसप्रकार विश्वामित्र की नगरी धार्मिकस्थल है वैसे ही यहा के निवासी भी दयालू व दानीप्रवृति के है जिसका प्रमाण कुछ संस्थाओ व हॉस्पिटल के संचालक व चिकित्सको की कार्यशैली से प्राप्त किया जा सकता है। जिले का इकलौता विशालकाय परिसर वाला हॉस्पिटल अपनी मंगलवार फ्री सेवा के साथ सफल इलाज के लिये जिला में प्रथम स्थान रखता है। उक्त बात की जानकारी गिरधरबरॉव निवासी श्री विजय कुमार ने केवलसच प्रतिनिधि को डुमरॉव में जानकारी दी। श्री कुमार के अनुसार मॉ शिवरात्री हॉस्पिटल बक्सर जिले का पहला विशालकाय परिसर वाला हॉस्पिटल है जिसके समाने सुशासनबाबु की

सदरअस्पताल भी बौना दिखता है। आपको बताते चले कि मॉ िवरात्रि हॉस्पिटल की परिसर लगभग दो एकड में स्थित है जिसमें स्वास्थ्य से सम्बन्धित सभी सुव्यवस्था व कुशल चिकित्सक व नर्स की सेवा जारी रहती है। हॉस्पिटल के निर्देशक श्रीमति शोभा सिंह हॉस्पिटल में दस्तक देनेवाले सभी रोगीयो की वैसी ध्यान रखती है, जैसे कोई भी मॉ अपनी शिशुओ को। रोगीयो को कोई भी परेशानी न हो की ध्यान में रखकर हॉस्पिटल परिवार सदैव तत्पर रहता है। मानो सभी कर्मचारी व चिकित्सक, चालक, सिक्युरिटी गार्ड सभी के सभी एक जिम्मेवारी के साथ रोगीयो से व्यवहार करते आ रहे है। प्रिय पाठकगण आपलोगो को बताते चले कि हॉस्पिटल की निर्देशक श्रीमति शोभा सिंह व्यवस्था में कोई कमी न हो कि विशेष ध्यान रखती है। ठीक उसी प्रकार मॉ शिवरात्रि के चिकित्सक श्री ए0 के0 सिंह रोगीयो की सफल इलाज हो के प्रति गंम्भीर रहते है यही वजह की प्रत्येक मंगलवार के दिन रोगीयो की संख्या लगभग 80 के पार रहती है। जानकारो के अनुसार डॉक्टर ए0 के0 सिंह विगत कई वर्षो से हॉस्पिटल में मंगलवार के दिन ओ0पी0डी0 सेवा फ्री में की जाती है। जो दानदाता के साथ परमार्थी सोच एवं मानवीय गुण की एक बहुत बडी मिसाल है। उपरोक्त सभी बातो पर गंम्भीरता से विचार किया जाय तो आप पायेगे कि मॉ शिवरात्रि हॉस्पिटल परिवार की सोच रहती है कि– ''कर भला तो हो भला''। ●

स्वतंत्रता दिवस का आयोजन

आजादी के 75 बर्ष 76 वॉ स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन ष्साईट टू प्रोटेक्ट सोशल डेवलपमेंट एण्ड जस्टिस ष्के राष्ट्रीय अध्यक्ष एड एस के सिंह पटना हाई कोर्ट पटना ने मुख्य कार्यालय-महात्मा फुले नगर बक्सर वार्ड नंबर 03मे झंडोत्तोलन के अवसर पर प्रकाश डाला कि-आजादी के 75 बर्ष बाद भी नाबालिक बच्चे आजाद नही गुलाम है कैसे---? नाबालिक बच्चे को जब शादी-ब्याह और मतदान करने का हक-अधिकार नही तो नाबालिक बच्चे जेल और बाल गृह रिमांड होम क्यो-----? ये मानवाधिकार का पूर्ण हनन है। जुबेनाईल जस्टिस प्रोटेक्टशन एक्ट मे संशोधन अतिआवश्यक जनहित मे होना चाहिए। झंडोत्तोलन अवसर पर गणमान्य लोग की उपस्थिति निम्नलिखित रही-डॉ लाल मोहन मौर्य, अध्यक्ष पिपली बुद्ध विहार बक्सर श्री गणेश मंडल, ओम प्रकाश मौर्य, विनोद भारती,श्री निवास कुशवाहा, पाठक जी, कुशधवज मौर्य, राम लखन सिंह, संदीप कुशवाहा अध्यक्ष कुशवाहा छात्रावास, जनतेशवर शर्मा, डाक्टर शिव जी चौरसिया, महावीर मधेशिया अरुणोदय राज, गुप्ता जी, उपाध्याय जी,मंटू, बीरेन्द्र राम,शिव शंकर राम, शिव शंकर चौरसिया, पंकज कुशवाहा, चुननु यादव, रविश सिंह इत्यादी दर्जनो लोगो की उपस्थिति रही। **रिपोर्ट :-बिन्ध्याचल सिंह**

असमानताएं कम देखने को मिलती है

● रीता सिंह

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को कहा कि भारत ने दुनिया को लोकतंत्र की वास्तविक क्षमता का पता लगाने में मदद की है. उन्होंने कहा कि देश में आज संवेदनशीलता एवं करुणा के जीवन-मूल्यों को प्रमुखता दी जा रही है और इन जीवन-मूल्यों का मुख्य उद्देश्य वंचित, जरूरतमंद तथा समाज के हाशिये पर रहने वाले लोगों के कल्याण के वास्ते कार्य करना है.मुर्मू ने 76वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र के नाम अपने पहले संबोधन में कहा कि प्रमुख आर्थिक सुधारों के साथ अभिनव कल्याणकारी पहल की जा रही है और दुनिया ने ''हाल के वर्षों में नए भारत को विकसित होते देखा है, विशेषकर कोविड-19 महामारी के प्रकोप के बाद.'' राष्ट्रपति ने कहा कि जब भारत को स्वतंत्रता मिली, तो दुनिया के कई नेता और विशेषज्ञ थे, जिन्हें उस समय गरीबी और निरक्षरता के कारण भारत में सरकार के लोकतांत्रिक स्वरूप की सफलता के बारे में संशय था.उन्होंने कहा, ''हम भारतीयों ने

संदेह जताने वाले लोगों को गलत साबित किया. इस मिट्टी में न केवल लोकतंत्र की जड़ें बढ़ीं, बल्कि समृद्ध भी हुई.'' उन्होंने कहा, ''हमारे पास जो कुछ भी है वह हमारी मातृभूमि का दिया हुआ है. इसलिए हमें अपने देश की सुरक्षा, प्रगति और समृद्धि के लिए अपना सब कुछ अर्पण कर देने का संकल्प लेना चाहिए.''अपने 17 मिनट के संबोधन के दौरान उन्होंने कहा कि विश्व में चल रही आर्थिक कठिनाई के विपरीत, भारत की अर्थव्यवस्था को तेजी से आगे बढ़ाने का श्रेय सरकार तथा नीति-निर्माताओं को जाता है. उन्होंने कहा कि देश का विकास अधिक समावेशी होता जा रहा है और क्षेत्रीय असमानताएं कम देखने को मिलती है। ●

भोजपुरी गायक विनय शर्मा गिरफ्तार

● रीता सिंह

पश्चिमी दिल्ली के इंदरपुरी इलाके में पुलिस ने एक शख्स को गिरफ्तार कर उसके पास से 21 किलोग्राम गांजा जब्त किया है. दिल्ली पुलिस के मुताबिक इस शख्स की पहचान मूल रूप से बिहार में सिवान के रहने वाले विनय शर्मा के रूप में हुई है, जो भोजपुरी गायक है और अब तक 100 से ज्यादा गाने का गा चुका है. पुलिस के मुताबिक, नारकोटिक्स सेल को अपने मुखबिर से इस ड्रग्स की खबर मिली थी. इसके बाद नारकोटिक्स स्क्वॉड के सबइंस्पेक्टर संदीप, एएसआई करण सिंह, हेडकॉन्स्टेबल विजय कुमार, हेडकॉन्स्टेबल विजय सिंह और हेडकॉन्स्टेबल लेखराज ने इंदरपुरी के टोपापुर पहुंचकर वहां ड्रग्स पेडलर को पकड़ने के लिए जाल बिछाया और विनय शर्मा को गिरफ्तार कर लिया. दिल्ली

पुलिस की ओर से जारी बयान में बताया गया कि इस संबंध में इंदरपुरी थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया गया है. पुलिस ने बताया कि भोजपुरी गायक के पास इतनी बड़ी मात्रा में गांजे की खेप कहां से आई, इसका पता लगाने के लिए पुलिस पूछताछ कर रही है।●

नार्कोटिक्स (रामराज्य) लाने वाली मशीन

सरकार क्यों नहीं इस्तेमाल करना चाहती

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

वैज्ञानिकों ने लगभग दो दशक पहले नारकोटिक्स मशीन का आविष्कार किया है। इसे सामान्य भाषा में झूठ पकड़ने वाली मशीन कहा जाता है इस मशीन से अपराधी और भ्रष्टाचारी पर अंकुश लगाया जा सकता है तथा न्याय पाना आसान हो जाता है। आज पुरा बिहार अपराध की नगरी, भ्रष्टाचार का साम्राज्य है। भ्रष्टाचार इतना बढ़ गया है कि धरती के आधुनिक हरिश्चन्द्र कहे जाने वाले आई एस, आईपीएस भी जेल में है तथा कुछ जेल जाने के कतार में हैं। आज ऐसी स्थिति उत्पन्न हो रही है कि कंहा नहीं भ्रष्टाचार है। सरकार द्वारा पुल, मकान ,दीवाल ,नाला आदि 80 साल के लिए निर्माण किया जाता है परंतु कुछ तो उद्घाटन के पहले ही ध्वस्त हो जाता है। कहीं कोई चर्चा तक नहीं होती है। प्रशासनिक भ्रष्टाचार इतना बढ़ गया है कि आज दोषी से ज्यादा निर्दोष ही जेल में हैं। पुर्व डीजीपी गुप्तेश्वर महादेव ने कहा था कि भारी संख्या में निर्दोष लोग जेल में जा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा लगभग 200 योजनाएं चलाई जा रही है परंतु अधिकांश योजनाएं कागजों में ही सिमट कर रह गई है। बिहार में कोई विधायक, सांसद और मंत्री चर्चा तक नहीं करना चाहते। नार्को टिक्स मशीन से अंकुश लगाया जा सकता है। सरकार यदि आदेश जारी कर दे कि सरकारी सभी कर्मचारियों को साल में एक बार नार्को टिक्स मशीन से गुजरना होगा। यह आदेश के बाद भ्रष्टाचार पर अंकुश लग सकता है। अपराध आपसी विवाद छोड़कर घूसखोरी, कमीशन खोरी लगभग समाप्त हो जाएगी। सबसे बड़ा सवाल है कि ऐसे मशीन से सरकार काम क्यों नहीं लेना चाहती है।

सरकार में बैठे अधिकांश लोग भी डरते हैं कि इस मशीन से भ्रष्टाचार पर रोक लगाना चाहेंगे वैसी अवस्था में भ्रष्टाचारी लोग भी यदि न्यायालय में गुहार लगाए कि भ्रष्टाचार का असली जड़ विधायक, सांसद और मंत्री ही हैं आदेश दिया जाए कि साल में एक बार सभी विधायक, सांसद और मंत्री को नारकोटिक्स मशीन से गुजरने का आदेश दी जाए। यदि सुप्रीम कोर्ट द्वारा आदेश जारी कर दिया जाए कि सभी विधायक, सांसद और मंत्री को साल में एक बार नार्को टिक्स मशीन से गुजरना होगा। इस आदेश के बाद अधिकांश लोग चुनाव लड़ने के लिए स्वप्न में भी नहीं सोचेंगे तथा त्याग पत्र देकर राजनीति के मैदान से भागेंगे तथा राजनीति में ईमानदार, संस्कारवान और चरित्रवान ही जायेगें।●

2024 में प्रधानमंत्री कौन?

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

नीतीश कुमार प्रधानमंत्री का सपना देख रहे हैं ,सपना देखना कोई बुरी बात नहीं है । किंतु यथार्थ में उन्हें अपनी हैसियत का अंदाजा होनी चाहिए। बताया जाता है कि नीतीश कुमार को दो दो रणनीतिकार हैं। यदि नीतीश कुमार को राजद से हटना पड़ा वैसे स्थिति में नीतीश कुमार का मुख्यमंत्री पद अंतिम हो सकता है तथा भाजपा और राजद दोनों का दरवाजा सदा-सदा के लिए बंद हो सकता है? नीतीश कुमार स्वयं हार के भय से जनता से विश्वास मत लेने के लिए चुनाव में नहीं जाते हैं। नरेंद्र मोदी को हराने के लिए कतार में कई है। नीतीश कुमार काफी पीछे चल रहे हैं। प्रधानमंत्री के कतार में राहुल गांधी, ममता बनर्जी, केजरीवाल, अखिलेश सिंह, नीतीश कुमार आदि। नीतीश कुमार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी को हराने गए थे। बताया जाता है कि नारा था बिहार की तरह उत्तर प्रदेश को भी शराब मुक्त करेंगे, बिहार की तरह जीरो टॉलरेंस (अपराध मुक्त) करेंगे।

☞ **उत्तर प्रदेश में मिले वोट का आंकड़ा देख लें?** :- प्रधानमंत्री का चुनाव नीतीश कुमार का एक ही नारा होगी मोदी हटाओ? मोदी जी द्वारा सैकड़ों योजनाएं चलाई जा रही है यह तो बताएंगे नहीं। मोदी जी द्वारा समूचे देश में शौचालय निर्माण, अपना राशन देश में कहीं भी ले सकते हैं, पंचायत में सभी योजनाओं का पैसा भारत सरकार देती । सभी गर्भवती महिलाओं को 6हजार भारत सरकार देती है, बजट में सबसे ज्यादा पैसा शिक्षकों के वेतन में दी जाती है जिसमें वेतन का

50 प्रतिशत भारत सरकार देती है। मुस्लिम महिलाओं के भविष्य के लिए तीन तलाक, हलाला समाप्त कर दिया गया। धारा 370 समाप्त कर दिया गया। कश्मीर का अलग झंडा तथा चुनाव 6 साल पर होता था उसे मोदी जी ने समाप्त कर दिया गया। अब काश्मीर भारत का अंग हो गया अब एक ही झंडा काश्मीर में भी फहराया जाता है। बताया जाता है कि फोर लाइन सड़क, सीक्स लाइन सड़क, बड़े-बड़े पुल भारत सरकार द्वारा ही निर्माण होती है। प्रधानमंत्री जनधन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री सुकन्या समृद्धि योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना, सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, सांसद आदर्श ग्राम योजना ,फसल बीमा योजना, ग्राम सिंचाई योजना ,गरीब कल्याण योजना, जन औषधि योजना ,कौशल विकास योजना, इंडिया किसान विकास पत्र, हेल्थ कार्ड स्कीम, डिजिटल इंडिया, स्किल इंडिया, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना, मिशन इंद्रधनुष, दीनदयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना ,दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्या योजना, अटलअमृत योजना, स्वदेश दर्शन योजना, उड़ान स्कीम ,नेशनल बाल स्वच्छता मिशन, वन रैंक वन पेंशन स्कीम, स्मार्ट सिटी मिशन, गोल्ड मोनेटाइजेशन स्कीम, डीजी लॉकर, इंटीग्रेटेड पावर डेवलमेंट स्कीम, श्यामा प्रसाद मुखर्जी, रूबरू मिशन ,सागर माता प्रोजेक्ट, प्रकाश पर, उज्जवल डिस्कॉम योजना ,विकल्प स्कीम राष्ट्रीय गोकुल मिशन, प्रधान मंत्री खनिज क्षेत्र, कल्याण योजना, नमामि गंगे प्रोजेक्ट सेतु,भारत प्रोजेक्ट स्टेट विल, आधार विल क्लीन, माय कोच राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान, प्रधानमंत्री

उत्तर प्रदेश में जदयू के वोट का आंकडा

- लखनऊ कैंट विधानसभा क्षेत्र-118 वोट
- फर्रूखाबाद विधानसभा क्षेत्र-168 वोट
- जलालपुर विधानसभा क्षेत्र-246 वोट
- रामपुर खास विधानसभा क्षेत्र-301 वोट
- बिसवान विधानसभा क्षेत्र-302 वोट
- जगदीशपुर विधानसभा क्षेत्र-346 वोट
- कुशीनगर विधानसभा क्षेत्र-354 वोट
- भाटपरानी विधानसभा क्षेत्र-488 वोट
- घोड़ावाल विधानसभा क्षेत्र-559 वोट
- मरियाहू विधानसभा क्षेत्र-780 वोट
- चुनार विधानसभा क्षेत्र-808 वोट
- महरौनी विधानसभा क्षेत्र-997 वोट
- रानीगंज विधानसभा क्षेत्र-526 वोट
- बिलासपुर विधानसभा क्षेत्र-522 वोट
- सलोन विधानसभा क्षेत्र-528 वोट
- तमकुही राज विधानसभा क्षेत्र-597 वोट
- पथरदेवा विधानसभा क्षेत्र-690 वोट
- डुमरियागंज विधानसभा क्षेत्र-542 वोट
- फेफना विधानसभा क्षेत्र-621 वोट
- भदोही विधानसभा क्षेत्र-799 वोट
- मंझवा विधानसभा क्षेत्र-876 वोट

ग्रामीण आवास योजना उन्नत भारत अभियान, टीवी मिशन, धनलक्ष्मी योजना, गंगाजल डिलीवरी स्कीम+पोस्ट ऑफिस) के द्वारा, प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान, विद्यांजलि योजना, ग्राम उदय से भारत उदय, अभियान सामाजिक अधिकार शिविर, रेलवे यात्री बीमा योजना, स्मार्ट गंगा सिटी ,सौर सुजला योजना, एक भारत श्रेष्ठ भारत आदि सैकड़ों योजनाएं चलाई जा रही है, अधिकांश मंत्री ऐसी योजनाओं को लाभार्थियों तक पहुंचाने का प्रयास नहीं किया।

☞ **क्या यह सब उपलब्धि नहीं है :-** नीतीश कुमार किस बूते प्रधानमंत्री मोदी से टकराएंगे ,यह समझना मुश्किल है। बिहार में तो संभल नहीं रहा, देश संभालने का सपना देखते हैं। शराबबंदी की स्थिति ऐसी है की जो पहले चाय बेचता था वह भी शराब बेचने लगा है, शराब का धंधा करके फलने फुलने वाले अपराधियों की संख्या निरंतर बढ़ती जा रही है अपराध की घटनाएं तेजी से बढ़ रही है कानून का डर कहां है, किसको है समझना मुश्किल है। कभी भाजपा के समर्थन से तो कभी राजद के समर्थन से निरंतर मुख्यमंत्री बने रहना नीतीश जी का राजनीतिक तिक्रम का कोई जवाब नहीं है। अब देखना यह है कि एक दूसरे की धूर विरोधी इस बार कितने दिनों तक साथ रहेंगे। यदि नीतीश मुख्यमंत्री की कुर्सी का त्याग करें तेजस्वी को मुख्यमंत्री बना देते तो बात कुछ और होती तब इन्हें केंद्र की राजनीति में हस्तक्षेप करने में राजग का समर्थन मिल सकता था। फिलहाल देखना यह है कि ऊंट किस करवट बैठता है। ●

लाइसेंसी कारतूस और नकली हथियार से होते हैं अपराध

● **डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह**

बिहार चारों तरफ रंजीत है विकास पर चर्चा होती है परंतु अपराध पर कोई चर्चा तक नहीं होती जैसे लगता है कि सामान्य व्यक्ति कीड़ा मकोड़ा है। बताया जाता है कि अपराध भले ही नकली हथियार से होती है परंतु कारतूस तो असली ही होती है। अपराध करने के लिए कारतूस कौन देता है और कहां से आता है। यह बहुत गंभीर विषय है। कारतूस रोकने के लिए आम नागरिकों को हथियार का लाइसेंस देना बंद करना होगा। भाजपा मीडिया प्रभारी डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने कहा कि सबसे बड़ा राज छिपा है कि जिस पुलिस को अपराध रोकना है उसे हिसाब देना पड़ता है कि कहां और किसके आदेश से गोली चलाई गई,पुरा विवरण के साथ तथा कारतूस के खोल भी वापस करना पड़ता है। पब्लिक को नहीं गोली चलाने का कारण बताना पड़ता है और नहीं कारतूस का खोल वापस करना पड़ता है। सरकार पब्लिक से कारतूस वापस नहीं करवाती है वही कारतूस से अपराध होती है। सरकार यदि पब्लिक से पुलिस के तरह गोली चलाने का विवरण तथा गोली का खोल वापस ले तो वैसे स्थिति में 90 प्रतिशत अपराध में कमी आ सकती है तथा अपराध करने की प्रक्रिया पुरानी हो जाएगी इंट, पत्थर, लाठी, डंडा, गरांसा, पलसा, तलवार आदि रहे जाएगा। पुलिस भी अपराध के विरूद्ध कठोर कदम उठाने से भय खाती है, क्योंकि पुलिस द्वारा मारे जाने के पक्ष में मानवाधिकार आयोग खड़ा रहता है परंतु आम लोगों के लाशों की कतारें सजने के बावजूद भी मानवाधिकार आयोग को नहीं झलकती है। धनाढ्य लोगों के साथ कोई घटना होने पर वगैर निमंत्रण के दौड़ लगाएगा। हथियारों पर नियंत्रण के साथ कारतूस की गिनती ही जरूरी है तभी अपराध नियंत्रण हो सकता है। ●

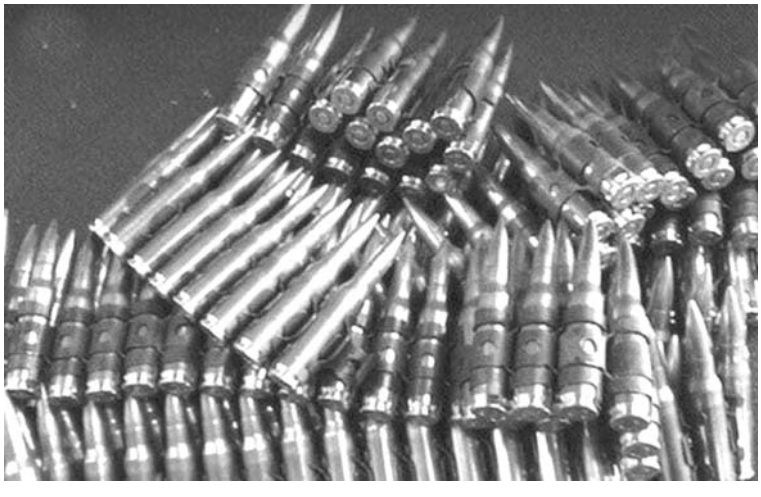

● ललन सिंह

धमाका भी नहीं, सीधे निशाने पर वार यही विश्व ने देखा, जब अफगानिस्तान के काबुल में अलकायदा प्रमुख अल जवाहिरी को मौत की निंद प्रदान किया। अमेरिका के ड्रोन में हेलफायर मिसाइल द्वारा, इस मिसाइल जिसका नाम आर 9 एक्स हेल्फायर है, इस मिसाइल में तेज धार वाले ब्लेड निकलकर निशाने को नष्ट करने की कावलियत रखता है। इस मिसाइल की खास विशेषता होता है कि इस मिसाइल के द्वारा हमले में सटीक निशाना होती है और सामान्य और इधर-उधर किसी तरह का नुकसान नहीं होता ना नही अनावश्यक जान-माल का नुकसान भी होता और इसका उदाहरण जवाहिरी की मौत है, जवाहिरी को छोड़कर किसी भी अन्य सदस्य परिवार को नुकसान नहीं हुई। एक बात यह भी विश्व को समझ में अवश्य आई है कि आतंकवाद और उसके सरगना को चिन्हीत करके सही सूचना पर बर्बाद किया जा सकता है और इसके लिए सुरक्षा बलों एवं समय पर अपने अंजाम पर पहुँच कर आतंकवाद को समाप्त की जा सकती है,

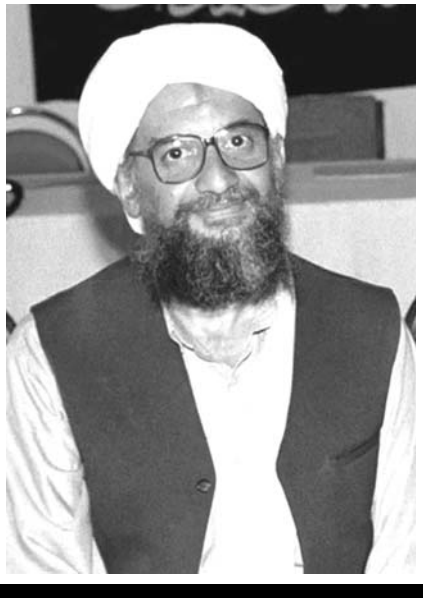

जवाहिरी की मौत भारत के लिए भी राहत है, परन्तु यह भी बात समझने की है कि भारत के लिए यह जबर्दस्त चुनौती भी है, जवाहिरी और इसका अलकायदा संगठन भारत विरोधी रूख हर समय उजागर होता रहा है। 2011 में कश्मीर की तुलना फलस्तीन से की थी, भारत को साथ देने वाले इस्लामिक देशों की निंदा किया था, हिजाब एवं नुपूर शर्मा के बयान के विरोध में मुसलमानों एवं मुस्लीम देशों को एकजुट होने के लिए कहा था, हालांकि भारतीय सुरक्षा बलों द्वारा हर कोशिशों को नाकामयाब किया। अफगानिस्तान में जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तोयबा को पूरी तौर पर अपने कार्यों के लिए तालीबान द्वारा मौका दिया जा रहा है। अफगानिस्तान में तालिबान का बयान की अपने जमीन पर किसी भी आतंकी संगठन को मौका नहीं देगे गलत साबित हो रहा है, जवाहिरी गृहमंत्री के नजदीक मकान में पूरे परिवार के साथ कई माह से रह रहा था, इसलिए भारत को और सतर्क होना ही होगा, क्योंकि पाक एवं अफगानिस्तान से इन सभी आर्तकियों का साथ भारत विरोधी रहेगा। इस बात के प्रमाण लगातार हमारी सूचना तंत्र द्वारा प्राप्त हो रही है। आजकल विश्व में आतंकी हमले एवं नापाक

हरकतों का भय लगातार रहा है। भारत भी आतंक से त्रस्त है, वर्तमान में पाक और विदेशी आतंकी संगठनों की नजर भारत में दंगा-फसाद, हिंसा एवं आपस में वैमनस्य के लिए कुछ भारत के देशद्रोही एवं पी.एफ.आई. जैसे कुछ और संगठनों के साथ नापाक रणनीति पर कार्यरत हैं, देश विरोधी तत्वों का इस तरह के आतंकी संगठनों के साथ देश विरोधी हरकतों के बावत जानकारीयां प्राप्त हुई है, देश में हाल के दिनों में फुलवारी शरीफ हो या बिहार के कई इलाके जिसमें मिथलांचल, सिमांचल, और देश के विभिन्न राज्यों में जैसे तेलंगाना, महाराष्ट्र, पंजाब, उत्तर प्रदेश, आंध्रप्रदेश में, गजल-ए-हिंद, जमात-उल- मुजाहिदीन और पी.एफ.आई. के सहायक संगठनों के साथ पाए हैं और इसके प्रमाण जुटाए जा रहे हैं चार-पाँच राज्यों के ए.टी.एस. द्वारा, आरोपियों को लगातार छापामारी के बाद पूछताछ जारी है, साथ ही अब केन्द्रीय एजेंसियों की टीम भी जाँच प्रक्रिया में कार्यरत है अब कुछ जाँच को पूरी तौर पर एन. आई.ए. द्वारा जिम्मेदारी ले ली गई है। गम्भीरता को देखते हुए देश में कार्यरत देशद्रोही तत्वों के मोबाइल में वाट्सएप चैट एवं विदेशी नम्बरों से गजबा-ए-हिंद एवं काला देश के जे.एम.बी. के जुड़े होने का जानकारी प्राप्त एजेंसियों को मिला है। पाक के और विदेशी नम्बरों से देश विरोधी अभियान का भंडाफोड़ हुआ ही है और देश में कट्टरता एवं धार्मिक उन्माद फैलाने के नीतिगत सोच पर नकेल कसने की कार्यवाही भारतीय सुरक्षा एजेंसियों द्वारा जारी है, भारत में असमाजिक तत्वों को लेकर हमारी सूचना तंत्र चौकस है यह भी जानकारी मिल रही है कि एल.ओ.सी. पर सख्त चौकसी के कारण नेपाल एवं बंगलादेश के सीमा से विदेशी सक्रिय है, नापाक हरकतों के लिए जिससे भारत में अव्यवस्था एवं दंगा फसाद से अशांति का माहौल बने, आई.बी. के इनपुट पर राज्यों की सुरक्षा व्यवस्था पूरी तौर पर चौकस है। हाल के दिनों में आरोपी जिनका पी.एफ. आई. और कुछ आतंकी संगठनों से सुत्र जुड़े मिले हैं, उसमें कई राज्यों के लोग एक-दूसरे से जुड़े होने का प्रमाण प्राप्त मिल रही हैं। यह भी जानकारी मिली है कि सिमी के पूर्व सदस्यों को फिर से एक्टीव करने का प्रयास किया जा रहा है, चेन बनाकर मैसेज पास हो रहे थे, पाकिस्तानी से चैटिंग के साक्ष्य भी मिले हैं, फुलवारी शरीफ (पटना) एवं तेलांगना के आरोपियों के मोबाईल से जो आर्थिक रूप से और आतंकी हरकतों के लिए निर्देश के तौरपर इस्तेमाल हो रहे हैं, देश के विरोधी मिशन 2047 में जूटे दूसरे राज्य के सदस्य और पी.एफ.आई. के राष्ट्रीय स्तर के नेताओं के संपर्क में भी फुलवारी शीरफ के आरेस्ट अतहर एवं अरमान काफी दिनों से थे, अतहर की कर्नाटक एवं पाक के द्वारा निर्देशन प्राप्त होने के पुख्ता प्रमाण भी मिले हैं, जो खतरनाक साजिश वाले

हैं। पूछताछ में आरोपियों से विदेशी फंडिंग लेने के लिए पी.एफ.आई. नए-नए तरीका को अपनाए थे पर ई.डी. द्वारा जाँच के कारण इनके तरीके पूरी तरह से उजागर हो रही है और साबित हो चुका है कि पी.एफ.आई. खाड़ी देशों से रेमीटेंस के रूप में फंड लेता है फिर कैश जमा कराता था खाते में, चीन से भी पैसा प्राप्त इन्हें हुई है जो पूरी तौर पर साबित हो रहा है, पक्के सबूत मिले है, केवल 2019 से एक वर्ष के अन्दर 120 करोड़ रूपए की फंडिंग हो चुके हैं, ओमान से एक करोड़ रूपए की प्राप्त करने वाला को ई.डी. ने सबूत के साथ पकड़ा है। कोई यह अकेला मामला नहीं है ऐसे कई मामला को ई.डी. द्वारा जाँच में मिले हैं, ई.डी. ने 23 से अधिक बैंक खाते एवं रिहैब फाउंडेशन के 10 से 15 एकाउण्ट में लाखों रूपए को जब्त भी किया है, हाल के दिनों में फुलवारीशरीफ (पटना) में अरेस्ट के बाद दस्तावेज प्राप्त हुए, जिसमें देश की आजादी की 100 वीं वर्षगांठ (2047) तक भारत में इस्लामी सरकार की स्थापना का खतरनाक षड्यंत्र की जानकारी मिली और रणनीति पर कैसे कार्यो को पूरा किया जाएगा इसकी पूरी तरह से इन दस्तावेजों में जानकारी दी गई है, सवाल कई उठने लाजमी है। इस तरह के देशद्रोही लोगों को देश विरोधी हरकत का मौका कैसे मिलते हैं कौन लोग इन्हें आर्थिक एवं तौर तरीके से मजबूती देते हैं जरूरी है प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष मदद करने वालों को भी आतंकियों जैसा ही कानूनी प्रक्रिया में आरोपी बनाया जाए, क्योंकि देश में अब आतंक के साथ सख्त एवं सतर्क एक्शन आज की आवश्यकता है। भारत के विभिन्न राज्यों में आतंकी नेटवर्क को जाँच के क्रम में आश्चर्यजनक जानकारी प्राप्त हुई है कि हर शक वाली संगठनों में दहशत फैलाने की ट्रेनिंग दी जा रही थी यही

फुलवारीशरीफ के पकड़े गए आरोपियों से जानकारी भी मिली। देश भर के युवाओं को जो एक समुदाय विशेष से आते हैं, उन्हें ब्रेनवाश करके इस्लाम पर आपत्तिजनक टिप्पणी या गलत बातों को करने वालों के उपर हमला एवं निशाने बनाने की प्रशिक्षण गुप्त जिहादी दस्ता को तैयार किए जाने की प्रक्रिया जारी था। छापेमारी में मिले हुए बरामद सामग्री से यह भी पक्का हुआ है कि इन सभी का अंतिम लक्ष्य भारत को इस्लामिक देश बनाना और यदि इसका कई विरोध करे तो उसे खत्म करना इसके लिए एस.डीपी.आई. एवं पी. एफ.आई. के आड़ में तैयारी एक माध्यम है, बिहार के कई जगहों पर जेहादी दस्ता को कायम करने के लिए केरल झारखण्ड, तामिलनाडु से प्रशिक्षक एवं इससे सम्बंधित लोगों का भी आना-जाना लगा रहता था। इससे एक बात यह भी कन्फर्म हो रहा है कि बिहार में आतंकी पांव को फैला चुके हैं। इसका आहट दरभंगा, मधुबनी, सारण एवं चम्पारण साथ ही बांका, भागलपुर के कनेक्शन से प्रमाणित हो रहे हैं, लश्कर-ए-तैयबा एवं इंडियन मुजाहिदन का साथ का भण्डाफोड़ कई मौके पर मिले हैं, हालाँकि अब बिहार में जाँच की जिम्मेदारी एन.आई.ए. ने सम्भाली है और एक तरह से राज्य सरकार एवं केन्द्र सरकार के द्वारा सख्ती से इस पर जाँच की दिशा में प्रगति हुई है और इससे कई खुलासे हो रहे हैं जो शांति, सुरक्षा के लिए राज्य एवं देश के लिए बहृत सही है, इसमें कोई शक नहीं है।

एक बात साफ है जब कोई संगठन देश विरोधी हरकत में लिप्त हो और इसकी जाँच में प्रमाण मिल रहे हो, तो जरूरी है कि देश की सुरक्षा के मद्देनजर प्रतिबंध की कारवाई की जाए, अब तो पी.एफ.आई. की फंडिंग की जांच प्रवर्तन निदेशालय भी कर रहा है। एक बात पूरे देश में साफ तौर पर नजर आ रहा है कि आंतरिक सुरक्षा में लगातार कोई ना कोई मुद्दा उठाकर हिंसा, प्रदर्शन और देश में अनावश्यक समस्या पैदा करना एक आदत सी हो गई है, प्रजातंत्र में हक है कि गलत पर आवाज अवश्य उठाई जाए, परन्तु इस ताकत को गलत तरीकों से उठाकर

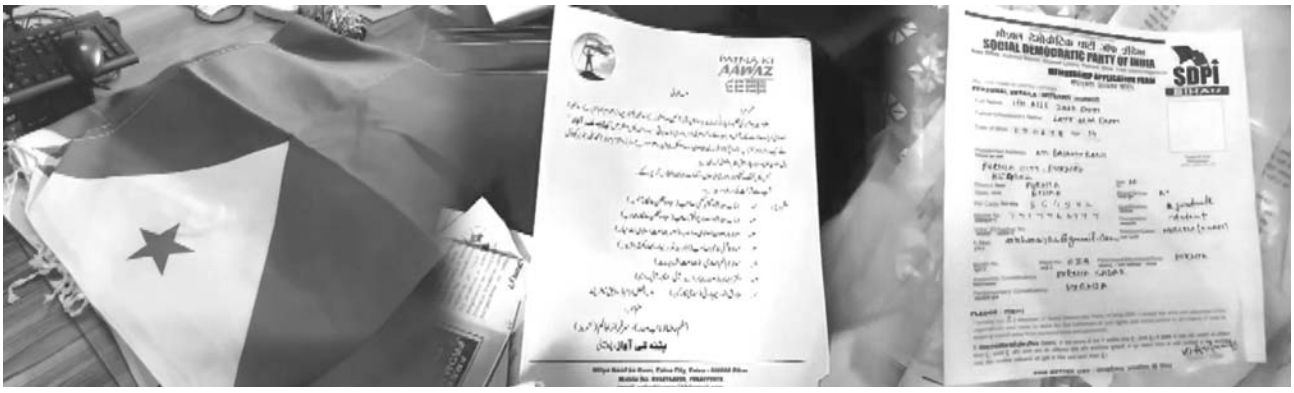

माहौल समाज एवं देश में सही नहीं ठहराया जा सकता। इस संगठन के जांच में इनके कुछ सदस्यों के मोबाइल से नुपूर शर्मा का पता एवं मोबाईल नं. भी मिले हैं जांच में इन आरोपी द्वारा नुपूर शर्मा के घर की रेकी की गई थी। इस बात की पुष्टि भी हुई। एस.डी.पी.आइ. एवं पी.एफ.आइ. की आड़ में संचालित कार्यों में विदेशी फंडिंग की जानकारी आ रही है और यह भी सच साबित हो रहा है कि पी.एफ.आई. अपने आप में बचाव हेतु कई उप संगठन बनाए हैं और अलग-अलग इन संगठनों के माध्यम से लोगों को कट्टरता के नाम पर एकजुट एवं इनका ब्रेनवाश करके देश के खिलाफ लोगों को भड़काने की कवायद जोर-शोर से चल रही है। मदरसे के नाम पर पढ़ाई के बजाए जेहाद की कोशिश, असम से मध्यप्रदेश तक, इसमें बांगलादेशी आतंकी जमात इन मदरसों के साथ-साथ कार्यरत है। हालांकि असम, मध्यप्रदेश, बिहार, तेलंगाना और कई राज्यों में इनके सच की पुष्टि हो चुकी है।

देश की बाहरी सुरक्षा को लेकर पूरी तौर पर सरकार सतर्क है। अब देश की आंतरिक सुरक्षा पर भी आवश्यकता है। देशद्रोहीयों, स्लीपर सेल और विदेशी एजेंटों को जो आई.एस.आई. के द्वारा निर्देशित होते हैं, उनपर कानूनी शिकंजा और इनके वजूद को पक्के तौर पर खत्म करने की जरूरत है। आज भारत की रक्षा और सुरक्षा को सशक्त करने की योजनाबार कार्यक्रम तेजी से आगे बढ़ रही है, स्वावलंबन से सुरक्षा आज देश के लिए गर्व की बात है और इसमें एक नाम डी. आर.डी.ओ. जो लगातार रक्षा प्रणालियां विकसित कर चुका है और लगातार हर क्षेत्र में भारत के सामरिक महाशक्ति बनाने में कार्यरत हैं और देश ही नहीं विदेशों में इस संस्थान की रक्षा उपकरण एवं अस्त्र-शस्त्र को आयात हेतु अग्रेसित है। यही कारण है कि कोई भी देश भारत को आँख दिखाने की कोशिश नहीं कर सकता और भारतीय रक्षा के मजबूती हेतु संस्थानों में जो कार्य हो रहे हैं, उससे देश की क्षमताओं ने चमक एवं धमक नजर आ रहा है, जैसे तेजस का स्वदेशी निर्माण एवं नए वर्जन में मिसाइलों का लगातार परीक्षण आज देश के आधुनिक शस्त्रों से सशक्त हमारी सेना अपने देश के सुरक्षा हेतु पूरी तौर पर अपने आप में आत्मनिर्भर है और अपने निर्मित अग्नि, त्रिशुल आकाश एवं पृथ्वी जैसे मिसाइलों से दुश्मन पर दवाब बनाने में सक्षम भी है इससे सुरक्षित भविष्य के तरफ भारत आगे बढ़ता नजर आ रहा है एवं इन्हीं कारणों से वैश्विक स्तर पर हमारी सैन्य बल की धाक एवं कावलियत का डंका बज रहा है, विश्व में।

हाल के दिनों में बिहार, यूपी और मध्य प्रदेश के तर्ज पर असम, जो की अन्तर्राष्ट्रीय बार्डर बांग्लादेश के साथ सीमा से मिलती है वहाँ पर आतंकी संगठन के लोगों की धड़ पकड़ हो रही है, असम के मोरीगांव जिले में आतंकी मुस्तफा जो बंगलादेश के आतंकी संगठन से जुड़ा होने के सबूत मिले हैं, उसके द्वारा मदरसा संचालित

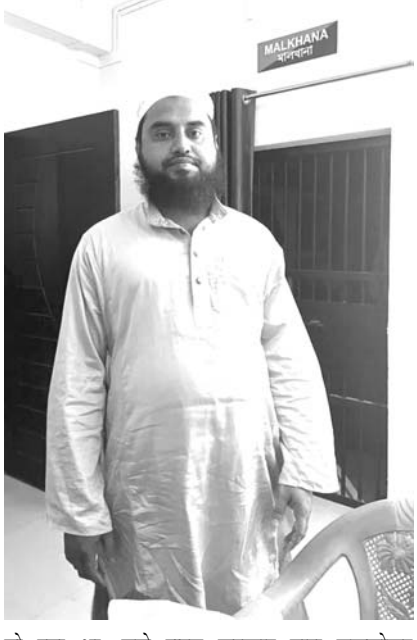

हो रहा था, उसे राज्य सरकार द्वारा बुलडोजर एक्शन से ढहा दी गई। इस राज्य में बड़े पैमाने पर घुसपैठ एवं फर्जी तौर पर बंगलादेशी एवं रोहिंग्या स्थापित हुए है और वहाँ से धीरे-धीरे भारत के विभिन्न भागों में जाकर स्थापित हुए है और आतंकी हरकतों में इनके शामिल भी होने के प्रमाण भी प्राप्त हुए हैं। राज्य में 800 के लगभग मदरसे को बंद कराया गया है, असम कट्टर इस्लामिक संगठनों का अड्डा बन नहीं पाए इसके लिए राज्य सरकार पूरी तौर पर एक्शन में है, राज्य सरकार एवं केन्द्रीय खुफिया तंत्र अर्न्तराष्ट्रीय

सीमा जो असम से मिलता है वहाँ पर क्युआईएस. के साथ जुड़ाव रखने वाले लोगों को खोजबीन एवं उनके अड्डों पर छापामारी अभियान छेड़ रखा है जिससे आंतकी और उनके समर्थकों को अब अपने वजूद एवं अपने लिए असम में रहना मुश्किल सा हो गया है और वहाँ से दूर दूसरे राज्यों में स्थापित एवं जड़ जमाने के लिए कोशिश में लगे हैं, जिस पर देश की सुरक्षा बल तथा सूचना तंत्र पूरी तौर पर सचेत एवं एक्शन में है। सीमावर्ती राज्यों में अब सीमा-सुरक्षा बल घुसपैठ एवं तस्करों के खिलाफ अभियान को लेकर सतर्क हैं।

भारत की सभी सूचना तंत्र की एजेंसियां आजकल मुस्तैदी से कार्यरत हैं। यही कारण है कि अराजकता हिंसा एवं अशांति साथ ही कट्टरता के माध्यम से रणनीति बनाने वाले पाकिस्तान और विदेशी आतंकी संगठनों के सरगना असमंजश में है, पाक एवं अफगानी बेश आतंकवादी संगठनों के भारत में अस्थिरता कायम करना असंभव जैसा है, अलकायदा हो या तालिबान, लश्कर हो या जैश या कोई भी आंतरिक संगठन घुसपैठ की पूरी कोशिश एक.ओ.सी. या पंजाब, राजस्थान, गुजरात के तरफ से सफल नहीं हो पा रहे हैं, सेना अर्द्धसैनिक बल के चौकसी से इनकी दाल नहीं गल रही है। अब वे इसी कारण से नेपाल बंगलादेश के रास्ते की कोशिश में लगे हुए हैं पर खुला बार्डर नेपाल के उपर भी चौकसी बढ़ा दी गई है। अब रॉ भी आरोपी संगठन के माध्यम से विदेशी सूत्र के उपर पूरी तरह से चौकन्ना होकर कार्यरत हैं, बंगलादेश, खाड़ी देशों से जो भी सूत्र मिले हैं, जाँच में उसपर मिलिट्री इन्टेलिजेंस भी कार्यरत हैं और इन सभी साझा जाँच से इन आतंकियों का नेटवर्क को पूरी तौर पर सफाया की प्रक्रिया चालू है। अब जरूरत है कि किसी भी हालत में जाँच को अवरोध राजनीतिक कारणों एवं वोट के स्वार्थ में ना हो, राजनीति को जाँच से दूर रखा जाए, सुरक्षा पर कोई भी कोताही ना हो, तुष्टीकरण एवं धर्म, जाति की कोई बात बाधक ना बने, क्योंकि देश में माहौल एवं छवि को बिगाड़ने के लिए विदेशी ताकतें एवं देश के विद्रोहियों का योजनावार कार्य हो रहे हैं।

अन्तर्राष्ट्रीय खुले बार्डर के कारण नेपाल के रास्ते नापाक इरादों वालों को बिहार, यूपी. के रास्ते मौका ना मिले इसके लिए सीमा पर अधिक से अधिक आवजरवेशन पोस्ट एवं वेरियर साथ ही लगातार ड्रोन एवं पैदल गश्ती को कायम रखा जाए और सीमा से सटे जिलों में गहन रूप से सूचना तंत्र आपसी तालमेल के द्वारा गलत लोगों पर नजर रखे एवं शक की स्थिति में कानूनी प्रक्रिया द्वारा जाँच के घेरे में लेकर कार्यवाही की जाए। राज्य के पुलिस और प्रशासन को आज के इस माहौल में सक्रिय रूप से कार्यवाही करने में तेजी लाने की जरूरत है। निष्पक्ष होकर सख्त एक्शन आज की जरूरत है। देश में बेतुकी बयानों एवं धर्म, जाति के नाम पर राजनीतिक स्वार्थ को पूरा करने के मनसुवे पर शिकंजा कसने की जरूरत है। देश की आज जरूरत है विकास की और विकास के लिए आम लोगों में सुरक्षा की भावना की आवश्यकता है। इन सबके लिए प्रशासनिक अमले को अपने कार्यों में विश्वसनियता अति आवश्यक है, हर को बेहतर सुरक्षा एवं अपने हक को प्राप्त करने हेतु पूरी तौरपर आजादी साथ ही सुविधा हो, जिससे समाज में एक समान सबको न्याय मिले, देश संविधान से

निर्देशित है, नियम एवं कानून के प्रति सभी लोगों को सम्मान प्रदान करना होगा। इसके बावत भी ईमानदारी से नेताओं एवं देश के तंत्र को सचेत होना होगा।

आजकल देश में हर हाथ में तिरंगा, कश्मीर के ऐतिहासिक लाल चौक को तिरंगे के साथ देखने पर लगता था कि लाल चौक अब तिरंगा चौक बन सा गया था। मतलब साफ है देश में अन्तर हो सकता है, परन्तु देश के सुरक्षा और सम्मान के लिए जज्वा के साथ एकजुट है। देश के लिए सबका एक स्नेय सुरक्षा पर कोई समझौता नहीं, किसी भी विदेशी ताकत को हमारे आंतरिक माहौल को खराब नहीं करने देने का संकल्प हमारा विरासत है, हम अपने पूराने पूर्वजों नेताजी, शहीद भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, अब्दुल हमीद को जब-जब याद करेंगे तो देश की मान-सम्मान पर गर्व महसुस करना स्वभाविक है। असम से पंजाब, कन्याकुमारी से काश्मीर तक हम सब भारतीय अपने देश के लिए एकजुट होकर रहेगे यह हर भारतीय को समझ है। यही कारण है आज विश्व में भारत की अपनी अलग पहचान है। दुनिया के बड़े-बड़े क्षेत्रों में उच्चतम पदों पर भारतीय आसीन है हमारे देश के कुशल श्रेणी के लोगों की विदेशों में सम्मान है, कुछ मुट्ठी भर लोग देश में अराजकता, बेतुकी बयानों से माहौल एवं छवि को धुमिल करने के लिए राष्ट्र विरोधी कार्यों में लगे हैं। धर्म जाति कट्टरवाद के नाम पर जो शर्मनाक है, उनपर देश की सुरक्षा बलों एवं सुचना तंत्र की नजर है और उनके कार्यों को पूरी तौर पर रोक लगाने की प्रक्रिया जारी है।

भारत देश का सत्यमेव जयते वाला इतिहास रहा है। हिंसा या खुन-खराबा, कट्टरवाद के रास्ते कोई भी अपने अंजाम तक पहुंच नहीं सकता। भारत का संदेश रहा है-सबका भला हो, सबको अपनापन और प्यार भाव का मार्ग से आगे बढ़ने का मौका हो, परन्तु विश्व में कुछ ऐसे संगठन है जो भारत के प्रति नापाक सोच से देश में धार्मिक आधार पर तोड़ना चाहते हैं इनके मंसुवे को धाराशायी करने के लिए हम, सब भारतीय को अपने आप में ईमानदार एवं देश के प्रति फौजी जैसा समर्पित होने की जरूरत है। इजरायल आज विश्व में इसी तरह का उदाहरण प्रस्तुत करके हर क्षेत्र में उचाईयाँ को छू रहा है। आजकल किसी एक बयान के कारण एक समुदाय के लोगों को चुनकर हत्याएं, गलत उदाहरण का ही रूप है। मनुष्य की सबसे बड़ी कमजोरी अहम है और आजकल समाज में गलतफहमी सी हो गई है कि झुकने से लोग छोटा और कमजोर समझकर हर तरह से उपेक्षा के नजर से देखेंगे। परन्तु सच यह नहीं है बल्कि झुकने और सहनशील होने से कोई भी समुदाय व्यक्ति और मजबूत ही होता है। फल से लदी हुई डाल हमेशा झुकी रहती है, हमारे महाभारत में राजकुमार दुर्योधन अपनी अकड़ एवं अपने आप में ताकतवर बनने की सोच और दिखावा के कारण स्थापित नहीं हो सका। यही आज हमारे विश्व में हालात है। धर्म, देश और अपने आप में अपना स्वार्थ का उदाहरण युक्रेन और रूस की महायुद्ध और अब ताइबान एवं चीन की तनातनी मुख्य कारण है।

अमेरिका की स्पीकर नैन्सी पेलोसी की ताइवान यात्रा से चीन काफी आक्रोश में है, चीन 4 दिनों का सैनिक अभ्यास ताइवान के नजदीक उत्तर पूर्वी क्षेत्र में शुरू करके ताइवान के उपर पानी में कई वैलिस्टक मिसाइल दागी है अपने डांगफेंग मिसाइल की लाइव फायर से पूरी तौर पर विश्व में अपना दबदबा बनाने की कोशिश में है। चीन का इस्टर्न थियेटर कमाण्ड नियोजित अभ्यास के बहाने ताइवान के साथ अमेरिका को अपने सामरिक ताकत का एहसास कराने के प्रयास में है। चीन का साफ कहना है कि चीन का एक प्रांत है ताइवान, परन्तु ताइवान इस बात को एकदम मानने को तैयार नहीं है। विश्व के 15 देशों द्वारा समुद्र के बीच इस टापुनुमा को स्वतंत्र देश की मान्यता दे चुका है। अमेरिका की नैन्सी पेलोसी स्पीकर का साफ संदेश, अमेरिका ताइवान के हर मौके पर साथ देगा और लोकतत्र को बनाए रखने के लिए पूरी मदद करेगा। किसी भी तरह का आक्रमण पर साथ देगा, इसका संधि कर चुका है। चीन ने नैन्सी पर और उनके परिवार पर ताइवान के यात्रा के उपर पूरी तोर पर प्रतिबंध की घोषणा किया, चीन चारो तरफ से 6 जगहों पर घेराबन्दी सामरिक तौर पर सैनिक अभ्यास का रूप दिया है, जिससे दुनिया में चीन के ताकत को लोग समझे पर अमेरिका भी अपने जंगी पोत रोनाल्ड रीगन एवं दो और युद्धपोत और लड़ाकू विमान से ताइवान को समर्थन प्रदान की है।

एक बात विश्व को जानकारी हो गई है कि चीन अपने आर्थिक, कुटनीतिक एवं सामरिक फायदे

के लिए कुछ भी कर सकता है। विस्तारवाद में दो कदम आगे और पिछे एक कदम चलकर अपने चालबाजी की आदत को छोड़ नहीं सकता। इसके धुर्तता श्रीलंका और छोटे देशों को अब समझ में आ रहा है। भारत के साथ इसकी बेईमानी एवं चालाकी का प्रमाण 1962 और गलवान के दौरान साथ ही पहले कई एल.ए.सी. पर देखने को मिलता रहा है। हाल में उत्तराखंड के इलाके में और अरूणाचल में भी इसकी सामरिक तैयारियां एवं सीमा के नजदीक लोगों को बसाने की रणनीति उदाहरण है। विश्व के लिए यदि देखा जाए तो चीन के नीतिगत निर्णयों में चाहे वह आर्थिक हो या व्यापारिक या सामरिक इस सदी में सबसे खतरनाक है, कई देश के राजनेताओं के स्पष्ट बयान इस बावत ब्यानों के आधार पर माना जा सकता है कि चीन विश्व की सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा है, तीन बार चीन ताइवान पर 1949 से हमला कर चुका है और युद्ध विराम भी चीन द्वारा ही हुआ है। अब जापान से भी टकराहट की कोशिश में है। कारण है कि हिंद प्रशांत महासागर में अपने प्रभुत्व को कायम रखना अर्थात समुद्र में दादागिरी हालांकि क्वाड के माध्यम से इसके दादागिरी पर रोक लगाने की प्रयास रंग ला रही है, जिससे यह चीन गुस्से में है।

चीन ताइवान के जल के भीतर समुद्री इलाके में आजतक का सबसे खतरनाक लाइव ड्रील और अभ्यास पूरी तौर पर लड़ाई के समान वातावरा में प्रारम्भ किया है, उम्मीद की जा रही थी कि अमेरिका के स्पीकर नैन्सी के वापसी के तुरन्त बाद चीन अपने एक्शन को अंजाम अवश्य देगा क्योंकि विश्व में चीन की साख गिरी लगतार अमेरिका को धमकी दे रहा था। स्पीकर नैन्सी की यात्रा पर रोक लगाने को परन्तु अमेरिका ने अपने सुरक्षात्मक घेरेबन्दी में अपने स्पीकर को ताइपेन में पहुँचा दिया और चीन के कड़े प्रतिबंध के बावजूद अपनी सोची समझी रणनीति से अपने कुटनीतिक चाल को कामयाब भी किया, यही कारण है कि चीन अपने युद्धपोत, टैंक, आधुनिक मिसाइल का सामरिक अभ्यास जारी किया। चीन ने 11 डौंगफेंग वैलिस्टी मिसाइलें दागी, शुरू में ही 22 लड़ाकू विमान भी चीन ने ताइवान के उपर उड़ान भरकर चेतावनी भी दिया अपने ताकत का एहसास कराने की कोशिश, शुरू से ही ताइवान को चीन अपना प्रांत बताता है एवं किसी भी देश के नेताओं के यात्रा पर विरोध दर्ज कराता रहा है। यही हाल भारत में अरूणाचल के किसी दौरे पर किसी अहमित वाले नेता या सरकारी

कार्यक्रम पर किया करता है, क्योंकि चीन अरूणाचल प्रदेश को अपना क्षेत्र बताता है। चीन की यह आदत उसकी विरासत है।

सैनिक अभ्यास चीन का बहुत ही खतरनाक संदेश विश्व को दे रहा है क्योंकि ताइवान के लगभग कुछ ही किलोमीटर की दूरी पर अपने युद्धपोतों को तैनात किया है। ताइवान के तटों के नजदीक होने का मकसद चीन का नीतिगत सोच, दिखावा कभी भी ताइवान पर कब्जा कर परन्तु यह भी बात समझने का है। ताइवान पर कब्जा करना चीन को बहुत मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। समुद्री लाइव में विनाश की जा सकती है पर समुद्र में आगे बढ़ना और जमीनी कब्जा में जबरदस्त कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। अमेरिका के युद्धवाहक पोत का पूरी सुरक्षा कवच एवं मजबूत संचार प्रणाली हर सूचनाओं से लगातार बाकीफ हो रहा है। ताइवान के राष्ट्रपति ने कहा है हम चीन के साथ सामरिक विवाद नहीं बढ़ाना चाहते पर चीन हमारे बावत सुचनाएं इकट्ठे कर रहा है जो हमें जानकारी है, और हम हर मौके पर तैयार है चीन के किसी हमले पर, हम हर मौके पर तैयार हैं। चीन के किसी भी तरह की हमले से निपटने के लिए रक्षा मंत्रालय ने पूरी तौर पर अपने सैन्य कार्यवाही के लिए एलर्ट कर चुका है। ताइवान के विदेश मंत्रालय से यही संदेश दिए जा रहे हैं, जर्मनी, जापान, साउथ कोरिया, इंगलैंड भी साथ है। आस्ट्रेलिया भी साथ का समर्थन दे रहा है।

चीन ताइवान से अधिक शक्तिशाली है। 10 युद्धपोत 100 लड़ाकू विमान के साथ घेराबन्दी खतरनाक साबित हो सकता है, पर चीन ताकत का एहसास अवश्य करा रहा है पर लड़ाई में बदलने का हालात नहीं है। ऐसा रक्षा जानकारों का कहना है, कारण कई है पर ताइवान को भी यह बात समझ में है कि युक्रेन में नाटो या अमेरिका के विश्ववसनियता का संदेश, ताइवान भी अपने आप में एक स्वतंत्र राज्य के सोच को रखता है पर इसके लिए इस वक्त चीन से लड़ाकू के हालात को नहीं बनाएगा यही कारण है कि अपने बयानों में विवाद को नहीं बढ़ाने के पक्ष में संदेश दिए जा रहे हैं, सच यह भी है कि नैन्सी की यात्रा ताइवान में अमेरिका की एक कुटनीतिक चाल थी और इसमें साफ तौर पर चीन पर दबाव बनाने में अमेरिका सफल भी हुआ, हाल के दिनों में अफगानिस्तान के काबूल में अलकायदा के प्रमुख आल जवाहरी को मारने में सफल और 9/11 का बदला भी लिया एवं विश्व में अपने सूचना तंत्र की और अपने हथियारों, ड्रोन एवं मिसाइल के ताकत का लोहा मनवाने की कोशिश

भी किया। सब का मकसद अमेरिका दुनिया में अपने आप को सबसे शक्तिशाली दिखाने की कोशश में सफल भी रहा, विश्व में एक और महायुद्ध ना हो यही बेहतर होगा, क्योंकि मोदी के दौर में आज शांति की जरूरत भी है।

भारत के लिए आज अपने को विश्व में एक मार्ग को प्रशस्त करने होंगे क्योंकि विश्व में भारत का मान सम्मान और ताकत को उम्मीदों के नजर से देखा जा रहा है। युक्रेन एवं रूस का महायुद्ध हो या अब ताइवान चीन का विवाद, विश्व में अमेरिका, रूस, चीन सबको अपने आप में महत्वपूर्ण स्थान की प्राप्ति की चाहत है। सभी अपने आप में महाशक्ति एवं अपने आर्थिक मजबूती के स्वार्थ में अपने-अपने चालों को लेकर कार्यरत है। इस बात का भारत को अभास है और यही कारण है कि लगातार महाशक्तियों के प्रयास के बावजूद भारत अपने कूटनीतिक निर्णयों को स्पष्ट रूप से स्वतंत्र होकर लेता है और किसी के दबाव में नहीं आता है और हर विश्व के देश और महाशक्ति को यकिन हो चुका है और भारत के लिए यह सम्मानजनक स्थिति को कायम भी रखता है। ताइवान से भी हमारा काफी कुछ व्यापारिक आयात-निर्यात की हालात है और चीन के साथ भी, विश्व में ई व्यापारिक और सामरिक हालात को सही रखने के लिए एक-दूसरे देशों के साथ मौके के तहत समझौते एवं संवाद से निर्णय तक पहुँच जाते हैं पर सभी हालातों में देश की सुरक्षा एवं देश की मान सम्मन पर सतर्क होना आवयक होता है। इस समय भारत के देश एवं रक्षा मंत्रालय बहुत गंभीरता से माहौल पर नजर रखी हुई है और समय-समय पर जरूरत के अनुसार निर्णय भी लिए जाएगें क्योंकि विश्व ताइवान चीन विवाद पर दो खेमों में बंटने लगी है, भारत का पक्ष क्या होगा इसकी उत्सुकता से इंतजार होना तय है पर भारत अपने समझ एवं सही मार्ग पर खड़ा रहने का आदी है जो भी निर्णय लेगा वह निष्पक्ष होगा। इसमें कोई शक नहीं है। भारत देश में राष्ट्रविरोधी तत्वों के साजिश पर सभी मोर्चों पर एक्शन में है, उसी तरह से आतंकवाद के खिलाफ हाल के दिनों में ताशकंद में आयोजित एशियान सम्मेलन में विदेश मंत्री श्री एस.जयशंकर ने जीरो टालरेंस की नीति पर जोर दिया एवं युक्रेन रूस का महायुद्ध के बावत खाद्य संकट, उज्र संकट को समाधान हेतु जल्द समाधान के लिए निर्णय एवं नीतिगत फैसले के लिए भी जोर देकर दूसरे सदस्य देशों से आग्रह किया। विश्व में आतंकवाद और जरूरी वस्तुओं की कमी न पर सभी का सोच निर्णायक होना चाहिए, विश्व के लिए आतंकवाद एक कोढ़ की बिमारी जैसी है। धार्मिक कट्टरता एवं अपने-अपने सोच से दूरी बनाना आज की विश्व की जरूरत है, एक बात जानकारी जो दुनिया को आ रही है कि महायुद्ध के बाद भी युक्रेन एवं रूस ने खाद्यान्न संकट को दूर करने के लिए समझौता किया जो दुनिया के लिए राहत की बात है। युक्रेन के गोदामों में भरा हुआ गेहूँ एवं मक्का जरूरतमंद लोगों को मिल पाएगा, काला सागर से युक्रेन से सुरक्षित तौर पर निकाली जाएगी। यु.एन.ओ. के मध्यस्थता से यह निर्णय दोनों देशों द्वारा ली गई जो कि काबिले तारीफ समझौता है, उम्मीद है महायुद्ध की समाप्ति हो जाए बातचीत से जिससे पूरी विश्व में राहत मिले। हर क्षेत्र में, विश्व में आज शांति और सुरक्षा की आवश्यकता है। यही सोच आतंकवाद को खात्मा के लिए हो, अफगानिस्तान के तत्कालीन सरकार के घोषणा की उनकी जमीन पर किसी आतंकी संगठन को नापाक हरकत का मौका नहीं मिलेगी। परन्तु हाल के दिनों में अलकायदा के प्रमुख का मारा जाना और संगठनों के उनके जमीन पर कार्यरत होने का प्रमाण है। आई.एस. आइ.एस. के मैगजीन में भारत विरोधी एवं भारतीय नेताओं एवं एक समुदाय विशेष को नुकसान का संदेश केवल भारत के लिए ही न हीं पूरी विश्व के लिए खतरनाक साबित होगा, जरूरी है कि ताइवान चीन या युक्रेन रूप के विवाद को बातचीत करके शांति का मार्ग प्रशस्त हो। विश्व में ऐसी माहौल बने कि लोग शांति के साथ अपने-अपने विकास के आयाम की शुरूआत करें और विश्व में एक नए माहौल से बेहतर वातावरण तैयार हो। काफी दिनों से युक्रेन रूस के महायुद्ध के कारण कई तरह के समस्या विश्व को झेलने पड़ रहे हैं। हर वक्त परमाणु युद्ध की चर्चा होती है, लोगों में दहशत और सुरक्षा की भावना में कमी होती है और इसकी असर आर्थिक विकास पर लगभग सभी देशों को असर डालता है। भारत की अपनी-पुरानी सोच पूरा विश्व में भाईचारा और आपस में प्रेमभाव का सोच को पूरा करने के लिए हिंसा का त्याग और सबका साथ आज की जरूरत है।

भारत महान देश है, विश्व में आजादी एवं क्षेत्रफल के लिहाज से भी, साथ ही साथ अपनी कार्य क्षमता के आधार पर भारत ऋषि-मुनियों की भूमि एक रहस्मय देश भी है इस देश की सबसे खास समय के साथ अपने आप को ढाल लेने की प्रवृति, एक बात पूरी दुनिया को समझ में है कि जल्दी-जल्दी तरक्की की सीढ़ियाँ चढ़ रहा है, पुरानी सभ्यता और प्राचीन संस्कृति का धनी है। शांति प्रिय देश होना विश्व में इसका सम्मान का कारण है। हालाँकि मैत्री संबंध हर देश से बनाए रखना भारत की विरासत है, कोई भी देश विपदा में आता हो उसको सहायता के लिए तैयार रहने की विरासत है। हाल के दिनों में श्रीलंका हो या मौके पर युक्रेन या कोई भी देश रहा हो। निस्वार्थ मदद के लिए खड़ा रहना भारत का इतिहास है जो हमें गौरवान्वित करता है। यही कारण है कि श्रीलंका हो या कोई देश जरूरत पर भारत का नीति सकारात्मक तौर पर मदद की होती है, पड़ोसी राज्य श्रीलंका जब आर्थिक संकट से गुजर रहा था। 9 मई को प्रदर्शनकारियों द्वारा बगावत का बिगुल बजा रहे थे तब भारत के तरफ से 3.8 विलियन डालर की मदद की

श्रीलंका ने शुक्रिया कहा भारत के मदद पर अब युक्रेन में भी जरूरत के अनुसार मदद की पहल की अब यदि समय और जरूरत होगी तो पूर्व एशिया के द्विप के लिए तैयार होगा। भारत हमेशा नेपाल हो या बंगलादेश इनके सहायता के लिए तत्पर रहता है। भारत की आतंकवादी के खिलाफ विदेशी नीति को दुनिया फॉलो कर रही है। भारत आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा के लिए सभी उपाय करने के लिए मजबूती और दक्षता से प्रतिबद्ध है, यही कारण है भारत सीमा पर आतंकवाद और आतंकवादी घुसपैठ के लिए पाकिस्तान के समर्थन के लिए मुद्दा पर चर्चा एवं इस बावत लगातार द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और बहुपक्षीय मंचों पर और संयुक्त राष्ट्रसंघ के मंच पर जोर शोर से उठाता रहता है। विश्व को सजग करता रहता है। दुनिया को भारत सीमा पार आतंकवाद को समाप्ति हेतु पाक से सामान्य संबंध प्रयासरत रहता है पर सच है कि पाकिस्तान आतंकवाद का पनाहगाह बना हुआ है। पाक अभी तक 26/11 मुम्बई, आतंकी हमले के परिवारों को न्याय दिलाने में कोई भी साथ नहीं दिया, भारत के लगातार आग्रह के बावजूद आतंकवादियों को शरण दे रहा है, जिसका प्रमाण पूरी तौर पर पाक को भारत द्वारा दिए जाते हैं। बिना भेदभाव का आतंकवाद के बारे में सख्त रवैया अपनाने होगे। भारत द्वारा लगातार इस संदेश को हर मंच से स्पष्ट रूप से कही जाती है। यू.एन. में भी भारत ने विश्व को कई बार चेताया। आतंकवाद पर दोहरा रवैया ना हो और दुनिया को भारत पर भरोसा विश्व का बढ़ा है। आज बाहरी और देश में आंतरिक सुरक्षा पर सख्त, सतर्क सरकार एवं आम जनता के लिए आवश्यक है। भारत देश महान है। इस पर हम सब भारतीयों का समान हक है।

भारत में राष्ट्रीय जाँच एजेंसी (एन.आई.ए) के द्वारा अलकायदा, बब्बर खालसा, लश्कर और जैश सहित 36 से अधिक संगठनों को प्रतिबंधित सूची में डाला है और पंजाब में कुछ आतंकी संगठन जिसमें बब्बर खालसा इंटरनेशनल, खालीस्तानी कमांडो फोर्स और इंटरनेशनल सिख यूथ फेडरेशन के नाम भी शामिल किया है। इन सभी का उद्देश्य केवल भारत के अन्दर दहशत फैलाना है। हालांकि कई संगठन लगभग निष्क्रिय हालात में है, और कुछ नए-नए नामों से अपने वजूद को कायम रखने के लिए विशेषकर कुछ राज्यों में छिटपुट हरकतों में गतिविधियों को अंजाम देने की कोशिश में है। जैश-ए-मुहम्मद जैसे आतंकवादी संगठन का एकमात्र सोच भारत से कश्मीर को अलग करना है इनका अमेरिका एवं पश्चिमी देशों के खिलाफ भी कार्यो का सोच रहता है। मसूद अजहर 2000 में इस संगठन को स्थापित किया था, भारत में कई आतंकवादी हमलों में जिम्मेदार माना जाता है और यह भी बात पक्की हुई थी। जाँच के बाद यह संगठन लश्कर के साथ मिलकर संसद 2001 में आत्मघाती हमले का अंजाम दिया था। लश्कर तैयबा दक्षिण एशियन के सबसे बड़े आतंकी संगठनों में एक है। हाफिज मुहम्मद सईद ने इसकी स्थापना अफगानिस्तान में किया था। पहले इसका उद्देश्य अफगानिस्तान से सोवियत सेना को बाहर करना था। बाद में मुख्य रूप से कश्मीर में दहशत एवं भारत से कश्मीर को पूरी तौर पर अलग करने का था। 1980 में स्थापना के बाद समूचे दक्षिण एशिया को कट्टरपंथी बनाकर कट्टरवाद का आतंक फैलाने की मुहिम में प्रयासरत हैं।

आजकल फिर से नेपाल एवं बांग्लादेश के रास्ते पूर्वोत्तर में कुछ संगठन एक्टीव हुए है एन.डी.एफ.वी के एल.एन.एल.एफ. गोरखा टाईगर्स फोर्स, हरकत उल मुजाहिदिन, हरकत उल जेहाद, जे.एम.बी., म्यामार में सक्रिय संगठन काहिन रेवेल्स जैसे भी भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में मणिपुर, नागालैण्ड में हरकत की कोशिश करते रहते हैं पर सुरक्षा बलों के दबाव से और ऑपरेशन से लगभग लाचार है। फिर भी म्यामार और बांग्लादेश में सक्रिय है। जहाँ उग्रवादियों को ट्रेनिंग दी जाती है जो मौका देखकर भारत में घुसपैठ की कोशिश करके माहौल को खराब करने के ताक में रहते हैं, सूचना तंत्र एवं वी.एस.एफ. के मदद से सेना ने मणिपुर में और असम रायफल्स असम में और नागालैण्ड, मिजोरम और त्रिपुरा में लगातार कार्यवाही कर रही है। भारतीय सेना ने ऑपरेशन बजरंग शुरू किया था। पाक की आई.एस.आई. और यह भी जानकारी प्राप्त हुई है कि पूर्वोत्तर में कुछ आतंकवादी संगठनों को बांग्लादेशी खुफिया विंग डी.जी.एफ. आई. से भी इन्हें मदद मिलती है। असम में उल्फा को लगभग सुरक्षा बलों एवं राजनीतिक नीतिगत दबाव से खत्म करने की कोशिश की गई है। परन्तु इनका माओवादी विचारधारा के कारण इनके साथ नक्सली और देश विरोधी तत्वों का साथ मिलता रहता है। इन सभी आतंकवादी संगठनों पर सुरक्षा बलों द्वारा लगातार चौकसी का परिणाम है कि इनके एक्शन में काफी कमी आई है पर पूरे देश को इनके खिलाफ सजग रहना अति आवश्यक है।

भारत लोकतंत्र के लिए उदाहरण है, विश्व में सबसे बड़ा प्रजातांत्रिक प्रणाली का सम्मान वाला महान देश है पर आजकल बोलने और धरना-प्रदर्शन के नाम पर अजीवोगरीब देश के हालात बनते नजर आ रहे हैं। हाल के दिनों में धर्म के नाम पर अनावश्यक नीतिगत सरकार के निर्णयों पर जबर्दस्ती बाधा पहुँचाने के कई उदाहरण है, हाल के दिनों में बेतुकी बयानवाजी और सड़कों पर भीड़ तंत्र की अराजकता देश को सरकारी संपति का नुकसान किया, जिसकी भरपाई हम सभी आम लोगों को ही करना होगा, सरकार किसी की भी हो कोई राजनीतिक दल सत्ता में हो या विपक्ष में यह सच्चाई है हमारा धन ही देश को विकास में शामिल रहता है। राजनीतिक स्वार्थ आजकल पराकाष्ठा पर है और इसमें परिवारवाद क्षेत्रवाद, धर्म के नाम पर भड़काने वाली बयानवाजी, हरकतें देश के लिए अत्यंत दुखद है, जिसके परिणाम भारत के विकास पर पड़ना तय है। हाल के अग्निपथ योजना के खिलाफ ट्रेन में आगजनी इंटेलिजेंस इनपुट से साफ हुआ है कि इसमें नक्सलियों का हाथ था। बहुआत नक्सली भरदुल के पकड़े जाने पर इसकी पुष्टि हुई है। छात्रों को भड़काने में कुछ बुद्धिजीवि भी शामिल पाए गए हैं, जिनका मकसद अपने विचारधारा को सत्ता पर काबिज होना होता है। आजकल लोकतंत्र की दुहाई देकर सड़क से संसद तक केवल प्रदर्शन धरना का चलन है। हर राजनीतिक दल अपने तर्क से सही साबित करने में लगा है। भ्रष्टाचार पर ई.डी. जाँच पर आवाजें उठाई जा रही है। लोकतंत्र में जाँच प्रक्रिया अवश्य हो निष्पक्ष हो, सरकारी एजेंसियों पर सवाल नहीं उठाई जाए देश में इसकी जरूरत है। अवश्यक है कि कोई भी जाँच निष्पक्ष और सच के साथ हो। ●

(लेखक बी.एस.एफ. के पूर्व अधिकारी हैं।)

करोड़ों की चोरी के मामले में आरोपी गिरफ्तारी

● ओम प्रकाश

राजधानी राँची के अरगोड़ा थाना क्षेत्र स्थित सीएमएस कंपनी बैंक के एटीएम में पैसा डालने का काम करती है। इस कंपनी के द्वारा बीते 17 जुलाई को अपने कर्मचारी अमित कुमार मांझी और सुभाष चेल के खिलाफ एटीएम में डालने के लिए प्राप्त रुपए में से 1.81 करोड़ रुपया चोरी करने का मामला दर्ज कराया गया था। मामला दर्ज होते ही जांच में जुटी पुलिस और त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। बताया जाता है कि मुख्य आरोपी अमित और सुभाष के द्वारा चोरी किए गए 1.81 करोड़ रूपया में से 60 लाख रुपया अतुल शर्मा को सट्टा खेलने के लिए दिया गया था। इस मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अतुल शर्मा और सनोज कुमार को भी गिरफ्तार किया है। इनके पास से एटीएम से चुराए पांच लाख और सट्टा में लगाए 1.55 लाख रुपए बरामद किए गए है। गिरफ्तार सनोज के द्वारा बताया गया कि दिल्ली का एक आदमी सट्टा का मुख्य संचालक है। जिससे वह संपर्क करता था,लेकिन सट्टा का मुख्य बुकी दुबई में रहता है। सनोज ठाकुर और अन्य के खिलाफ सट्टा में लगाए गए बरामद रूपय और जप्त मोबाइल के संबंध में अलग से प्राथमिकी दर्ज की गई है। इसी बीच एटीएम से रुपया चोरी की घटना में शामिल मुख्य दोनों आरोपी के खिलाफ राज्य से बाहर भी छापेमारी की जा रही थी। लगातार छापेमारी करने के कारण पुलिस को मिलती है बड़ी सफलता और मामले में दोनों मुख्य आरोपी को बिहार से गिरफ्तार कर लिया जाता है। रांची के एसएसपी कौशल किशोर के निर्देश पर बनी टीम ने कार्रवाई करते हुए इस घटना में शामिल दोनों मुख्य आरोपी अमित मांझी और सुभाष चेल को गिरफ्तार किया है। टीम में अरोड़ा थाना प्रभारी विनोद कुमार, संजय कुमार यादव, रोहित कुमार, एवं सुमित कुमार शामिल थे।

आरोपी अमित कुमार मांझी उर्फ राज और सुभाष जेल उर्फ शांतनु के पास से पुलिस ने 64.24 लाख रुपये बरामद किया है। घटना की जानकारी देते हुए सिटी एसपी अंशुमन कुमार ने बताया कि आरोपी घटना को अंजाम देने के बाद लगातार अपना ठिकाना बदल रहे थे। इस दौरान बिहार के समस्तीपुर बंगाल के बांकुड़ा सहित कई जगहों पर पुलिस की टीम इन्हे गिरफ्तार करने पहुंची हालांकि आरोपी भनक लगते ही अपना ठिकाना बदल लेते थे। जानकारी के लिए बता दें कि घटना को अंजाम देने के बाद रांची से भागने से पहले सीएमएस के कर्मचारी अमित कुमार मांझी और सुभाष चेल द्वारा एटीएम के चुराए गए 1.81 करोड़ रुपये में से 60 लाख रुपये अतुल शर्मा को सट्टा खेलने के लिये दिया गया था। गिरफ्तार आरोपी सनोज ठाकुर द्वारा पुलिस को बताया गया दिल्ली के एक आदमी इसका मुख्य संचालक है जिससे वह संपर्क करता था लेकिन सट्टा का मुख्य बुकी दुबई में रहता है। पुलिस ने अतुल शर्मा और सनोज ठाकुर को पिछले दिनों गिरफ्तार कर लिया उनके पास से नगदी सहित कई सामान बरामद किए गए। पुलिस अब मामले में अलग से सट्टा खिलाने को लेकर प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

☞ **सीएमएस के कर्मी काफी समय से कर रहे थे एटीएम से रुपये की चोरी :-** सीएमएस कंपनी के कर्मचारी अमित कुमार मांझी और सुभाष चेल काफी समय से एटीएम के पैसे की चोरी कर रहे थे। आरोपी सट्टा खिलाने के लिए पांच दस लाख रुपये की चोरी कर अतुल शर्मा को देते थे। अतुल शर्मा रुपये को सट्टा में लगाता था। अतुल शर्मा सुभाष चेल का नजदीकी दोस्त है।

☞ **ऑडिट रिपोर्ट में हुआ था खुलासा :-** एटीएम में कैश डालने वाली एजेंसी सीएमएस के कर्मी द्वारा 1. 72 लाख रुपये की चोरी का खुलासा उस वक्त हुआ जब अमित कुमार मांझी ओर सुभाष चेल फरार हो गए। सीएमएस कंपनी की तीन दिन की ऑडिट रिपोर्ट में चोरी का खुलासा हुआ। मामले में सीएमएस इंफो सिस्टम लिमिटेड कंपनी के रीजनल ऑपरेशन मैनेजर इंद्रनील सेन ने कस्टोडियन अमित कुमार मांझी, सुभाष चेल और ब्रांच मैनेजर अभिजीत कुमार पांडेय के खिलाफ थाने में प्राथमिकी दर्ज करायी।रीजनल मैनेजर ने बताया कि कंपनी सरकारी एवं गैर सरकारी बैंको से राशि प्राप्त कर विभिन्न एटीएम में डालने का काम करती है। रांची के 36 एटीएम में अमित कुमार मांझी और सुभाष चेल को राशि डालने के लिए कस्टोडियन बनाया गया था। लेकिन उन्होंने बैंक से पैसे उठाकर एटीएम में डाले ही नहीं। जिन्हें पैसे रखने की जिम्मेदारी दी गई,वही पैसे लेकर फरार हो गए। बीते 14 जुलाई को दोनों आरोपी कार्यालय नहीं पहुंचे। दोनों से जब संपर्क किया गया तो उनका मोबाइल स्विच ऑफ मिला। उनके परिवार वालो ने भी कहा नहीं पता की दोनो कहा है। जब रूट नंबर एक के सभी एटीएम का ऑडिट शुरू हुआ तो पता चला कि 25 एटीएम में डालने के लिए मिले 1.81 करोड़ रुपए का गबन हुआ है।●

ए.के.-47 की गोली सहित नगद बरामद, दो गिरफ्तार

● ओम प्रकाश

राजधानी रांची की सदर पुलिस ने भारी मात्रा में एके-47 की गोलियां और दो लाख नगद बरामद किया है। बीआईटी ओपी क्षेत्र स्थित होंबई गांव से एके-47 की 295 गोली के साथ 2 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार अपराधियों का नाम इश्वरी पांडे और प्रितम मिश्रा है। इश्वरी पांडे बिहार के गया जिला स्थित अमरा का रहने वाला है। जबकि प्रितम मिश्रा बाराचट्टी का रहने वाला है। बीआईटी ओपी क्षेत्र स्थित होंबई गांव में प्रितम की बहन का घर हैं जहां वह अपने साथी इश्वरी के साथ शरण लिए हुए था। गिरफ्तार अपराधियों के पास से पुलिस ने एके-47 की 295 गोली, तीन मोबाइल , एक बाइक और नगद - 2 लाख बरामद किया गया है।

पुलिस की पूछताछ में गिरफ्तार दोनों आरोपियों ने बताया है कि बिहार के भोजपुर जिला स्थित शाहपुर निवासी जयपुकार रॉय से ही विकास रॉय ने एके-47 की काफी मात्रा में गोली लिया था। विकास ने ही एके-47 की 295 गोली देकर एक युवक को रांची भेजा था। उक्त युवक से दोनों ने पिस्का मोड़ के समीप जाकर गोली लिया था और बाइक से बीआईटी स्थित होंबई पहुंचा था। होंबई से गोली लेकर रविवार के दिन लोहरदगा स्थित जंगल में जाना था जहां पटना निवासी रवि नामक युवक पहले से ही मौजूद था। गोली से भरा बैग रवि को देकर वापस लौट जाना था। इसके बाद रवि गोली नक्सलियों तक पहुंचाता। हालांकि इससे पहले ही दोनों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की पूछताछ में गिरफ्तार दोनों अपराधियों ने यह भी बताया है कि सरगना विकास बिहार के भोजपुर जिला स्थित शाहपुर निवासी जयपुकार रॉय का शागिर्द रह चुका है। दोनों मिलकर ही गोली का अवैध तस्करी किया करते थे। जयपुकार रॉय बीएसएफ का जवान रह चुका है। वह विभाग से पुलिस की ही गोली चुराकर नक्सलियों तक भेजवाता था जिसकी जानकारी मिलने के बाद उसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। प्राथमिकी दर्ज होते ही वह विभाग छोड़कर भाग गया था। वर्तमान में जयपुकार विभाग की ओर से भगोड़ा घोषित है। फिलहाल पुलिस गिरफ्तार दोनों आरोपियों से लगातार पूछताछ कर रही है और गिरोह में शामिल अन्य तस्करों के बारे में जानकारी जुटाने का प्रयास कर रही है।

पुलिस ने जो एके-47 की गोली बरामद की है उनमें 80 गोली में जंग लगा हुआ है। वहीं 115 गोली पूरी तरह से चमक रही है। जंग लगी गोली मिलने के बाद आशंका जताई जा रही है कि पुलिस से बचने के लिए किसी सुनसान जगह पर गोली को मिट्टी में गाड़कर छुपाया गया होगा। काफी दिनों के बाद मिट्टी से बाहर निकाले जाने की वजह से गोली में जंग लग गया होगा। वहीं चमक रहे 115 गोलियों को देखकर आशंका जताई जा रही है कि इनको हाल के दिनों में लाया गया है। फिलहाल पुलिस इस बात की जानकारी जुटाने का प्रयास कर रही है कि सभी गोली कहां से लाया गया है। पकड़ा गया अपराधी प्रितम मिश्रा को भगवान में खूब आस्था है, यही वजह है कि दिन की शुरूआत वह पूजा-पाठ के साथ करता है। भगवान की पूजा किए बगैर वह अपने घर से कहीं बाहर नहीं निकलता है। इश्वरी पांडे लगातार उसे घर से जल्द निकलने की बात कहते हुए लोहरदगा चलने को कह रहा था। हालांकि प्रितम बिना पूजा-पाठ किए घर से निकलने को तैयार नहीं था। ऐसे में दोनों अपराधियों को होंबई स्थित घर में देर हुई और वहां पुलिस पहुंच गई। पुलिस जब आरोपी प्रितम के घर में छापेमारी करने पहुंची तो वह पूजा करने के लिए आसन पर बैठा हुआ था। पुलिस ने इसे गिरफ्तार कर घर की तलाशी ली तो एक बैग में रखा गोली और नगद बरामद हुआ। पुलिस पहुंचने में अगर 10 मिनट भी देर करती तो दोनों अपराधी घर से फरार हो जाते। गोली तस्कर गिरोह का सरगना जयपुकार रॉय का आखिरी पोस्टिंग अगरतला में था। वह 30 माह पहले अपने युनिट से भागकर रांची पहुंचा था और अपने परिवार के साथ रातू में शरण लिया था। इसके बाद वह विभाग से गोली की चोरी कर नक्सलियों को सप्लाई करने में लगा था। इस बात की जानकारी जैसे ही बिहार एसटीएफ को मिली , उसे अरवल में गिरफ्तार कर लिया गया था। हालांकि जयपुकार के जेल जाने के बाद भी उसके गिरोह के सदस्य लगातार सक्रिए हैं और पुलिस की गोली को नक्सलियों तक सप्लाई कर रहे हैं। ●

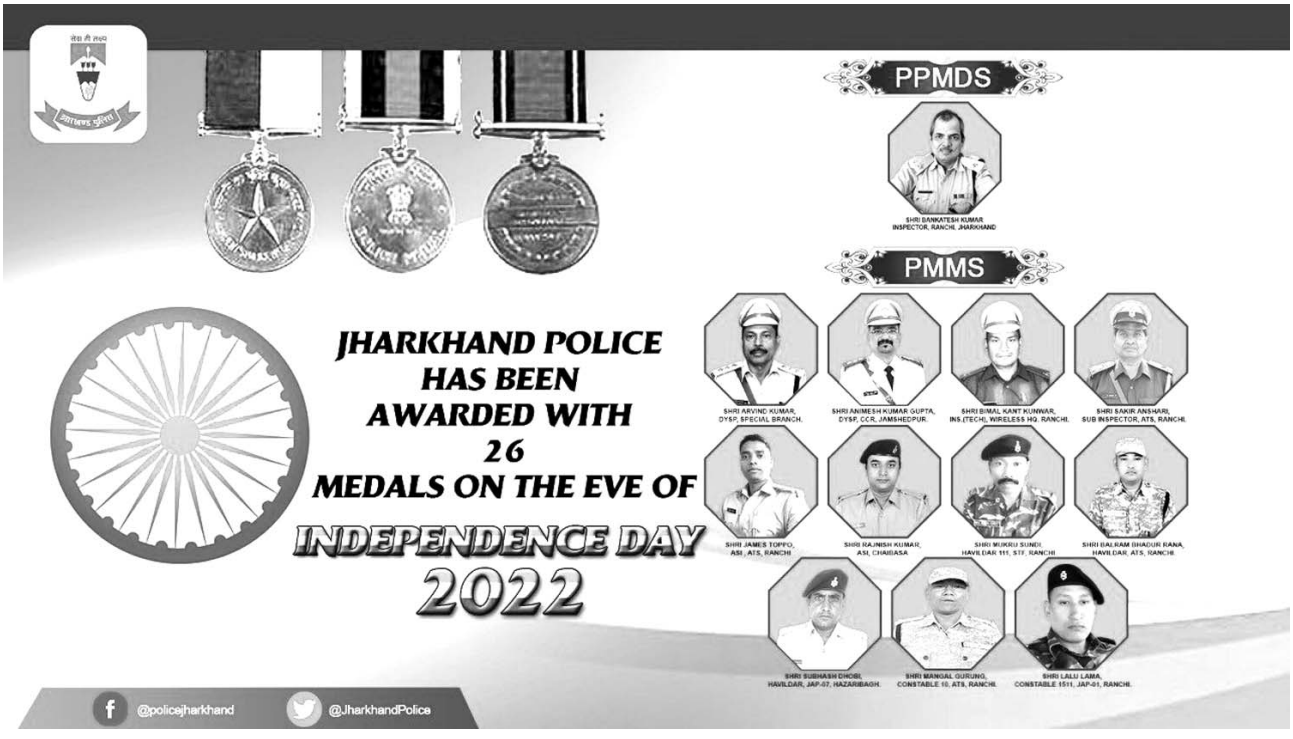

चुटिया थाना प्रभारी राष्ट्रपति से सम्मानित

पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों को मिला पुलिस वीरता पदक

● **ओम प्रकाश**

स्वतंत्रता दिवस पर नक्सली हमले में शहीद हुए झारखण्ड पुलिस के छह जवान समेत 14 पुलिस अधिकारियों-कर्मियों को पुलिस वीरता पदक मिला है। इसके साथ ही एक को विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक और 11 पुलसकर्मियों को सराहनीय सेवा के लिए पुलिस पदक मिला है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पदक पाने वाले सभी 26 पदाधिकारियों, कर्मियों की सूची जारी कर दी है।

☞ **इंस्पेक्टर बैंकटेश कुमार को विशिष्ट सेवा के लिए मिला राष्ट्रपति का पुलिस पदक** :- राजधानी रांची के चुटिया थाना में तैनात थाना प्रभारी बैंकटेश कुमार को विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक (पीपीएमडीएस)(President's Police Medal For Distinguished Service) से सम्मानित किया जायेगा। नन आईपीएस अधिकारी को 25 साल बेहतर सर्विस के बाद यह पदक मिलता है। जानकारी के लिए बता दे इंस्पेक्टर वेंकटेश कुमार को इससे पूर्व भी सराहनीय सेवा के लिये पुलिस पदक से सम्मानित किया जा चुका है।

☞ **11 को सराहनीय सेवा के लिए पुलिस पदक** :- झारखँड में तैनात 11 पुलसकर्मियों को सराहनीय सेवा के लिए पुलिस पदक

(पीएमएमएस) (Police Medal For Meritorious Service)से सम्मानित किया जायेगा। इसमें स्पेशल ब्रांच के डीएसपी अरविंद कुमार, जमशेदपुर सीसीआर के डीएसपी अनिमेष कुमार गुप्ता, वायरलेस हेटक्वाटर में टेक्निकल इंस्पेक्टर विमलकांत कुमार, एटीएस में तैनात एसआई साकिर अंसारी, एटीएस में तैनात एएसआई जेम्स टोप्पो, चाईबासा में तैनात एएसआई रजनीश कुमार, एसटीएफ में तैनात हवलदार मुकरू सुंडी, एटीएस में तैनात हवलदार बलराम बहादुर सिंह, जैप-7 के हवलदार सुभाष धोबी, एटीएस के सिपाही मंगल गुरुंग और जैप-1 के सिपाही लालू लामा का नाम शामिल है।

☞ **नक्सली हमले में शहीद हुए 6 जवान समेत 14 को पुलिस वीरता पदक** :- 25 फरवरी 2021 में पलामू जिले के रामगढ़ थाना क्षेत्र के चोरहट गांव के सेमरहट टोला में झारखंड जनमुक्ति परिषद के एरिया कमांडर महेश भुईयां को मार गिराने वाले आईपीएस अधिकारी पलामू के तत्कालीन एडिशनल एसपी के विजय शंकर समेत 14 पुलिसकर्मी को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी)(Police Medal For Gal

lantry) से सम्मानित किया जायेगा। मूलत: गढ़वा जिले के रमकंडा थाना अंतर्गत, रक्सी गांव निवासी महेश भुइयां के खिलाफ पांच लाख रुपये इनाम घोषित करने की अनुशंसा की गयी थी। पलामू के अलावा गढ़वा और लातेहार क्षेत्र में सक्रिय महेश भुइयां लेवी के लिए ठेकेदार, माइंस संचालक, ईंट भट्ठा संचालक आदि के साथ मारपीट करने, आगजनी करने आदि की घटनाओं को अंजाम देता था। मुठभेड़ में पुलिस ने एक-47, पिस्टल आदि बरामद किया था। इसके अलावे जगुआर के 6 जवान कुंदन कुमार, परमानंद चौधरी, अजय कुजूर, देव कुमार महतो, अजीत औड़ेया, रमकंडा, और कृष्ण प्रसाद नियोपाने को मरनोपरांत वीरता के लिये पुलिस पदक मिला है। वीरता के लिये पुलिस पदक सुशील टुडू (एसआई), प्रभात रंजन राय (एसआई), रंजीत कुमार (सिपाही), छोटे लाल कुमार (सिपाही), फगुवा होरो (एसआई), लालेश्वर महतो (इंस्पेक्टर) और रामेश्वर भगत (एसआई) को दिया जायेगा।

☞ **सीरियल ब्लास्ट में शहीद हुए थे जवान** :- जून 2018 में पूर्व भंडरिया थाना क्षेत्र में बूढ़ा पहाड़ से लगे खपरीमहुआ गांव के पास नक्सलियों द्वारा किए गए सीरियल बम ब्लास्ट में जगुआर के छह जवान शहीद हो गए थे। इसमें पलामू हुसैनाबाद के कुंदन कुमार, दुमका रघुनाथगंज के परमानंद चौधरी, गुमला जिले के बसिया निवासी अजय कुजूर, गोड्डा पथरगामा निवासी देव कुमार महतो, गढवा रमकंडा निवासी अजीत औड़ेया, रमकंडा, और रांची डोरंडा निवासी कृष्ण प्रसाद नियोपाने शामिल थे। पुलिस और झारखंड जगुआर की टीम एलआरपी से लौट रही थी। खपरीमहुआ स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय से करीब 50 मीटर दूर जैसे ही पोलपोल गांव के पहुंच पथ पर पहुंची, नक्सलियों द्वारा लगाए गए बम में ब्लास्ट होने लगा। जैसे-जैसे सुरक्षाबल आगे बढ़ते गए, वे विस्फोट में उड़ते चले गए। झारखंड में पहली बार नक्सलियों ने ऐसा सीरियल बम ब्लास्ट कर पुलिस को बड़ी क्षति पहुंचाई थी। नक्सलियों ने घटनास्थल पर 80 सीरीज बम लगाए थे। जवानों के पैर पड़ते ही उनमें विस्फोट होता गया। नक्सलियों द्वारा लगाए गए 80 सीरीज बम में से 30 बम विस्फोट हुए थे। ●

एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी में तीन गिरफ्तार

● **ओम प्रकाश**

राजधानी राँची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी देने के मामले में तीन अपराधी गिरफ्तार हुए है। एसएसपी कौशल किशोर के निर्देश पर गठित पुलिस की टीम ने कार्रवाई करते हुए बिहार के नालंदा जिले के तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधियों में निर्माण कुमार उर्फ मारुति, पप्पू कुमार उर्फ कुड़ी और राधे कुमार शामिल है। गिरफ्तार अपराधियों के पास से पुलिस ने धमकी देने की घटना में प्रयुक्त मोबाइल फोन समेत चार मोबाइल फोन बरामद किया है। गिरफ्तार हुए इन अपराधियों के द्वारा, एयरपोर्ट प्रबंधक के सरकारी नंबर पर फोन कर और मैसेज कर बिरसा मुंडा एयरपोर्ट को उड़ा देने की धमकी देते हुए 20 लाख की रंगदारी की मांग की गई थी। जिसके बाद मामले की गंभीरता को देखते हुए रांची एसएसपी के द्वारा पुलिस टीम का गठन किया गया था। पुलिस की टीम ने कार्रवाई करते हुए इस घटना में शामिल तीन अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अपराधियों ने इस घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली है। गिरफ्तार आरोपियों में पावापुरी ओपी क्षेत्र के इसुआ गांव का रहने वाला निर्माण कुमार उर्फ मारुति, सिलाव थाना क्षेत्र के नानंद गांव का रहने वाला पप्पू उर्फ कुड़ी और कूल गांव का रहने वाला राधे कुमार शामिल हैं। एयरपोर्ट को उड़ाने की धमकी देकर पैसे कमाने का पूरा प्लान मारुति ने बनाया था। इसके लिए चोरी का सिम पप्पू ने जुगाड़ किया था, जबकि गूगल से सर्च कर राँची एयरपोर्ट का नंबर निर्माण ने जुगाड़ किया था। बताया जाता है कि पुलिस ने सबसे पहले राधे को दबोचा उसके बाद अन्य दोनो आरोपी को गिरफ्तार किया।

☞ **जानें कब- कब मिली धमकी** :- 28 जुलाई को बिहार के नालंदा जिले से किसी व्यक्ति ने फोन कर रांची एयरपोर्ट को उड़ाने की धमकी दी थी, हालांकि जांच के दौरान बम निरोधक दस्ते को कुछ भी नहीं मिला था। वैसे इस धमकी के बाद एयरपोर्ट परिसर में मौजूद यात्री घबरा गये थे। इस घटना को लेकर एयरपोर्ट थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी।पहली धमकी के 24 घंटे के भीतर यानी 29 जुलाई को दोबारा धमकी दी गई। इस बार रंगदारी तक की मांग कर दी गई। पुलिस उस नंबर को खंगालने में जुटी गई थी। वहीं फिर 01 अगस्त को बिरसा मुंडा एयरपोर्ट को तीसरी बार बम से उड़ाने की धमकी दी गई। इस बार भी एयरपोर्ट के एक अधिकारी के नंबर पर टेक्स्ट मैसेज से धमकी भेजी गई। मैसेज में लिखा गया है कि यदि 20 लाख रुपये नहीं दिए गए तो वह एयरपोर्ट को बम से उड़ा देगा। जिसके बाद एयरपोर्ट प्रबंधन ने तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी। ●

रंगदारी के मामले में पुलिस ने दरोगा पुत्र को किया गिरफ्तार

● ओम प्रकाश

राजधानी रांची की बरियातू थाना की पुलिस ने एडलहतु निवासी अजय कुमार सिंह से 10 लाख रुपये रंगदारी मांगने के मामले का खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में लालपुर थाना क्षेत्र के प्रोफेसर कॉलोनी निवासी अजय कुमार सिंह, बरियातू थाना क्षेत्र के हाउसिंग कॉलोनी निवासी मनोरंजन सिंह और हरिहर सिंह रोड निवासी दीपक कुमार शामिल है। पुलिस ने इनके पास से रंगदारी मांगने में इस्तेमाल किए गए दो मोबाइल फोन बरामद किया हैं।

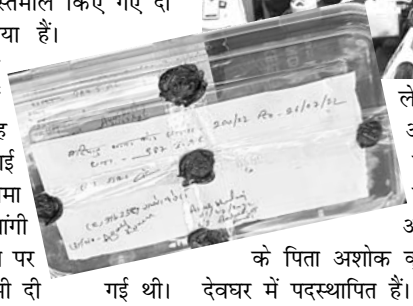

जानकारी के लिए आपको बता दें कि बीते 26 जुलाई को व्यवसाय अजय कुमार सिंह से फोन पर रंगदारी मांगी गई थी। आरोपियों ने कालू लामा के भाई के नाम पर रंगदारी मांगी थी। रंगदारी के पैसे नहीं देने पर जान से मारने की धमकी भी दी गई थी। घटना की जानकारी मिलने के बाद वरीय पुलिस अधीक्षक रांची के द्वारा पुलिस अधीक्षक नगर रांची के मार्गदर्शन में,पुलिस अधीक्षक सदर एवं थाना प्रभारी बरियातू के नेतृत्व में एक छापामारी टीम का गठन किया गया। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एवं तकनीकी शाखा की मदद से इस मामले का जल्द ही खुलासा कर दिया। घटना को लेकर रांची के सिटी एसपी अंशुमन कुमार ने प्रेस वार्ता कर जानकारी दी कि इस घटना का मास्टरमाइंड अजय कुमार है। अजय के पिता अशोक कुमार दरोगा के रूप में देवघर में पदस्थापित हैं। मनोरंजन की रांची के क्लब रोड में मोबाइल की दुकान है। अजय ओर मनोरंजन साथ ही काम करते है। इन लोगो ने ही कालू लामा के भाई के नाम पर रंगदारी मांगने की योजना बनाई। फिर उसके बाद 26 जुलाई को। दुकान में रिपेयर के लिए आए मोबाइल पर फर्जी सिम डालकर व्यवसाय अजय कुमार सिंह को फोन किया और और कालू लामा के भाई के नाम पर रंगदारी मांगी। मास्टरमाइंड अजय ने अपने दुकान में रिपेयर के लिए रखे मोबाइल में फर्जी सिम का इस्तेमाल किया था। इस खबर के फैलने के बाद उसने डर के मारे सिम तोड़ दिया था। वही गिरफ्तार तीसरा आरोपी दीपक कुमार बरियातू के पटना खटाल के पास कुट्टी की दुकान चलाता है।

☞ **महिला प्रोफेसर से भी मांगी गई थी रंगदारी** :- आरोपी ने कई अन्य लोगो से भी रंगदारी की मांग की है। जानकारी के अनुसार काके रोड की रहने वाली एक महिला से भी रंगदारी मांगी गयी थी। महिला मारवाड़ी कॉलेज में प्रोफेसर है। मामले को लेकर महिला ने कोतवाली थाना में सनहा दर्ज कराया है।●

शराब के साथ शराब तस्कर हुए गिरफ्तार

● ओम प्रकाश

पंडरा ओपी पुलिस शराब तस्करों पर लगातार कार्यवाई कर रही है। 4 अगस्त को पंडरा थाने की पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि एक वैन से भारी मात्रा में अवैध शराब का खेप पहुंचाया जा रहा है। इस सूचना के आधार पर पंडरा ओपी प्रभारी चंद्रशेखर ने चेकिंग अभियान चलाया। कुछ देर के बाद संध्या 3:30 बजे रवी स्टील चौक के पास से एक ब्लू रंग का मारुति इको वेन आता दिखाई दिया जो कि संदेहास्पद रहा था।उस वैन में तीन व्यक्ति सवार थे। पुलिस ने जब उस कार को रुकने का इशारा किया तब वे हड़बड़ा गए और भागने का प्रयास करने लगे। जिसके बाद पुलिस बल द्वारा उन्हें खदेड़ कर पकड़ लिया क्या। पुलिस ने गहनता से जांच की और उन लोगों से संबंधित वस्तुओं के दस्तावेज मांगे। दस्तावेज नहीं दिखाने पर तीनों शराब तस्कर गिरफ्तार कर लिए गए। और वैन को जप्त कर लिया गया। उस वैन में भारी मात्रा में शराब और शराब की बोतल के ऊपर चिपकाए जाने वाला स्टीकर भरा हुआ था। गिरफ्तार शराब तस्करों के नाम गौरव प्रकाश सिंह, विकास कुमार और विकास महतो है। पुलिस ने इनके पास से कुल 550 शराब की बोतल और 684 शराब बोतल के ऊपर चिपकाए जाने वाले विभिन्न कंपनियों के स्टीकर बरामद किया है। इसके अलावे पुलिस ने एक वैन भी जब्त किया है। इस छापेमारी दल में पंडरा थाना प्रभारी चंद्रशेखर, दरोगा धीरज कुमार सिंह, दरोगा मृत्युंजय कुमार समेत कई पुलिसकर्मी शामिल थे। ●

कुख्यात अपराधी वसीम उर्फ गोजा हथियार के साथ गिरफ्तार

● ओम प्रकाश

राजधानी रांची की डोरंडा पुलिस ने कुख्यात अपराधी वसीम उर्फ गोजा को हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। करीब डेढ़ दर्जन मामलों में शामिल कुख्यात अपराधी वसीम उर्फ गोजा पुलिस के लिए बना हुआ था सर दर्द। गिरफ्तार वसीम के पास से पुलिस ने दो देसी पिस्टल, 8 कारतूस और दो मोबाइल फोन बरामद किया है। वसीम पर राजधानी राँची के विभिन्न थानों में 14 से अधिक मामले दर्ज है। इस सम्बंध में सिटी एसपी अंशुमान कुमार ने बताया कि वह लूट, हत्या का प्रयास,रंगदारी,आर्म्स एक्ट और चोरी सहित कई अन्य मामलों में शामिल था। डोरंडा थाना की पुलिस ने वसीम को हथियार के साथ गिरफ्तार किया। लेकिन उसका एक साथी चिकू उर्फ देवा भागने में सफल रहा। वसीम उर्फ गोजा मनीटोला नीम चौक डोरंडा का रहने वाला है। उसके विरुद्ध डोरंडा थाना में 11 मामले दर्ज है। इसमें चार मामले हत्या के प्रयास के है। इसके अलावा बरियातू, सदर और लोअर बाजार थाना में उसके खिलाफ एक-एक प्राथमिकी दर्ज है। बताया कि वसीम उर्फ गोजा अपने साथी चिकू के साथ डोरंडा में किसी बड़ी घटना को अंजाम देने के फिराक में था। लेकिन पुलिस को मिली सूचना पर घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार कर लिया। 32 साल का वसीम गोजा वर्ष 2009 से ही अपराध कर रहा है। इन दिनों रांची छोड़कर चतरा इलाके में सक्रिय था मनी टोला निवासी वसीम। उसके बारे में बताया गया कि बीते शुक्रवार को उसे शाम को रांची के डोरंडा में देखे जाने की मिली सूचना के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। 2009 में उसके विरुद्ध डोरंडा थाना में सबसे पहले मारपीट, हत्या के प्रयास मामले में प्राथमिकी दर्ज हुई थी। उसकी गिरफ्तारी में डोरंडा थाना प्रभारी रमेश कुमार सिंह, दारोगा उत्तम कुमार राय, दारोगा श्रीकांत कुमार, दारोगा सन्नी कुमार सहित अन्य पुलिस कर्मी शामिल थे। ●

नकली सोने के कंगन के बहाने की गई ठगी

● ओम प्रकाश

राजधानी रांची के चुटिया थाना इलाके में रेलवे स्टेशन के नजदीक 21 जुलाई को एक व्यक्ति से नकली सोने के कंगन के बहाने 50 हजार की ठगी की घटना को अंजाम दिया गया था। इस मामले को लेकर 28 जुलाई को हजारीबाग के रहने वाले दिनेश कुमार राणा ने चुटिया थाना में एफ आई आर दर्ज कराया और बताया कि 21 जुलाई को विजयवाड़ा से रांची रेलवे स्टेशन पर उतर कर टेंपो का इंतजार कर रहा था। उसी में एक व्यक्ति ने नकली सोने का कंगन मेरे बगल में गिरा दिया और चला गया। मैंने जब कंगन उठाकर अपने हाथों में लिया तो दो आदमी मेरे पास आए और मुझ पर चोरी का इल्जाम लगा कर धमकाने लगे और कहने लगे कि तुमने मेरा कंगन चुरा लिया है। यही नहीं उनमें से एक ने यह भी कहा कि जितना पैसा है, दे दो नहीं तो थाना ले जाएंगे। तो डर के मारे मैंन दस हजार रुपया उन लोगों को दे दिया। पैसा लेने के बाद उन लोगों ने फिर धमकाना शुरू कर दिया की, कि इतना पैसा में नहीं होगा और पैसे चाहिए। थाना ले जाने के नाम पर दिनेश कुमार राणा से ठगों ने उसके एसबीआई बैंक का एटीएम कार्ड ले लिया और डरा धमकाकर एटीएम कार्ड का पिन पूछकर उस एटीएम कार्ड से करीब रू40000 निकाल लिए। एटीएम कार्ड से पैसे निकालने के बाद दिनेश कुमार राणा को खादगढ़ा बस स्टैंड में छोड़ दिया गया। इस मामले को लेकर दिनेश कुमार राणा ने चुटिया थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई। प्राथमिकी दर्ज करने के बाद चुटिया थाना प्रभारी बैंकटेस कुमार अपने दल बल के साथ मामले की तहकीकात एवं त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी का नाम तौहीद अंसारी और तुफैल अहमद है। दोनों आरोपी हजारीबाग जिले के सदर थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं। इस मामले में पुलिस ने एक बाइक, छह एटीएम कार्ड दो मोबाइल फोन एवं 5500 रुपए नगद बरामद किए है । पुलिस ने आरोपियों का कोविड टेस्ट कराने के बाद उनको जेल भेज दिया है। ●

आजादी के सही मायने

● गौतम कुमार सिंह

अगर सुख का पैमाना हो तो वो सिर्फ एक शब्द है 'आजादी'। आजादी से बड़ी खुशी हो ही नही सकती। आजादी का अमृत महोत्सव से ही रोंगटे खड़े हो जाते हैं, उसपे से राष्ट्रभक्ति की भावना, ऐसी आनंद की अनुभूति जिसको शब्दों में बयान नही किया जा सकता । भारत मां को गुलामी के जंजीर से आजाद के लिए कितने ही महान विभूतियों ने अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया है और इस पर्व या महोत्सव के माध्यम से हम उन्हें याद करेंगे । हमारी आने वाली पीढ़ी को भी पता चलना चाहिए की जिस देश में वो चैन की सांस ले रहे हैं, उस चैन के लिए कितने विभूतियों ने अपनी कुर्बानी दी है । हमें जो इतिहास पढ़ाया जाता है उस इतिहास में कई ऐसे महान विभूति हैं जिनको हम जानते ही नही, इस अमृतमहोत्सव और पर्व के माध्यम से हम उनके बारे में जानेंगे, भारत के झंडे के महत्व को समझेंगे क्योंकि झंडा सिर्फ झंडा नही होता ये राष्ट्रीय प्रतीक होता है। जैसे की हम सब जानते हैं आजादी का अमृत महोत्सव आजादी का त्यौहार मनाने का एक अलग तरीका है। अमृत महोत्सव के जरिए देश की सभी जनता को भारत की ताकत और सैन्य बल के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी, आजादी का अमृत महोत्सव किसी भी पब्लिक एरिया में तिरंगा झंडा फहराने के लिए प्रेरित करता है। सरकार इस साल आजादी दिवस पर "हर घर तिरंगा" का योजना भी चला रही है, जिसके तहत प्रधानमंत्री के निर्देश अनुसार भारत के दो करोड़ घरों में तिरंगा झंडा फहराया जाना चाहिए। इस साल आजादी के अमृत महोत्सव की तैयारी बड़े धूमधाम से सभी क्षेत्रों में की जा रही है और इसका उदाहरण हम अपने गली, मोहल्ले, प्रांत, जिला में देख सकते हैं, गांव से शहर तक और शहर से लेकर देश तक इसकी मानो बयार यानी हवा चल रही है, ये अखण्ड भारत की परिकल्पना को साकार करने की एक नई दिशा है।

भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 2 साल तक आजादी का ''अमृत महोत्सव'' मनाने का ऐलान किया है। इसके तहत 15 अगस्त 2023 तक आजादी का दिवस अलग तरीके से मनाया जाएगा आजादी का अमृत महोत्सव इस बार बेहतरीन तरीके से मनाया जा रहा है, आजादी का अमृत महोत्सव बड़े ही धूमधाम से 15 अगस्त 2022 को मनाया जाएगा मगर इसकी असली शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 12 मार्च 2021 से की थी। आजादी का अमृत महोत्सव मनाने के लिए कई महीनों से तैयारी चल रही है। प्रधानमंत्री के अनुसार आजादी का अमृत महोत्सव देश के सभी नागरिकों के दिल में देश के लिए सम्मान भरेगा। देश की ताकत और कार्यकुशलता को देश की सभी जनता

के सामने रखने के लिए अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है।

☞ **अमृत महोत्सव का अर्थ** :- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव का अर्थ आजादी की ऊर्जा का अमृत है। यानी स्वतंत्रता सेनानियों की स्वाधीनता का अमृत। आजादी का अमृत महोत्सव मतलब नए विचारों का अमृत। नए संकल्पों का अमृत और आत्मनिर्भरता का अमृत है। इस अमृत महोत्सव का पहला कारण यह है कि भारत को अंग्रेजों की गुलामी से आजादी मिली थी। दूसरा यह कि देश को स्वतंत्र करने के लिए जिन राष्ट्र सपूतों ने बलिदान दिया और बहुत कष्ट सहे उन्हें याद करने का यह दिन है। तीसरा यह कि आजादी के 75 वर्ष पूरे हो गए हैं। इन कारणों से आजादी के अमृत महोत्सव के माध्यम से उन सभी लोगों को स्वतंत्रता और लोकतंत्र के सही मायने बताने बहुत जरूरी है और साथ ही यह बताना भी जरूरी है कि इन 75 वर्षों में भारत ने क्या उपलब्धियां हासिल की हैं। "सबका साथ सबका विकास" के नारे के साथ भारत सरकार लगातार अपनी योजनाओं के माध्यम से लोगों तक सेवाएं पहुंचाती रहती है। इससे वर्तमान भारत की तस्वीर बदल गई है। आज भारत को दुनिया सम्मान और आशा भरी नजरों से देख रही है। आजादी का महोत्सव किसी विशेष जाति, धर्म अथवा राज्य नहीं बल्कि संपूर्ण भारत के लिए महत्वपूर्ण है। इस राष्ट्रीय महोत्सव के दौरान सभी सरकारी भवन और घरों पर तिरंगा फहराया जाएगा और कुछ जगहों पर रैलियां भी निकाली जाएगी ताकि इसका महत्व लोगों तक पहुंचाया जा सके। स्कूल के बच्चे सांस्कृतिक कार्यक्रमों में हिस्सा लेकर अपनी कला के माध्यम से आजादी का महोत्सव मानाएंगे। इसके लिए स्कूलों में अच्छे से तैयारी चल रही है। बच्चों को आजादी के संघर्ष की कहानियां बताई जा रही है। अब 15 अगस्त सिर्फ छुट्टी और TV के माध्यम से ध्वजारोहण देखना नहीं है, ये एक पर्व है, त्यौहार है, एकता का प्रतीक है। हम अपने देश को भी **''माँ''** का दर्जा देते हैं, इसलिए हम इसे भारत माँ कहते हैं। सोच आजाद रखना, विचार को आजाद रखना, राष्ट्र पर समर्पित रहना, यही एक आजादी के अमृत महोत्सव की परिकल्पना है। जय हिंद!!! ●

प्रवर्तन निदेशालय क्या है और ईडी का कार्य क्या है?

प्रवर्तन निदेशालय (Enforcement Directorate) यानी ईडी (म्क) एक वित्तीय जांच एजेंसी है, जो केन्द्रीय वित्त मंत्रालय के अधीन काम करती है। ईडी पर यह आरोप भी लगते रहे हैं कि यह एजेंसी सरकार के इशारे पर उसके विरोधियों को ठिकाने लगाने का काम करती है। ईडी को आर्थिक मामलों की जांच के साथ ही गिरफ्तारी के अधिकार भी प्राप्त हैं। ED की स्थापना वर्ष 1956 में हुई थी।

☞ **क्यों सुर्खियों में :-** ईडी इन दिनों दिग्गज हस्तियों पर हाथ डालने के कारण सुर्खियों में है। ईडी ने हाल ही में पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के निकट सहयोगी पार्थ चटर्जी की करीबी अर्पिता मुखर्जी के ठिकानों पर छापा मारकर 50 करोड़ से ज्यादा की नकदी बरामद की थी। इसके चलते पार्थ चटर्जी को मंत्री पद से हाथ धोना पड़ा था। इसके अलावा कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गांधी और सांसद राहुल गांधी से नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में लंबी पूछताछ और नेशनल हेराल्ड के दफ्तर को सील करने के चलते भी यह एजेंसी सुर्खियों में है। ईडी की पूछताछ के चलते ही कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सड़कों पर प्रदर्शन किया था। शिवसेना सांसद संजय राउत की गिरफ्तारी भी ईडी की ताकत को दर्शाती है।

☞ **अधिकार :-** ईडी को आर्थिक मामलों की जांच, कुर्की, जब्ती के साथ ही गिरफ्तारी और अभियोजन की कार्रवाई का भी अधिकार प्राप्त है। यह एजेंसी भगोड़े अपराधियों की संपत्ति को कुर्क कर सकती है। विजय माल्या, नीरव मोदी और मेहुल चोकसी जैसे भगोड़ों की संपत्ति भी ईडी द्वारा कुर्क की गई थी।

☞ **कार्यक्षेत्र :-** दिल्ली स्थित मुख्यालय के अलावा ईडी को 5 क्षेत्रों- मध्य क्षेत्र, पूर्वी क्षेत्र, उत्तरी क्षेत्र, दक्षिणी क्षेत्र और पश्चिमी क्षेत्र में बांटा गया है। इस एजेंसी के मुखिया को प्रवर्तन निदेशक कहा जाता है। इसके अलावा विशेष निदेशक, उपनिदेशक, संयुक्त निदेशक, अपर निदेशक जैसे महत्वपूर्ण पद भी होते हैं।

किन कानूनों के तहत कार्य करता है ईडी

☞ **धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 (PMLA) :-** यह एक आपराधिक कानून है जिसे धन शोधन को रोकने के लिए और धन शोधन से प्राप्त या इसमें शामिल संपत्ति की जब्ती के लिए अधिनियमित किया गया है। ईडी को को इस तरह के अपराध की आय से प्राप्त संपत्ति का पता लगाने हेतु जांच करने, संपत्ति को अस्थायी रूप से अटैच करने और अपराधियों के खिलाफ मुकदमा चलाने और विशेष अदालत द्वारा संपत्ति की जब्ती सुनिश्चित करवाते हुए प्रावधानों के तहत कार्रवाई करने की जिम्मेदारी दी गई है।

☞ **विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम, 1999 (FEMA) :-** इस कानून के तहत विदेशी व्यापार और भुगतान की सुविधा से संबंधित कानूनों को समेकित और संशोधित करने और भारत में विदेशी मुद्रा बाजार के व्यवस्थित विकास और रखरखाव को बढ़ावा देने के लिए अधिनियमित किया गया है। इस तरह के मामलों में ईडी को जांच के साथ ही जुर्माना लगाने की जिम्मेदारी भी दी गई है।

☞ **भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम, 2018 (FEOA) :** यह कानून आर्थिक अपराधियों को भारतीय न्यायालयों के अधिकार क्षेत्र से बाहर भागकर भारतीय कानून की प्रक्रिया से बचने से रोकने के लिए बनाया गया था। इस कानून के तहत ऐसे आर्थिक अपराधी, जो भारत से बाहर भाग गए हैं, उनकी संपत्तियों को कुर्क करने के लिए तथा उनकी संपत्तियों को केंद्र सरकार से अटैच करने का प्रावधान किया गया है।

☞ **विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम, 1973 (FERA) :-** निरसित (Repealed) एफआईआर के तहत उक्त अधिनियम के कथित उल्लंघनों के लिए अधिनियम के तहत 31 अप्रैल 2002 तक जारी कारण बताओ नोटिस का न्याय निर्णयन करना है। इसके आधार पर संबंधित पर जुर्माना लगाया जा सकता है और एफआईआर के तहत शुरू किए गए मुकदमों को आगे बढ़ाया जा सकता है।

☞ **सीओएफईपीओएसए के तहत प्रायोजक एजेंसी :-** विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी गतिविधियों की रोकथाम अधिनियम, 1974 (सीओएफइपीओएसए) के तहत इस निदेशालय को फेमा के उल्लंघनों के संबंध में निवारक निरोध के मामलों को प्रायोजित करने का अधिकार है। ●

गुमनाम हैं 102 वर्ष के भोजपुरी गायक
जंगबहादुर सिंह

● **मनोज भावुक**

आजादी का अमृत महोत्सव चल रहा है और देश भक्तों में जोश भरने वाले अपने समय के नामी भोजपुरी लोक गायक जंग बहादुर सिंह को कोई पूछने वाला नहीं हैं। बिहार में सिवान जिला के रघुनाथपुर प्रखण्ड के कौसड़ गांव के रहने वाले तथा रामायण, भैरवी व देशभक्ति गीतों के उस्ताद भोजपुरी लोक गायक जंग बहादुर सिंह साठ के दशक का ख्याति प्राप्त नाम है। लगभग दो दशकों तक अपने भोजपुरी गायन से बंगाल, झारखंड, उत्तर प्रदेश आदि राज्यों में बिहार का नाम रौशन करने वाले व्यास शैली के बेजोड़ लोकगायक जंगबहादुर सिंह आज 102 वर्ष की आयु में गुमनामी के अंधेरे में जीने को विवश हैं। भोजपुरी के विकास का दंभ भरने वाली व खेसारी, पवन, कल्पना आदि को पानी पी-पीकर गरियाने वाली तथाकथित संस्थाएं भी इस महान कलाकार को याद करना मुनासिब नहीं समझती सरकारी प्रोत्साहन तो दूर की बात है।

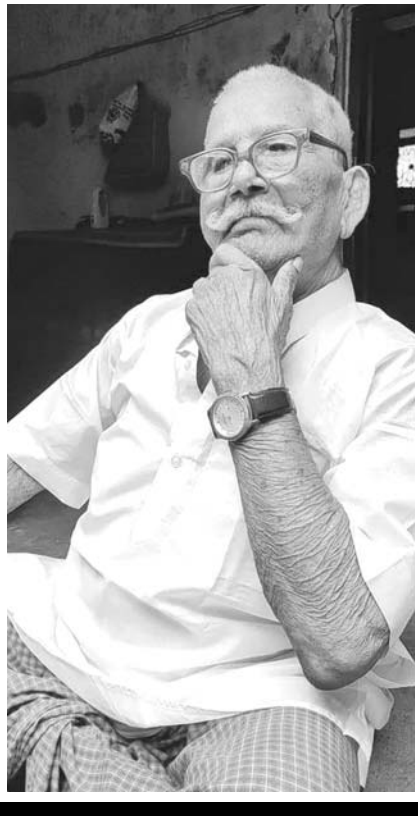

☞ **बगैर माइक कोसों दूर जाती थी आवाज** :- 10 दिसंबर 1920 ई. को सिवान, बिहार में जन्में जंगबहादुर पं.बंगाल के आसनसोल में सेनरेले साइकिल करखाने में नौकरी करते हुए भोजपुरी के व्यास शैली में गायन कर झरिया, धनबाद, दुर्गापुर, संबलपुर, रांची आदि क्षेत्रों में अपने गायन का परचम लहराते हुए अपने जिला व राज्य का मान बढ़ाया था। जंग बहादुर के गायन की विशेषता यह रही कि बिना माइक के ही कोसों दूर उनकी आवाज जाती थी। आधी रात के बाद उनके सामने कोई टिकता नहीं था, मानो उनकी जुबां व गले में सरस्वती आकर बैठ जाती हों। खासकर भोर में गाये जाने वाले भैरवी गायन में उनका सानी नहीं था। प्रचार-प्रसार से कोसों दूर रहने वाले व स्वांत: सुखाय गायन करने वाले इस महान गायक को अपने ही भोजपुरिया समाज ने भुला दिया है।

☞ **पहले कुश्ती के दंगल के पहलवान थे जंग बहादुर** :- जंग बहादुर सिंह पहले पहलवान थे। बड़े-बड़े नामी पहलवानों से उनकी कुश्तियां होती थीं। छोटे कद के इस चीते-सी फुर्ती वाले व कुश्ती के दांव-पेंच में माहिर पहलवान की नौकरी ही लगी पहलवानी पर। 22-23 की उम्र में अपने छोटे भाई मजदूर नेता रामदेव सिंह के पास कोलफील्ड, शिवपुर कोइलरी, झरिया,

धनबाद में आए थे जंग बहादुर। वहां कुश्ती के दंगल में बिहार का प्रतिनिधित्व करते हुए तीन कुंतल के एक बंगाल की ओर से लड़ने वाले पहलवान को पटक दिया। फिर तो शेर-ए-बिहार हो गए जंग बहादुर। तमाम दंगलों में कुश्ती लड़े, लेकिन उन्हीं दिनों एक ऐसी घटना घटी कि वह संगीत के दंगल में उतरे और उस्ताद बन गए।

☞ **फिर संगीत के दंगल के योद्धा बने जंग बहादुर :-** दूगोला के एक कार्यक्रम में तब के तीन बड़े गायक मिलकर एक गायक को हरा रहे थे। दर्शक के रूप में बैठे पहलवान जंग बहादुर सिंह ने इसका विरोध किया और कालांतर में इन तीनों लोगों को गायिकी में हराया भी। उसी कार्यक्रम के बाद जंग बहादुर ने गायक बनने की जिद्द पकड़ ली। धुन के पक्के और बजरंग बली के भक्त जंग बहादुर का सरस्वती ने भी साथ दिया। रामायण-महाभारत के पात्रों भीष्म, कर्ण, कुंती, द्रौपदी, सीता, भरत, राम व देश-भक्तों आजाद, भगत, सुभाष, हमीद, गांधी आदि को गाकर भोजपुरिया जन-मानस में लोकप्रिय हो गए जंग बहादुर सिंह। तब ऐसा दौर था कि जिस कार्यक्रम में नहीं भी जाते थे जंग बहादुर, वहां के आयोजक भीड़ जुटाने के लिए पोस्टर-बैनर पर इनकी तस्वीर लगाते थे। पहलवानी का जोर पूरी तरह से संगीत में उतर गया था और कुश्ती का चौंपियन भोजपुरी लोक संगीत का चौंपियन बन गया था। अस्सी के दशक के सुप्रसिद्ध लोक गायक मुन्ना सिंह व्यास व उसके बाद के लोकप्रिय लोक गायक भरत शर्मा व्यास तब जवान थे, उसी इलाके में रहते थे और इन लोगों ने जंग बहादुर सिंह व्यास का जलवा देखा था।

☞ **देश और देशभक्तों के लिए गाते थे जंग बहादुर सिंह :-** चारों तरफ आजादी के लिए संघर्ष चल रहा था। युवा जंग बहादुर देश भक्तों में जोश जगाने के लिए घूम-घूमकर देश भक्ति के गीत गाने लगे। 1942-47 तक आजादी के तराने गाने के ब्रिटिश प्रताड़ना के शिकार भी हुए और जेल भी गए। पर जंग बहादुर रुकने वाले कहां थे। जंग में भारत की जीत हुई। भारत आजाद हुआ। आजादी के बाद भी जंग बहादुर गांधी, सुभाष, आजाद, कुंवर सिंह, महाराणा प्रताप की वीर गाथा ही ज्यादा गाते थे और

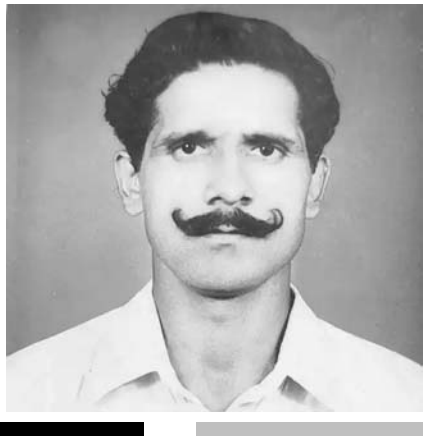

लोक गायक जंग बहादुर सिंह को पद्मश्री मिलना चाहिए

एक समय था, जब बाबू जंग बहादुर सिंह की तूती बोलती थी। उनके सामने कोई गायक नहीं था। वह एक साथ तीन-तीन गायकों से दूगोला की प्रतियोगिता रखते थे। झारखंड-बंगाल-बिहार में उनका नाम था और पंद्रह-बीस वर्षों तक एक क्षत्र राज्य था। उन के साथ के करीब-करीब सभी गायक दुनिया छोड़कर चले गये। खुशी की बात है कि वह 102 वर्ष की उम्र में भी टाइट हैं। भोजपुरी की संस्थाएं तो खुद चमकने-चमकाने में लगी हैं। सरकार का भी ध्यान नहीं है। मैं तो यही कहूंगा कि ऐसी प्रतिभा को पद्मश्री देकर सम्मानित किया जाना चाहिए।

मुन्ना सिंह व्यास, सुप्रसिद्ध लोक गायक

सरकारी स्तर पर मिले सम्मान

जंग बहादुर सिंह का उस जमाने में नाम लिया जाता था, गायको में। मुझसे बहुत सीनियर हैं। मैं कलकता से उनकी गायिकी सुनने आसनसोल, झरिया, धनबाद आ जाता था। कई बार उनके साथ बैठकी भी हुई है। भैरवी गायन में तो उनका जबाब नहीं है। इतनी ऊंची तान, अलाप और स्वर की मृदुलता के साथ बुलंद आवाज वाला दूसरा गायक भोजपुरी में नहीं हुआ। उनके समय के सभी गायक चले गये। वह आशीर्वाद देने के लिए अभी भी मौजूद हैं। भोजपुरी भाषा की सेवा करने वाले व्यास शैली के इस महान गायक को सरकारी स्तर पर सम्मानित किया जाना चाहिए।

भरत शर्मा व्यास, प्रख्यात लोक गायक

मैं खुशनसीब हूं मैंने जंग बहादुर सिंह को लाइव सुना

जंग बहादुर सिंह भोजपुरी के महान गायकों में शामिल हैं। बचपन में मैंने इनको अपने गांव बंगरा, छपरा में चौता गाते हुए सुना है। भोजपुरी और खासकर तब छपरा-सिवान-गोपालगंज जिले के संयुक्त सारण जिले का नाम देश-दुनिया में रौशन किया ब्यास जंग बहादुर सिंह ने। मैं उन खुशनसीब लोगों में से हूं, जिन्होंने जंग बहादुर सिंह को लाइव सुना है, उनको देखा है और उनसे बात किया है। गायिकी के साथ उनके झाल बजाने की कला का मुरीद हूं मै। ये हम सब का सौभाग्य है कि जंग बहादुर जी उम्र के इस पड़ाव में हम लोगों के बीच है। इनकी कृति और रचनाओं को कला संस्कृति विभाग बिहार सरकार को सहेजना चाहिए।

हरेन्द्र सिंह, पूर्व कोच भारतीय हॉकी टीम

उनके हिस्से का वाजिब हक मिलना ही चाहिए

बाबू जंग बहादुर सिंह के समकालीन रहे भोजपुरी गायक व्यास नथुनी सिंह, वीरेन्द्र सिंह, वीरेन्द्र सिंह धुरान, गायत्री ठाकुर आज हम लोगों के बीच नहीं हैं पर संगीत प्रेमी व संगीत मर्मज्ञ बताते हैं कि इन सभी गायक कलाकारों ने भी जंग बहादुर सिंह का लोहा माना था और इज्जत दी थी। राम इकबाल, तिलेसर व रामजी सिंह व्यास जैसे गायकों से एक साथ दूगोला करते थे जंग बहादुर बाबू। परिवार के लोग जानते हैं कि जंगबहादुर सिंह ने अपने गायन कला का व्यवसाय नहीं किया। मेहनताना के रूप में श्रोताओं-दर्शकों की तालियां व वाहवाही भर थी। खैर, अब तो वह 102 वर्ष के हो गए। उन्हें उनके हिस्से का वाजिब हक व सम्मान तो मिलना ही चाहिए।

मनोज भावुक, सुप्रसिद्ध भोजपुरी कवि व फिल्म समीक्षक

धीरे-धीरे वह लोक धुन पर देशभक्ति गीत गाने के लिए जाने जाने लगे। साठ के दशक में जंग बहादुर का सितारा बुलंदी पर था। भोजपुरी देश भक्ति गीत माने जंग बहादुर। भैरवी माने जंग बहादुर। रामायण और महाभारत के पात्रों की गाथा माने जंग बहादुर। लेकिन अब उस शोहरत पर समय के धूल की परत चढ़ गई है। आज हम आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं पर जंग बहादुर किसी को याद नहीं हैं। देशभक्ति के तराने गाने वाले इस क्रांतिकारी गायक को नौकरशाही ने आज तक स्वतंत्रता सेनानी का दर्जा नहीं दिया। हांलाकि इस बात का उल्लेख उनके समकालीन गायक समय-समय पर करते रहे कि जंग बहादुर को उनके क्रांतिकारी गायन की वजह से अंग्रेजी शासन ने गिरफ्तार कर जेल भेजा फिर भी उन्हें जेल भेजे जाने का रिकॉर्ड आजाद हिंदुस्तान की नौकरशाही को नहीं मिल पाया। मस्तमौला जंग बहादुर कभी इस चक्कर में भी नहीं रहे। समय हो तो जाइए 102 वर्ष के इस वयोवृद्ध गायक के पास बैठिए। हार्ट पैसेंट हैं। डॉक्टर से गाने की मनाही है, फिर भी आपको लगातार चार घंटे तक सिर्फ देश भक्ति गीत सुना सकते हैं जंग बहादुर सिंह। आज भी भोर में 'घास की रोटी खाई वतन के लिए/ शान से मोंछ टेढ़ी घुमाते रहे' ..'हम झुका देम दिल्ली के सुल्तान के'/ .. 'गांधी खद्दर के बान्ह के पगरिया, ससुरिया चलले ना'.. सरीखे गीत गुनगुनाते हुए अपने दुआर पर टहलते हुए मिल जाएंगे जंग बहादुर सिंह। इनकी बुदबुदाहट या बड़बड़ाहट में भी देश भक्त और देश भक्ति के गीत होते हैं। अपनी गाय को निहारते हुए अक्सर गुनगुनाते हैं जंग बहादुर सिंह....

'हमनी का हई भोजपुरिया ए भाई जी
गइया चराइले, दही-दूध खाइले
कान्हवा प धई के लउरिया ए भाई जी...
आखड़ा में जाइले, मेहनत बनाइले
कान्हवा प मली-मली धुरिया ए भाई जी...'।

☞ **लुप्त होती स्मृति में तन्हा जंग बहादुर सिंह** :- लुप्त होती स्मृति में तन्हा जंग बहादुर सिंह अब भटभटाने लगे हैं। अपने छोटे भाई हिंडाल्को के मजदूर नेता रामदेव सिंह की मृत्यु (14 अप्रैल 2022) के बाद और अकेले पड़ गए हैं। वह अकेले में कुछ खोजते रहते हैं। कुछ सोचते रहते हैं। फिर अचानक संगीतमय हो जाते हैं। देशभक्ति गीत गाते-गाते निर्गुण गाने लगते हैं। वीर अब्दुल हामिद व सुभाष चंद्र बोस की गाथा गाते-गाते गाने लगते हैं कि 'जाए के अकेल बा, झमेल कवना काम के'। विलक्षण प्रतिभा के धनी जंग बहादुर ने गायन सीखा नहीं, प्रयोग और अनुभव से खुद को तराशा। अपने एक मात्र उपलब्ध साक्षात्कार में जंग बहादुर ने बताया कि उन्हें गाने-बजाने से इस कदर प्रेम हुआ कि बड़े-बड़े कवित्त, बड़ी-बड़ी गाथाएं और रामायण-महाभारत तक कंठस्थ हो गया। वह कहते हैं, प्रेम पनप जाए तो लक्ष्य असंभव नहीं। लक्ष्य तक वह पहुंचे, खूब नाम कमाए। शोहरत-सम्मान ऐसा मिला कि भोजपुरी लोक संगीत के दो बड़े सितारे मुन्ना सिंह व्यास और भरत शर्मा व्यास उनकी तारीफ करते नहीं थकते। पर अफसोस कि तब कुछ भी रिकार्ड नहीं हुआ। रिकार्ड नहीं हो तो कहानी बिखर जाती है। अब तो जंग बहादुर सिंह की स्मृति बिखर रही है, वह खुद भी बिखर रहे हैं, 102 की उम्र हो गई। जीवन के अंतिम छोर पर खड़े इस अनसंग हीरो को उसके हिस्से का हक और सम्मान मिले। ●

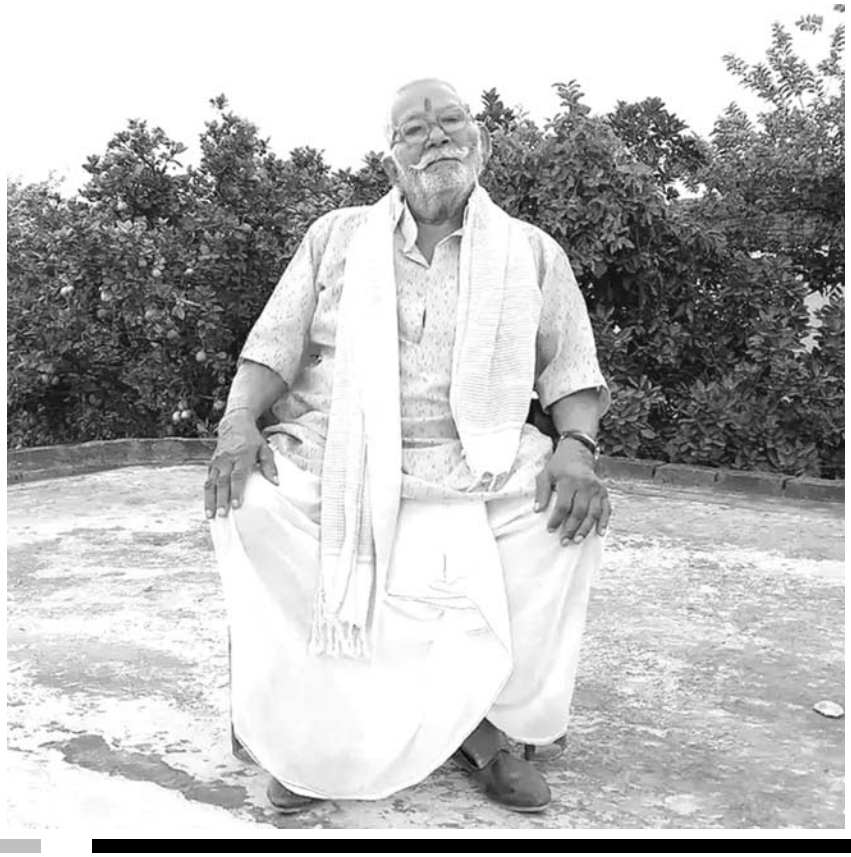

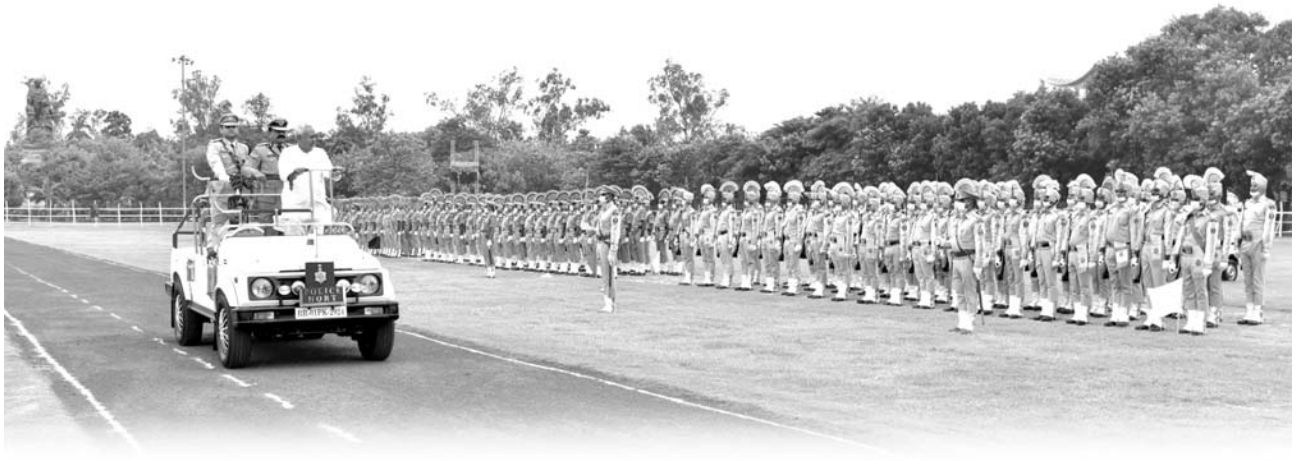

ऐतिहासिक गांधी मैदान में मुख्यमंत्री ने किया झण्डोलन

● अमित कुमार/त्रिलोकी नाथ प्रसाद

मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने बीते 15 अगस्त को पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में परेड की सलामी लेने के पश्चात् 76वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर झण्डोत्तोलन किया। इस अवसर पर प्रदेशवासियों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं समस्त बिहारवासियों को हार्दिक बधाई देता हूँ। आज का दिन हम सभी भारतवासियों के लिए गौरव का दिन है। राष्ट्रभक्तों के साहस, त्याग एवं बलिदान के फलस्वरूप 15 अगस्त, 1947 को हमारा देश आजाद हुआ। आज के दिन हम उन स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धा–सुमन अर्पित करते हैं जिन्होंने आजादी की लड़ाई में अपने प्राणों की आहुति दी उनके उच्च आदर्श आज भी हम सबों के लिए प्रेरणा के स्रोत हैं। मैं उन वीर जवानों को भी नमन करता हूँ जो बहादुरी से देश की सरहदों की सुरक्षा कर रहे हैं। उनके बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता है। देश के थल, जल और नभ की रक्षा करने वाले भारतीय सेना का हम अभिनन्दन करते हैं। आज के इस अवसर पर, मैं उन सभी खिलाड़ियों को भी बधाई देता हूँ जिन्होंने कॉमनवेल्थ खेलों में पदक जीतकर देश की शान को बढ़ाया है, हम उनका अभिनंदन करते हैं। इतिहास इस बात का गवाह है कि बिहार ने स्वतंत्रता आंदोलन में अग्रणी भूमिका निभायी। बिहार के लोगों ने हमेशा राष्ट्रनिर्माण में बढ़–चढ़ कर हिस्सा लिया है और देश के लोकतंत्र को मजबूती प्रदान की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष मानसून की बेरूखी के कारण सूखे की स्थिति हुई है। जुलाई माह में पूरे राज्य में औसत वर्षापात से 60 प्रतिशत कम वर्षा हुई जिसके कारण सूखे की स्थिति उत्पन्न हुई और जिससे फसलों की रोपनी समय पर नहीं हो सकी। 1 जून से 14 अगस्त तक औसत वर्षापात में 39 प्रतिशत की कमी हुई है जिससे धान रोपणी 80 प्रतिशत ही हो पायी है। सूखे की स्थिति से निपटने के लिए किसानों को बिचड़ा एवं फसलों की सिंचाई हेतु डीजल अनुदान 60 रुपये प्रति लीटर से बढ़ाकर 75 रुपये प्रति लीटर दिया जा रहा है। डीजल अनुदान के लिए अभी तक लगभग 1 लाख 2 हजार आवेदन प्राप्त हुये हैं, जिसमें से 48 हजार 506 आवेदनों का सत्यापन हो गया है तथा 11 हजार 243 किसानों को डीजल अनुदान दिया जा चुका है, आगे सभी इच्छुक लोगों को इसका भुगतान किया जायेगा। अच्छी खासी संख्या में किसानों के द्वारा डेडीकेटेड कृषि फीडर के तहत उपलब्ध विद्युत कनेक्शन से सिंचाई की जा रही है। कृषि कार्यों के लिए बिजली दर को पहले ही घटाकर 65 पैसे प्रति यूनिट कर दिया गया है जिससे बिजली से सिंचाई करना लगभग 20 गुणा सस्ता पड़ता है। कृषि के लिए प्रतिदिन 16 घंटे बिजली की निर्बाध आपूर्ति की जा रही है। कृषि कार्य से जुड़े ट्रान्सफार्मर यदि खराब होते हैं तो उन्हें तत्काल बदला जा रहा है। जो किसान धान की रोपणी नहीं कर पायेंगे उनके लिए आकस्मिक फसल योजना के तहत कम अवधि की फसलें जैसे मक्का, कुल्थी, उड़द, तोरिया, मटर, भिंडी आदि के बीज निःशुल्क उपलब्ध कराने की पूरी तैयारी की जा चुकी है ताकि किसानों को राहत मिल सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा शुरू से ही संकल्प है कि राज्य के खजाने पर आपदा पीड़ितों का पहला अधिकार है। यहाँ हर आपदा पीड़ित को सहायता दी जाती है, चाहे सुखाड़ हो या बाढ़ हो। आपदा की स्थिति से निपटने के लिए विद्यालयों में कई तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं। इसमें बच्चों को भूकम्प से बचने के लिए मॉक ड्रील तथा अन्य माध्यम से आपदाओं से निबटने के विषय में

बताया जा रहा है। बड़ी संख्या में बच्चों के डूबने की घटनाओं को ध्यान में रखते हुये बच्चों को तैरना सिखाया जा रहा है। साथ ही दिव्यांग बच्चों को आपदाओं से सुरक्षित रखने के लिए उन्हें प्रशिक्षित किया जा रहा है। पूरा विश्व कोरोना महामारी से प्रभावित रहा है। इस वर्ष की शुरूआत से ही कोरोना के मामले बीच–बीच में घटते–बढ़ते रहे हैं। अभी भी कोरोना के 798 एक्टिव मामले हैं। कोरोना की जाँच एवं इलाज की ठोस व्यवस्था की गयी है। प्रारंभ से ही कोरोना जाँच पर विशेष ध्यान दिया गया ताकि कोरोना संक्रमण को फैलने से रोका जा सके। अभी भी प्रतिदिन लगभग 1 लाख जाँच की जा रही है। हर जिले में आर0टी0पी0सी0आर0 जाँच की व्यवस्था कर दी गयी है। 14 अगस्त तक बिहार में प्रति 10 लाख जनसंख्या पर 7 लाख 39 हजार से अधिक जांच हुई है, जबकि राष्ट्रीय औसत लगभग 6 लाख 38 हजार है। मार्च, 2021 से ही कोविड–19 टीकाकरण का कार्य तेजी से जारी है। इसमें प्रथम खुराक, द्वितीय खुराक एवं प्रिकॉशनरी डोज को मिलाकर 14 करोड़ 75 लाख से अधिक कोरोना के टीके दिये जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि संकट की घड़ी में राज्य सरकार लोगों के साथ रही है तथा लोगों को हर संभव सहायता एवं सुविधा उपलब्ध कराई गई है। मृतक के आश्रितों को शुरू से ही 4 लाख रुपये अनुदान दिया जा रहा है। केन्द्र सरकार के निर्णय के उपरान्त 50 हजार रूपये की अतिरिक्त मदद भी दी जा रही है। अब तक कुल 12 हजार 996 मृतकों के आश्रितों को 584.82 करोड़ रूपये का भुगतान हो चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में कानून का राज स्थापित है। हमारा उद्देश्य है कि जो लोग क्राइम करते हैं, उन पर पुलिस अपना काम करे और कोई भी अपराधी बच न पाये। इसलिए हर थाने के कार्य को दो हिस्सों में बांटा गया। एक हिस्से में केसों का अनुसंधान तथा दूसरे हिस्से में विधि–व्यवस्था को रखा गया है। इसके लिए पुलिस कर्मियों एवं पदाधिकारियों को अलग–अलग जिम्मेदारी दी गयी है ताकि ठीक ढंग से कार्रवाई हो सके। पुलिस बल की संख्या में बढ़ोतरी की गयी है। पुलिस के लिए वाहन एवं अन्य आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराये गये हैं। हाल ही में आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए डायल 112 की इमरजेंसी सेवा प्रारंभ की गयी है। इसके तहत अपराध की घटना, आगजनी, वाहन दुर्घटना, मेडिकल इमरजेंसी आदि की सूचना पटना स्थित कॉल सेंटर में आने पर तत्काल पुलिस सहायता एवं आवश्यकतानुसार फायर ब्रिगेड एवं एम्बुलेंस की सहायता भी पहुँचायी जाती है। राज्य में साम्प्रदायिक सौहार्द्र का माहौल कायम है। शुरू से ही साम्प्रदायिक घटनाओं में लगातार कमी आयी है। साम्प्रदायिक तनाव की घटनाओं के प्रकाश में आने पर पुलिस एवं प्रशासन द्वारा त्वरित कार्रवाई की जा रही है। वर्ष 2006 से ही कब्रिस्तानों की घेराबंदी शुरू की गयी है जिसमें राज्य की मिली–जुली आबादी वाले इलाके में अवस्थित एवं संवेदनशील कब्रिस्तानों की घेराबंदी की जा रही है। अब तक चिन्हित 9 हजार 452 में से 7 हजार 200 कब्रिस्तानों की घेराबंदी कर ली गयी है और यह काम लगातार जारी है। वर्ष 2016 से बिहार मंदिर चहारदीवारी निर्माण योजना शुरू की गयी है क्योंकि मंदिरों में यदा–कदा मूर्ति चोरी आदि की घटनाएं हो जाती है। इसके अंतर्गत 60 वर्ष से पुराने धार्मिक न्यास पर्षद् में निबंधित मंदिरों की घेराबंदी की जा रही है, इसमें अब तक 295 मंदिरों की चहारदीवारी की जा चुकी है। आगे चलकर आवश्यकतानुसार 60 वर्ष से कम पुराने मंदिरों की चहारदीवारी के काम को आगे बढ़ाया जायेगा। सात निश्चय–2 के तहत सभी शहरों एवं महत्वपूर्ण नदी घाटों पर विद्युत शवदाह गृह सहित मोक्षधाम निर्माण का निर्णय लिया गया है इसमें परम्परागत शवदाह गृहों को ठीक कराकर लोगों को दाह–संस्कार एवं बैठने आदि की सुविधायें उपलब्ध कराते हुए मोक्षधाम के रूप में विकसित किया जाएगा। साथ ही यहाँ पर विद्युत शवदाह गृह की भी व्यवस्था रहेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार लोक सेवाओं का अधिकार कानून लागू है। इसके तहत नागरिकों को विभिन्न लोक सेवाएँ एक नियत समय–सीमा के अंतर्गत उपलब्ध कराई जा रही हैं। 15 अगस्त, 2011 से लागू इस अधिनियम के तहत अब तक 31 करोड़ 65 लाख से अधिक सेवाएँ प्रदान की जा चुकी हैं। शुरू में 9 विभागों की 53 सेवाएँ थी, अब 14 विभागों की 153 सेवाएँ इसमें आ गई है। इसमें से 73 प्रतिशत मामले केवल जाति, आय एवं निवास प्रमाण पत्र के होते है। अब इन लोक सेवाओं को प्राप्त करने के लिए ऑनलाईन सुविधा दी गयी है जिसमें 90 प्रतिशत लोग ऑनलाईन सुविधा ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम के तहत लोगों के शिकायतों का नियत समय–सीमा में निवारण किया जा रहा है। यह अधिनियम 5 जून, 2016 से लागू है। इसके तहत अब तक प्राप्त कुल 12 लाख 18 हजार 75 आवेदनों में से 11 लाख 80 हजार 672 आवेदनों का निष्पादन किया जा चुका है। यह निरंतर चलता रहता है। हमने सोचा कि लोक शिकायत निवारण के तहत शिकायतों की निराकरण की क्या स्थिति है, लोगों का इसका लाभ मिल रहा है या नहीं। इसके लिये ''जनता के दरबार में मुख्यमंत्री कार्यक्रम'' को पुनः शुरू किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में सड़कों तथा पुल–पुलियों का जाल बिछाकर, राज्य के सुदूर क्षेत्रों से 6 घंटे में राजधानी पटना पहुँचने का लक्ष्य पूरा कर लिया है। अब इस लक्ष्य को 5 घंटे किया

गया है और इस पर आवश्यकतानुसार तेजी से कार्य जारी है। पटना में सुगम यातायात के लिए फ्लाई ओवर एवं ऐलिवेटेड रोड का जाल बिछाया गया है। अन्य जिलों में भी आर0ओ0बी0 एवं फ्लाईओवर का निर्माण कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पटना में दीघा से दीदारगंज तक जे०पी० गंगा पथ का निर्माण किया जा रहा है। जिसका शुभारम्भ 11 अक्टूबर, 2013 को किया गया था। 24 जून, 2022 से जे०पी० गंगा पथ के दीघा से पी0एम0सी0एच0 तक के भाग को लोगों के लिए शुरू किया गया है, इसे लेकर लोग बहुत उत्साहित हैं और हजारों की संख्या में लोग गंगा पथ को देखने जा रहे हैं। दीघा से दीदारगंज तक सम्पूर्ण परियोजना का कार्य फरवरी, 2024 तक पूर्ण करने का लक्ष्य है। आगे जे०पी० गंगा पथ को पश्चिम में दानापुर से आगे शेरपुर तक ले जाने की योजना है, जहाँ पर गंगा नदी पर निर्मित होने वाले शेरपुर–दीघवारा 6–लेन पुल से भी सम्पर्कता हो जायेगी। पूरब में गंगा पथ को गंगा नदी पर बन रहे कच्ची दरगाह–बिदुपुर 6–लेन पुल से भी जोड़ा जायेगा। भविष्य में गंगा पथ को पूरब की ओर बख्तियारपुर–ताजपुर पुल तथा पश्चिम की ओर आरा–छपरा पुल से भी मिला दिया जायेगा। राज्य में पथ निर्माण एवं ग्रामीण कार्य विभाग की सड़कों, पुल–पुलियों तथा सरकारी भवनों के मेंटेनेंस का कार्य विभागीय स्तर पर करने की व्यवस्था की जा रही है। इसके लिए सभी संबंधित विभाग तैयारी कर रहे हैं। विभागीय तौर पर अब मेंटेनेंस के लिए इंजीनियर एवं अन्य कर्मियों की बहाली भी होगी। राज्य में ऐसे भवनों का निर्माण किया है जिनका भवन निर्माण और वास्तुकला की दृष्टि से विशेष महत्व है। पटना में सम्राट अशोक कन्वेंशन केन्द्र बनाया गया जिसमें ज्ञान भवन, बापू सभागार, सभ्यता द्वार का निर्माण कराया गया तथा परिसर में सम्राट अशोक की सांकेतिक प्रतिमा लगायी है। पटना में अंतर्राष्ट्रीय मानक के बिहार म्यूजियम का निर्माण कराया गया है। पटना म्यूजियम का भी विस्तार किया जा रहा है। दोनों म्यूजियम को भूमिगत मार्ग से जोड़ने की योजना पर काम शुरू हो चुका है। सरदार पटेल भवन का निर्माण कराया गया है। यह भूकम्परोधी भवन है, जो 9 रिक्टर स्केल की तीव्रता वाले भूकम्प के झटके को सह सकता है। राज्य का गृह विभाग, पुलिस मुख्यालय एवं आपदा प्रबंधन विभाग इसी भवन में कार्यरत है। वर्ष 2012 में राजगीर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर का निर्माण कराया गया। उसके बाद वर्ष

2018 में बोधगया में महाबोधि सांस्कृतिक केन्द्र का निर्माण शुरू किया गया जिसका उद्घाटन 16 अप्रैल, 2022 को किया गया। उन्होंने कहा कि वर्ष 1917 में हुए चम्पारण सत्याग्रह एवं बापू के बिहार आने की स्मृति में मोतिहारी तथा बेतिया में 2000 क्षमता के चम्पारण सभागार का निर्माण पूरा हो चुका है तथा मुजफ्फरपुर में सभागार का निर्माण कार्य चल रहा है। इसके अलावा कई अन्य महत्वपूर्ण भवनों का निर्माण भी किया जा रहा है उनमें वैशाली में बुद्ध सम्यक् दर्शन संग्रहालय एवं बुद्ध स्मृति स्तूप शामिल हैं। इसमें भगवान बुद्ध के अस्थि अवशेष रखे जायेंगे। ये अस्थि अवशेष वैशाली के पास मड स्तूप से खुदाई कर निकाले गये थे, जो वर्तमान में पटना म्यूजियम में सुरक्षित रखे गये हैं। बच्चों को साईंस के बारे में नई–नई जानकारी देने के लिए पटना में आधुनिक साईंस सिटी का निर्माण कराया जा रहा है, इसका नामकरण ए०पी०जे० अब्दुल कलाम साइंस सिटी किया गया है। चम्पारण सत्याग्रह शताब्दी समारोह की स्मृति में पटना में बापू टावर का निर्माण कराया जा रहा है। इसमें राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के जीवन एवं विचारों को प्रदर्शित किया जायेगा ताकि आनेवाली पीढ़ी बापू के विचारों को पूरी तौर पर जानते रहें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं के लिए वर्ष 2006 में पंचायती राज संस्थाओं एवं वर्ष 2007 में नगर निकायों में 50 प्रतिशत आरक्षण से शुरूआत की। अब तक पंचायतों में चौथा चुनाव हो चुका है तथा नगर निकायों में चौथे चुनाव की तैयारी चल रही है। वर्ष 2007 से प्राथमिक शिक्षक नियोजन में 50 प्रतिशत आरक्षण दिया गया। वर्ष 2013 में पुलिस में महिलाओं के लिए 35 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया। अब बिहार पुलिस में महिलाओं की कुल संख्या 25 हजार 102 है। इस प्रकार पुलिस में महिलाओं की भागीदारी पूरे देश में सबसे अधिक है। वर्ष 2016 से महिलाओं को सभी सरकारी नौकरियों में 35 प्रतिशत आरक्षण दिया जा रहा है। हमने वर्ष 2006 में विश्व बैंक से कर्ज लेकर राज्य में स्वयं सहायता समूह गठन के लिए परियोजना शुरू की जिसका नामाकरण हमने ''जीविका'' किया। जीविका के अंतर्गत अब तक 10 लाख 31 हजार स्वयं सहायता समूहों का गठन कर 1 करोड़ 27 लाख से भी अधिक महिलाओं को जोड़ा गया है। इससे महिलाओं में जागृति आ रही है और ये स्वावलंबी बन रही हैं। उन्होंने कहा कि बालिकाओं की शिक्षा से जनसंख्या के स्थिरीकरण से बिलकुल सीधा संबंध है। वर्ष 2013 में मानव विकास मिशन के प्रस्तुतीकरण के दौरान मुझे बताया गया कि यदि पत्नी मैट्रिक पास है तो देश एवं अपने राज्य बिहार में प्रजनन दर 2 है, यदि पत्नी इंटर पास है तो देश में प्रजनन दर 1.7, जबकि बिहार में यह 1.6 है। इससे यूरेका की भावना आयी। राज्य के प्रत्येक पंचायत में 10+2 स्कूल खोलने का निर्णय लिया गया। अब अधिकतर पंचायतों में 10+2 स्कूल स्थापित

हो गये हैं, जहाँ पर 10+2 स्कूल स्थापित करने की भूमि नहीं है वहाँ मिडिल स्कूलों में 9वीं एवं 10वीं की पढ़ाई की व्यवस्था की गयी। आगे इन्हीं स्कूलों में कक्षा 11वीं एवं 12वीं का संचालन शुरू किया गया है। इसके लिए 2 हजार 768 स्कूलों में नये विद्यालय भवन एवं 3 हजार 530 विद्यालयों में अतिरिक्त क्लास रूम आदि के निर्माण हेतु कुल 7 हजार 530 करोड़ रूपये की स्वीकृति दी गयी है। वर्ष 2005 में बिहार की कुल प्रजनन दर 4.3 थी जो हमारे बालिका शिक्षा के लिए किये गये प्रयासों से घटकर अब 3 पहुँच गयी है। यही प्रयास जारी रहेंगे तो आनेवाले कुछ वर्षों में बिहार की प्रजनन दर 2 के आसपास पहुँच जायेगी। हम चाहते हैं कि सभी लड़कियां उच्च शिक्षा प्राप्त करे। इसके लिए अनुमंडल स्तर पर कॉलेज की स्थापना की गयी है, अब इसे और आगे बढ़ाने के कदम उठाये जायेंगे। पहले इंटर पास करने पर अविवाहित महिलाओं को 10 हजार रूपये तथा ग्रेजुएट पास होने पर सभी महिलाओं को 25 हजार रूपये देते थे अब इन्टर पास करने पर अविवाहित महिलाओं को 25 हजार रूपये तथा ग्रेजुएट पास होने पर 50 हजार रूपये देने की योजना शुरू की गयी है। उन्होंने कहा कि शुरू से ही वंचित वर्गों के लोगों के लिए काम किया तथा इन्हें मुख्यधारा में जोड़ने के लिए विशेष योजनाएं चलाई गयी। अनुसूचित जाति एवं जनजाति तथा अति पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों के लिए सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना चलायी जा रही है, इसमें बिहार लोक सेवा आयोग एवं संघ लोक सेवा आयोग की प्रारंभिक परीक्षा पास करने वाले अभ्यर्थियों को मुख्य परीक्षा की तैयारी हेतु क्रमशः 50 हजार रूपये एवं एक लाख रूपये प्रोत्साहन राशि दी जा रही है। अब तक अनुसूचित जाति एवं जनजाति के अभ्यर्थियों को बिहार लोक सेवा आयोग में 3 हजार 118 एवं संघ लोक सेवा आयोग में 92 तथा अति पिछड़े वर्ग के उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को बिहार लोक सेवा आयोग में 4 हजार 301 एवं संघ लोक सेवा आयोग में 113 ने योजना का लाभ लिया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को परिवहन की सुविधा उपलब्ध कराने तथा कमजोर वर्गों के युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने हेतु यह योजना लागू की गयी है। इस योजना के तहत प्रत्येक पंचायत के लिए 7 योग्य वाहनों की खरीद के लिए अधिकतम 1 लाख रूपये प्रति वाहन पर अनुदान दिया जा रहा है। इन 7 वाहनों में 4 वाहन अनुसूचित जाति/जनजाति तथा 3 वाहन अति पिछड़ा वर्ग के लाभुकों के लिए होते हैं। अब तक अनुसूचित जाति एवं जनजाति के 22 हजार 887 एवं अति पिछड़ा वर्ग के 16 हजार 547 युवाओं ने इस योजना का लाभ लिया है। 10+2 आवासीय विद्यालयों का निर्माण अनुसूचित जाति एवं जनजाति के छात्र–छात्राओं के लिए 87 आवासीय विद्यालय संचालित हैं। वैसे प्रखंड जहाँ अनुसूचित जाति की आबादी 50 हजार से अधिक है, ऐसे 40 प्रखंडों में 10+2 आवासीय विद्यालय की स्थापना की स्वीकृति दी गयी है जिस पर 1870 करोड़ रुपये का खर्च आयेगा जिनका निर्माण अगले चार वर्षों में पूर्ण कर लिया जायेगा। हर जिले में अन्य पिछड़ा वर्ग +2 कन्या आवासीय विद्यालय खोला जा रहा है जिसमें 18 जिलों में निर्माण कार्य जारी है, शेष 20 में निर्माण कार्य अगले 2 वर्षों में किया जायेगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान में अनुसूचित जाति एवं जनजाति के 111 छात्रावास संचालित है तथा 19 छात्रावासों का पुनर्निर्माण किया जा रहा है। जिन प्रखंडों में अनुसूचित जाति एवं जनजाति की आबादी 30 हजार से अधिक है वैसे 136 प्रखंडों में 100 क्षमता वाले छात्रावासों के निर्माण की स्वीकृति दी गयी है जिस पर 667 करोड़ रुपये की लागत आयेगी जिसे अगले 4 वर्षों में पूर्ण कर लिया जायेगा। हर जिले में ''अन्य पिछड़ा वर्ग छात्रावास'' संचालित करने का लक्ष्य है। वर्तमान में 25 जिलों में अन्य पिछड़ा वर्ग छात्रावास अवस्थित हैं, 9 जिलों में कार्य शुरू किया गया है तथा शेष 4 जिलों में छात्रावास का निर्माण 1 वर्ष में कर लिया जायेगा। वर्ष 2008–09 में अति पिछड़े वर्ग के छात्रों के लिए सभी जिलों में 100 बेड्स वाले जननायक कर्पूरी ठाकुर छात्रावास बनाने का निर्णय लिया गया, अब तक 32 जिलों में छात्रावास का भवन निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है, 6 जिलों में निर्माण कार्य चल रहा है। उन्होंने कहा कि तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं के लिए परित्यक्ता सहायता योजना को 10 हजार रुपये से शुरूआत की जिसे अब बढ़ाकर 25 हजार कर दिया गया है। इस योजना के तहत अब तक 13 हजार 876 महिलाओं को सहायता मिली है। मदरसों में शैक्षणिक सुधार हेतु मूलभूत सुविधाएँ एवं आधारभूत संरचना के विकास हेतु मदरसा सुदृढ़ीकरण योजना लागू की गई है। मदरसा के शिक्षकों एवं अन्य कर्मियों के वेतन को बढ़ाकर अन्य स्कूलों के तर्ज पर किया है। सुन्नी एवं सिया वक्फ बोर्ड की जमीन पर बहुद्देशीय भवन, मुसाफिरखाना, विवाह भवन, व्यवसायिक भवन, दुकान, मार्केट कॉम्पलेक्स का निर्माण कराया जा रहा है। पटना में सुन्नी वक्फ बोर्ड की जमीन पर पुराने अंजुमन इस्लामिया हॉल को नये सिरे से भव्य ईमारत के रूप में बनाया गया है। इसी प्रकार पटना सिटी में सिया वक्फ बोर्ड की जमीन पर भवन बनाया जा रहा है। हर जिला मुख्यालय में वक्फ की भूमि पर 10+2 स्तर के विद्यार्थियों के लिए अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालय निर्माण

हेतु योजना की स्वीकृत दी जा चुकी है। दरभंगा आवासीय विद्यालय निर्माण का कार्य अंतिम चरण में है तथा किशनगंज, पूर्णिया एवं मधुबनी जिलों में निर्माण की स्वीकृत दी गयी है। आगे दोनों वक्फ बोर्ड को आवासीय विद्यालय के लिए स्थल का चयन कर सूचित करने को कहा गया है। अगस्त, 2020 में पटना के मीठापुर में मौलाना मजहरूल हक अरबी एवं फारसी विश्वविद्यालय का भवन निर्माण पूर्ण हो चुका है। अब यहाँ से विश्वविद्यालय पूरी तरह संचालित है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज सुधार अभियान के तहत शराबबंदी, दहेज प्रथा एवं बाल–विवाह उन्मूलन अभियान चल रहा है। इसके लिए एक कागज बनाया जिसमें विश्व स्वास्थ्य संगठन की वर्ष 2018 की रिपोर्ट के अनुसार शराब के दुष्परिणामों, शराबबंदी पर बापू के विचारों, दहेज प्रथा एवं बाल–विवाह उन्मूलन के बारे में विस्तार से बताया गया है। इस कागज को हर घर तक पहुँचाया जा रहा है ताकि लोग इसके दुष्परिणामों से पूरी तरह अवगत हो सकें एवं इसका पालन करें। उन्होंने कहा कि सात निश्चय–1 के काम पूरे किये गये। पिछले कार्यकाल में बिहार के विकास के लिए सात निश्चय के तहत कार्यक्रम लागू किये गये। हर घर तक बिजली पहुँचा दी गई है। हर घर तक नल का जल, हर घर तक पक्की गली और नाली का काम भी काफी हद तक पूरा हो चुका है। शौचालय निर्माण का कार्य भी पूरा ही हो गया है। टोलों को ग्रामीण सड़कों से जोड़ने का काम भी ज्यादातर पूरा हो चुका है। कुछ क्षेत्रों में जो भी काम बचे हैं उन पर संबंधित विभागों द्वारा तेजी से काम हो रहा है। अब 7 निश्चय के अंतर्गत हर घर नल का जल तथा हर घर तक पक्की गली–नालियां के मेंटेनेंस की व्यवस्था की जा रही है। आर्थिक हल, युवाओं को बल के तहत स्टूडेन्ट क्रेडिट कार्ड, स्वयं सहायता भत्ता एवं कुशल युवा कार्यक्रम का लाभ युवाओं को मिल रहा है तथा यह आगे भी जारी रहेगा। कुशल युवा कार्यक्रम के तहत युवाओं को बुनियादी कंप्यूटर ज्ञान, व्यवहार कौशल एवं संवाद कौशल का प्रशिक्षण दिया जाता है। सात निश्चय– 2 के तहत कई योजनाओं का क्रियान्वयन शुरू हो चुका है तथा अन्य की कार्य योजना तैयार की जा रही है। सभी गाँवों में सोलर स्ट्रीट लाईट लगाने की सभी प्रक्रिया पूरी कर ली गयी है, शीघ्र ही पंचायत स्तर पर गाँवों में सोलर स्ट्रीट लाईट लगाने का काम शुरू किया जायेगा। सबके

लिये अतिरिक्त स्वास्थ्य सुविधा'' की व्यवस्था की गयी है। गाँवों में स्वास्थ्य उपकेन्द्रों को बेहतर बनाकर टेलीमेडिसिन से लोगों को चिकित्सीय परामर्श दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष से हृदय में छेद के साथ जन्मे बच्चों का निःशुल्क उपचार हेतु ''बाल हृदय योजना'' लागू की गयी है जिसके अंतर्गत अब तक 443 बच्चों का प्रशान्ति फाउंडेशन के सहयोग से गुजरात प्रान्त के अहमदाबाद शहर में अवस्थित सत्य साईं अस्पताल में ईलाज हो चुका है। पशुओं के लिए प्रत्येक 8–10 पंचायतों पर एक पशु अस्पताल की व्यवस्था की जा रही है। मोबाईल यूनिट के माध्यम से पशु चिकित्सक एवं अन्य कर्मियों के द्वारा घरों में पहुँचकर पशु चिकित्सा एवं अन्य सेवायें निःशुल्क दी जायेंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर खेत तक सिंचाई का पानी पहुँचाने की व्यवस्था की जा रही है, इसकी पूरी तैयारी कर ली गयी है। जल संसाधन, लघु जल संसाधन, ग्रामीण विकास, कृषि, ऊर्जा एवं पंचायती राज विभागों द्वारा सर्वेक्षण कर योजनायें बनायी गयी है और कई स्थानों पर क्रियान्वयन शुरू हो गया है। उन्होंने कहा कि सात निश्चय–2 के तहत युवाओं को नौकरी एवं रोजगार सृजन का पूरा प्रयास किया जायेगा। सरकारी नौकरियों के रिक्त पदों पर तेजी से बहाली की जा रही है। युवाओं को नौकरी एवं रोजगार के लिये सब कुछ करेंगे। हमलोग अब एक साथ हैं। हमलोगों का कॉन्सेप्ट है कि कम से कम 10 लाख कर दें। बच्चे–बच्चियों की नौकरी के लिये भी और उसके अलावा हर तरह से उनके रोजगार के लिये काम करेंगे। नौकरी और रोजगार दोनों का इंतजाम करायेंगे। सरकारी और सरकार के बाहर भी हर तरह से इस पर काम करायेंगे। हमलोगों का मन है कि इसको 20 लाख तक पहुँचायें। इसके लिये पूरी तौर पर हर जगह काम करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ''जल–जीवन–हरियाली'' अभियान के सभी 11 अवयवों पर काम चल रहा है। हमें जल की रक्षा एवं हरियाली की रक्षा करनी होगी तभी जीवन की रक्षा हो सकेगी चाहे वो मनुष्य हो, पशु–पक्षी हो या जीव–जन्तु। जल संरक्षण के लिए पूरी तौर पर काम चल रहा है। राज्य में पौधारोपण एवं हरित आवरण बढ़ाने पर हमारा शुरू से जोर है। इसके लिए वर्ष 2012 में हरियाली मिशन की स्थापना कर 24 करोड़ पौधारोपण के लक्ष्य के विरूद्ध वर्ष 2018–19 तक 22 करोड़ पौधे लगाये गये। अब जल–जीवन–हरियाली अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण किया जा रहा है। पिछले दो वर्षों में 7 करोड़ 35 लाख से अधिक पौधारोपण किया गया है। बिहार विभाजन के उपरान्त राज्य में हरित आवरण मात्र 9 प्रतिशत रह गया था, अब वह लगभग 15 प्रतिशत हो गया है। हम चाहते हैं कि हरित आवरण कम से कम 17 प्रतिशत हो, जितना संभव हो सकेगा उतना हरित आवरण बढ़ाया जायेगा, लेकिन अधिक आबादी एवं कम क्षेत्रफल के कारण हरित आवरण को और बढ़ाना बहुत कठिन होगा। वर्ष 2019 में मौसम अनुकूल कृषि कार्यक्रम शुरू किया गया था, अब सभी 38 जिलों में संचालित है। इसके तहत कृषि विज्ञान केन्द्रों पर मौसम के अनुकूल नई कृषि तकनीकों एवं फसल चक्र का प्रदर्शन किया जा रहा है तथा किसानों को इन कृषि तकनीकों के बारे में प्रशिक्षित भी किया जा रहा है। प्रतिवर्ष डेढ़ लाख किसानों को प्रशिक्षण एवं स्थल भ्रमण कराया जाता है। सौर ऊर्जा पर जोर दिया जा रहा है, अब तक 2 हजार 135 सरकारी भवनों पर सौर ऊर्जा अधिष्ठापित की गयी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार अपने संसाधनों से जाति आधारित गणना करा रही है। राज्य स्तर पर इसकी जिम्मेदारी सामान्य प्रशासन विभाग तथा जिला स्तर पर जिला पदाधिकारियों को दी गयी है। इस कार्य में विभिन्न विभागों के अधीनस्थ कर्मियों की सेवायें ली जायेगी। इसकी पूरी तैयारी की जा रही है। जाति आधारित गणना के दौरान लोगों की

आर्थिक स्थिति के सर्वेक्षण का भी प्रयास किया जायेगा तथा इसके आधार पर सभी वर्गों की आर्थिक स्थिति में सुधार के लिए काम किया जायेगा। तभी सही मायने में ''न्याय के साथ विकास'' का सपना साकार हो सकेगा। सरकार की कामना है कि समाज में सद्भाव एवं भाईचारा का वातावरण कायम रहे तथा पर्यावरण का संरक्षण हो और राज्य को कोरोना संक्रमण की महामारी से मुक्ति मिले। सभी चुनौतियों के बावजूद, हमारा राज्य प्रगति के पथ पर अग्रसर है। हमारा अतीत गौरवशाली और विरासत समृद्ध है। हम उसी ऊँचाई को फिर से प्राप्त करना चाहते हैं। आइये, स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर हम सब यह संकल्प लें कि बिहार को राष्ट्रीय स्तर पर एक खुशहाल राज्य के रूप में स्थापित करने के लिए अपना सहयोग प्रदान करेंगे। इस अवसर पर एक बार पुनः सभी बिहारवासियों को शुभकामनाएँ देता हूँ। जय हिन्द, जय हिन्द, जय हिन्द।

इस अवसर पर मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग, पर्यटन निदेशालय, महिला एवं बाल विकास निगम, कृषि विभाग, बिहार अग्निशमन सेवा, उपेन्द्र महारथी शिल्प अनुसंधान संस्थान, बिहार शिक्षा परियोजना परिषद्, जीविका तथा सूचना एवं जन–सम्पर्क विभाग द्वारा झांकियां निकाली गयीं। इसमें बिहार कृषि विभाग को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ, बिहार अग्निशमन सेवा की झांकी को द्वितीय स्थान, जबकि बिहार शिक्षा परियोजना परिषद् की झांकी को तश्तीय स्थान प्राप्त हुआ। ●

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के मंत्री ने किया विभाग में योगदान

● **अमित कुमार/त्रिलोकी नाथ प्रसाद**

राज्य में नई सरकार के गठन के बाद सूचना एवं जन–सम्पर्क विभाग के मंत्री श्री संजय कुमार झा ने बीते 17 अगस्त को विभाग में योगदान किया और इस अवसर पर अपने कार्यालय कक्ष में सभी अधिकारियों से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान श्री झा ने विभाग की प्राथमिकताएँ सुस्पष्ट करते हुए सभी को सरकार के साथ कदम–से–कदम मिलाकर आगे बढ़ने की बात कही। इस दौरान सर्वप्रथम सचिव, श्री अनुपम कुमार और निदेशक, श्री अमित कुमार ने माननीय मंत्री का औपचारिक स्वागत करते हुए उन्हें बुके भेंट किया तथा फिर विभाग द्वारा किए जाने वाले कार्यों पर संक्षेप में प्रकाश डाला। इस अवसर पर विभाग के सभी पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बिहार विधान परिषद् के 200वां सत्र स्मृति-स्तंभ का मुख्यमंत्री ने किया अनावरण

● अमित कुमार/त्रिलोकी नाथ प्रसाद

मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने बीते 17 अगस्त को बिहार विधान परिषद् के कबीर वाटिका में नवनिर्मित 200 वां सत्र स्मृति–स्तंभ का अनावरण किया। इस स्मृति–स्तंभ पर बिहार विधान परिषद् के 200वें सत्र में शामिल सदस्य के रूप में श्री अवधेश नारायण सिंह, श्री नीतीश कुमार, श्रीमती राबड़ी देवी, श्री नवल किशोर यादव, श्री देवेश चंद्र ठाकुर, श्री उपेंद्र कुशवाहा, श्री नीरज कुमार, श्री वीरेंद्र नारायण यादव, श्री सर्वेश कुमार, डॉ0 एन0के0 यादव, श्री संजीव श्याम सिंह, प्रोफेसर संजय कुमार सिंह, श्री केदारनाथ पांडेय, डॉ0 मदन मोहन झा, डॉ0 संजीव कुमार सिंह, श्री मंगल पांडेय, डॉ0 कुमुद वर्मा, प्रो0 गुलाम गौस, श्री मो0 फारुक, श्री भीष्म साहनी, श्री खालिद अनवर, श्री रामबली सिंह, श्री प्रेमचंद्र मिश्रा, श्री रामचंद्र पूर्वे, श्री संजय प्रकाश, श्री मो0 कमर आलम, श्री राम ईश्वर महतो, श्री अर्जुन साहनी, श्री समीर कुमार सिंह, श्री गुलाम रसूल, श्री रणविजय कुमार सिंह, श्री संजय पासवान, श्रीमती रोजिना नाजिश, श्री मुकेश सहनी, श्री सम्राट चौधरी, श्री सुनील कुमार सिंह, श्री चंदेश्वर प्रसाद सिन्हा, श्री संजय कुमार झा, श्री सैयद शाहनवाज हुसैन, श्री संतोष कुमार सुमन, श्री अशोक चौधरी, श्री जनक राम, प्रो0 (डॉ0) रामवचन राय, श्री संजय कुमार सिंह, श्री ललन कुमार सर्राफ, प्रो0 (डॉ0) राजेंद्र प्रसाद गुप्ता, श्री संजय सिंह, श्री देवेश कुमार, डॉ0 प्रमोद कुमार, श्री घनश्याम ठाकुर एवं श्रीमती निवेदिता सिंह का नाम अंकित है। इस अवसर पर पत्रकारों से बात करते हुए मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने कहा कि 200वां सत्र पूरा होने पर उसमें जितने लोग शामिल थे, उन सभी का इस स्मृति–स्तंभ में नामकरण किया गया है। बिहार विधान परिषद् के कार्यकारी सभापति श्री अवधेश नारायण सिंह ने इस कार्य को कराया है। इस अवसर पर बिहार विधान परिषद् के कार्यकारी सभापति श्री अवधेश नारायण सिंह, वित्त–सह–संसदीय कार्य मंत्री श्री विजय कुमार चौधरी, सूचना एवं जन–संपर्क मंत्री श्री संजय कुमार झा, परिवहन मंत्री श्रीमती शीला कुमारी, अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री श्री मो0 जमा खान एवं अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। ●

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/8340360961

ई–मेल:- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

राघव के नेतृत्व में बनी टीम को मिली बड़ी सफलता

दो आरोपी गिरफ्तार, तीन की खोजबीन जारी

● अमित कुमार

हाजीपुर सदर अनुमंडल में एसडीपीओ राघव दयाल ने एक बार फिर से एक गंभीर और सुर्खियों से भरे केश का पर्दाफाश करके दिखला दिया कि पुलिस सोयी हुई नहीं, बल्कि आपकी सुरक्षा के लिए हर समय तैयार है। राजधानी पटना से सटा वैशाली जिले की बात करे तो वैसे यह है तो छोटा जिला, किन्तु यहां पर पनपते अपराधियों के मनोबल को हमेशा वैशाली जिले की पुलिस ने ध्वस्त किया है। किसी घटना को चुपके से अंजाम दे देने में अपराधी माहिर जरूर दिखते हैं, किन्तु हाजीपुर पुलिस को चुनौती देने की ताकत अपराधियों के लिए टेढ़ी खीर है, क्योंकि यहां पर राघव जैसे ईमानदार और कर्तव्यनिष्ठ पुलिस पदाधिकारी सुरक्षा देने के लिए हर वक्त तैयार रहते हैं। इसी संकल्प के साथ हाजीपुर पुलिस कार्य भी कर रही है।

इसी को लेकर खबर पर प्रकाश डालते हुए बताते चले कि बालू के अवैध कारोबारियों के खिलाफ पुलिस द्वारा जमकर छापेमारी अभियान चलायी गयी, जिसमें गंगाब्रीज थाना के तेरसिया में पुलिस और बालू माफियाओं के बीच धड़ा-पकड़ी को देखा गया। इस मामले में हाजीपुर सदर एसडीपीओ राघव दयाल बताते हैं कि एस. पी. के निर्देश पर अवैध बालू कारोबारियों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है और छापेमारी की गई है। इस छापेमारी में गंगाब्रिज प्रभारी थानाध्यक्ष और जिला खनिज विकास पदाधिकारी भी मौजूद थे। इससे पहले भी तेरसिया इलाके में छापेमारी हुई है और अवैध बालू कारोबार को रोकने के लिए छापेमारी का अभियान चलता रहेगा। बहरहाल, इस मामले में जिलाधिकारी द्वारा कहा गया है कि जहां भी कार्रवाई करें वहां की फोटोग्राफी जरूर करें। सड़कों पर चल रहे बालू के ट्रैक्टर और ट्रकों को रोक कर पूछताछ की जाये। जिलाधिकारी के निर्देश का पालन करते हुए एसडीपीओ एवं खनन पदाधिकारी के संयुक्त छापेमारी अभियान में बहुत संख्या में बालू से लदे ट्रक-ट्रैक्टर पकड़े भी गये। दूसरा एक और मामला गंगाब्रिज और बिदुपुर का सामने आया, जिसमें पुलिस को सफलता मिलने की बात कही गयी। हुआ यूं कि गंगाब्रिज थाना क्षेत्र के सहदुल्लापुर में बीते 23 जुलाई को 65 वर्षीय वृद्ध महिला की हत्या कर दी गई थी, जिसका पुलिस ने उद्भेदन कर दिया है। ज्ञात हो कि इस मामले में मृतका के पुत्र ने प्राथमिकी दर्ज करायी थी, जिसके बाद एसपी मनीष ने हत्या के खुलासे को लेकर हत्यारों की गिरफ्तारी के लिए एक टीम गठित की थी। यह टीम का नेतृत्व सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राघव दयाल कर रहे थे और इस टीम में सदर सर्किल इंस्पेक्टर प्रशांत कुमार, गंगाब्रिज थानाध्यक्ष सुनील कुमार, डीआईयू के प्रभारी एसआई विनय प्रताप सिंह, एसआई अभिषेक त्रिपाठी, एसआई शिवेंद्र सिंह और गंगाब्रिज थाना के अपर थानाध्यक्ष एसआई एफ. खान शामिल थे।

राघव दयाल
एसडीपीओ, सदर

वही इस मामले में पुलिस को मिली सफलता को लेकर प्रेस वार्ता के दौरान एसडीपीओ राघव दयाल ने बताया कि घटना गत् 23 जुलाई की है। लीची और केले के बगीचे में 65 वर्षीय महिला जलावन के लिए पत्ते चुनने गई थी। वह एक लीची पेड़ के नीचे थी, उसी समय पांच की संख्या में बदमाश वहां पहुंच गए। बुजुर्ग महिला को दबोच कर जबरन शारीरिक संबंध बनाने की कोशिश की। महिला ने उनका जोरदार विरोध किया। इसपर गुस्साए बदमाशों ने चाकू मारकर उसकी जान ले ली। इसके बाद शव को खींचकर पास के ही एक बेकार पड़े घर के पीछे बाथरूम में छिपाकर भाग निकले। हत्यारे घटना में प्रयुक्त चाकू वहीं फेंक गए। एसडीपीओ ने बताया कि पुलिस के सामने हत्यारों तक पहुंचना बड़ी चुनौती थी। पुलिस टीम ने कांड की तकनीकी एवं मानवीय इनपुट के आधार पर जांच शुरू की और अनुसंधान के क्रम में सहदुल्लापुर निवासी गुड्डू कुमार और एराजी कंचनपुर निवासी राज कुमार उर्फ राजा को पकड़ लिया गया। एसडीपीओ राघव दयाल ने आगे बताया कि गुड्डू कुमार का पहले से भी आपराधिक इतिहास रहा है। वह गंगाब्रिज थाने में पूर्व के दो अन्य मामलों का आरोपित है। उन्होंने बताया कि मृत वृद्ध महिला बराबर बगीचे में पत्ते चुनने जाती थी। बदमाशों ने घात लगाकर घटना को अंजाम दिया। घटनास्थल बिदुपुर थाना क्षेत्र में पड़ता है, लेकिन महिला का शव कुछ ही दूरी पर गंगा ब्रिज थाना क्षेत्र में मिला था। प्रेस कांफ्रेंस के दौरान सदर सर्किल इंस्पेक्टर प्रशांत कुमार, गंगाब्रिज थानाध्यक्ष सुनील कुमार और केके सिंह भी उपस्थित थे। दोनों ने इस घटना के राज खुद ही उगल दिए। दोनों ने घटना के समय अपने साथ रहने वाले तीन अन्य साथियों के भी नाम बताए हैं। उनकी तलाश में छापेमारी की जा रही है। ●

कानूनी सलाह

शिवानंद गिरि

(अधिवक्ता)

Ph.- 9308454485
7004408851

E-mail :-
shivanandgiri5@gmail.com

☆ क्या कोई हिंदू पत्नी अपने पति से अलग रहते हुए भी मेंटेनेंस का दावा कर सकती है ?

हिंदू दत्तक ग्रहण एवं भरण पोषण अधिनियम 1956 की धारा 18 दो में उन अवस्थाओं का वर्णन है जिनमें एक हिंदू पत्नी अपने पति से अलग रहते हुए भी भरण पोषण का दावा कर सकती है (1)यदि पति- पत्नी के अभित्याग का अपराधी हो अर्थात पति उचित कारण के बिना या बिना पत्नी की राय के या उसकी इच्छा के विरुद्ध उसे त्यागता है या उपेक्षा पूर्वक उसकी अवहेलना करता है (2) यदि पति ने इस प्रकार के निर्दयता का व्यवहार किया है जिससे उसकी पत्नी के दिमाग में युक्तियुक्त संदेह उत्पन्न हो जाए कि उसका पति के साथ रहना हानिकारक या घातक है(3) यदि पति कुष्ठ रोग से ग्रसित है (4) यदि पति की कोई दूसरी जीवित पत्नी है उस घर में जिसमें उसकी पत्नी रहती है उसी में रखैल रखता है या अन्यत्र कहीं उस रखैल के साथ प्राय: रहता है (5)यदि वह हिंदू धर्म त्याग कर कोई दूसरा धर्म अपना लेता है (6) यदि कोई अन्य कारण है जो उसके पृथक निवास को न्यायोचित ठहराता है। यहां त्याग तथा क्रूरता की स्थिति का निर्वचन उसी अर्थ में किया जाएगा जिस अर्थ में हिंदू विवाह अधिनियम 1955 की धारा 10 एवं 13 के अंतर्गत किया गया है उच्चतम न्यायालय एवं उच्च न्यायालय के निर्णय से यह प्रतिष्ठित हो चुका है कि अभीत्याग के लिए पृथक निवास तथा वैवाहिक संबंध समाप्त करने का स्थाई आशय आवश्यक तत्व है और क्रूरता शारीरिक एवं मानसिक दोनों हो सकती है केरल उच्च न्यायालय की पूर्ण पीठ ने एक वाद मे सामाजिक दृष्टिकोण को अपनाते हुए महत्वपूर्ण निर्णय दिया कि जहां पति अभित्याग का दोषी है वहां यह साबित करना कि ही पर्याप्त होगा कि वह अलग रह रहा है (चारू बना क्रॉउन 1929)10 लाहौर 265) दत्तक ग्रहण अधिनियम और भरण पोषण अधिनियम ने पत्नी के पृथक निवास और भरण पोषण के अधिकार को विस्तृत कर दिया है। इस की धारा 18 (2) में ऐसी दशाओं का वर्णन किया गया है जिसके अनुसार एक हिंदू पत्नी अपने पति से अलग रहते हुए भी भरण पोषण प्राप्त करने का दावा कर सकती है।

भरण पोषण का अधिकार व्यक्तिगत होने से पत्नी अपने पति के जीवन काल में उसके किसी अन्य संबंधी को इस उपधारा के अधीन भरण-पोषण पाने के लिए तथा अलग निवास के अधिकार के लिए रखैल और पत्नी का उसी घर में रहने की बात साबित होना जरूरी है किंतु उपर्युक्त स्थिति में जब की रखैल उसी घर में रह रही है और पत्नी अलग हो गई है तो धारा 18(2) (7)केअधीन भरण-पोषण पाने की अधिकारी हो जाएगी(भद्रा रेड्डी वनाम शानमया ए आई आर 1987 कर्नाटक 209) नरेंद्र पाल कौर चावला बनाम मनजीत सिंह चावला एआईआर 2008 दिल्ली 07 के मामले में न्यायालय ने यह कहा कि जहां पति ने अपनी पत्नी के होते हुए दूसरी पत्नी से विवाह किया है और उसकी दूसरी पत्नी को इस बात की जानकारी नहीं थी कि उसके पति ने इस विवाह के पूर्व विवाह संपन्न किया है और और दूसरी पत्नी की है सिर्फ से वाह 14 वर्षों से लगातार उसके साथ निवास कर रही है जिसके परिणाम स्वरूप उससे उसको दो पुत्रियां उत्पन्न हुई उपरोक्त मामलों का अवलोकन करते हुए न्यायालय ने यह भी निर्धारित किया की दूसरी पत्नी हिंदू दत्तक ग्रहण एवं भरण पोषण अधिनियम की ध ारा 18 की उप धारा 2 के अंतर्गत उसकी पहली पत्नी के जीवित रहते रहने की अवस्था में भी वह अपने पति से भरण पोषण प्राप्त कर सकती है इस संबंध में न्यायालय ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि दूसरी पत्नी से इस विश्वास के साथ विवाह किया गया कि वह उससे पहली बार विवाह जब पत्नी की ओर से कोई वाद पृथक भरण पोषण के लिए न्यायालय में दायर किया जाता है तो न्यायालय कोई अधिकार है की पत्नी एवं पति के पारस्परिक संबंध के स्वीकृत हो जाने पर अंतरिम भरण-पोषण का प्रबंध कर दे मीना चोपड़ा बनाम दीपक चोपड़ा एआइआर 2002 दिल्ली के मामले में पति एक बहुत ही अमीर व्यक्ति था जो अनैतिक जीवन व्यतीत करता था विवाह उपरांत उसने अपनी पत्नी से विवाह विच्छेद कर लिया था पत्नी ने विवाह विच्छेद के पश्चात अपने भरण पोषण के लिए हिंदू दत्तक ग्रहण एवं भरण पोषण अधिनियम के अंतर्गत एक आवेदन न्यायालय के समक्ष दिया प्रस्तुत मामले में न्यायालय ने पति की स्थिति का अवलोकन करते हुए आदमी को अधिनियम की धारा 18 के अंतर्गत ₹20000 प्रतिमाह भरण पोषण हेतु देने का आदेश दिया।

☆ जानिए कि सदन के संदर्भ में साइन डाई का क्या अर्थ होता है?

जब सदन की अध्यक्षता करने वाला पीठासीन अधिकारी सदन को स्थगित करते हुए आगामी बैठक या समय की घोषणा नहीं करता है तो कहा जाता है कि सदन अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया है अंग्रेजी में इसे साइन डाई कहते हैं।

☆ कब एक पति द्वारा अपनी ही पत्नी के साथ उसके मर्जी से शारीरिक संबंध बनाने पर बलात्कार की कोटि में आता है?

यदि पत्नी की आयु 15 वर्ष से कम है तो पति द्वारा किया गया मैथुन बलात्कार की श्रेणी में आता है साथी यदि जो कि अपनी पत्नी के साथ जो पृथक्करण की किसी डिक्री के अधीन या किसी प्रकार या रीति रिवाजों के अधीन उससे अलग रह रही हो तो उसकी सहमति के बिना मैथुन करता है तो वैसे पति को 2 वर्षों से लेकर 7 वर्षों तक का कारावास और जुर्माना या दोनों से दंडित किया जा सकता है इस अपराध के लिए दंड की व्यवस्था भारतीय दंड संहिता की अधिनियम की धारा 376 ख में किया गया है यह एक संगीन एवं अजमानती अपराध होता है इसकी ट्रायल सेशन न्यायालय में किया जाता है।

☆ सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने पर कितने वर्षों तक की सजा हो सकती है?

जो कोई व्यक्ति किसी ऐसे व्यक्ति पर जो लोक सेवक हो उस समय जब वैसे लोक सेवक होने के नाते वह अपने कर्तव्य का निष्पादन कर रहा हो तो इस आशय से की उस व्यक्ति को वैसे लोक सेवक के नाते अपने कर्तव्य के निर्वहन से रोकने या डराने या ऐसे लोक सेवक के नाते उसके अपने कर्तव्य के विधि पूर्वक निर्वहन में की गई या की जाने के लिए किसी बात के परिणाम स्वरुप हमला करेगा या आपराधिक बल का प्रयोग करेगा वह दोनों में से किसी भी प्रकार के कारावास की अवधि 2 वर्ष तक की हो सकेगी या जुर्माना से या दोनों से दंडित किया जा सकता है इसकी व्यवस्था भारतीय दंड संहिता की धारा 353 में की गई है।

GSTIN : 10KEPD0123PIZP

उत्तर भारत का COOKIE MAKER, सीवान में पहली बार
आपके लिए लेकर आया है

Cookie का बेहतर श्रृंखला

PRATIK ENTERPRISES

राजपुर (रघुनाथपुर) में अत्याधुनिक मशीनों द्वारा रस्क, बिस्कुट, बर्गर, मीठा ब्रेड, वंद, क्रीम रोल, पेटीज और बर्ड डे केक, पार्टी केक ग्राहकों के मनपसंद तैयार किया जाता है।

शुद्धता एवं स्वाद की 100% गारंटी

किसी भी अवसर पर
एक बार सेवा का मौका अवश्य दें।

प्रतीक फुड कंपनी

प्रतीक इंटरप्राइजेज, प्रतीक पतंजलि
राजपुर, रघुनाथपुर, सीवान (बिहार)

-: सौजन्य से :-

ब्रजेश कुमार दुबे

Mob.-9065583882, 9801380138

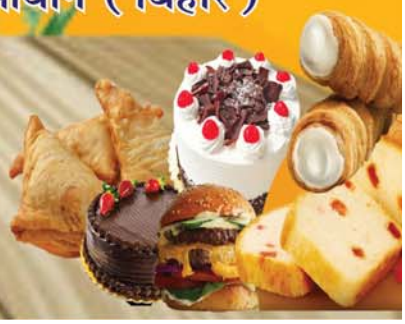

17th Foundation Year 2022

BABA TILKA MANJHI

MAHANAYAK OF INDIAN FREEDOM FIGHTER

झारखण्ड व्यक्तित्व

18 सितम्बर 2022 (रविवार)

महानायक बाबा तिलका मांझी केवल सच सम्मान-2022

-: आयोजक :-

केवल सच
हिन्दी मासिक पत्रिका

shruti कम्युनिकेशन

पूर्वी अशोक नगर, रोड नं.-14, मकान संख्या- 14/28
ककड़बाग, पटना - 800020, बिहार
मो.- 9431073789, 8340380981

-: कार्यक्रम स्थल :-

राज्य संग्रहालय
खेलगाँव, होटवार, राँची
(झारखण्ड)